आज का विचार

मौन और मुस्कान दोनों का इस्तेमाल कीजिए। मौन रक्षा कवच है तो मुस्कान स्वागत द्वार।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

5

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । शुक्रवार, 22 मई, 2026 वर्ष 24, अंक 122, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

हर जनपद में हो निवेश, जनपदों की पर कैपिटा इनकम बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित करें : योगी

एजेंसी (हि.स.)

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को इन्वेस्ट यूपी के अधिकारियों संग बैठक कर महत्वपूर्ण विषयों के साथ ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी 5.0) की विस्तृत समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जीबीसी 5.0 के अंतर्गत हर जनपद में निवेश हो, इसका विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। उन्होंने जनपदों की पर कैपिटा इनकम बढ़ाने पर जोर दिया और कहा कि इसके लिए मैन्युफेक्चरिंग पावर को बढ़ावा देना आवश्यक है।

बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि सात लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरने को तैयार हैं। इस अवसर पर इन्वेस्ट यूपी के अधिकारियों ने विगत दिनों लीड्स 2025 रैंकिंग में उत्तर प्रदेश को मिले एग्जेम्प्लर अवार्ड को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को समर्पित किया। अधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश लॉजिस्टिक्स एवं इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में देश का अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री ने इस पुरस्कार के लिए इन्वेस्ट यूपी के अधिकारियों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री के समक्ष जीबीसी के दौरान पूरे आयोजन का विस्तार से ब्योरा प्रस्तुत किया गया। इसमें स्टेज डिजाइन से लेकर पाथवे, एग्जीबिशन लेआउट को भी प्रस्तुत किया गया। एग्जीबिशन को आठ जोन में विभाजित किया गया है। पहला जोन- व्हाई यूपी है, जिसमें उत्तर प्रदेश के बदले परिदृश्य को विस्तार से दिखाया जाएगा। जोन-02 में इंफ्रास्ट्रक्चरल ट्रांसफॉर्मेशन, जोन-03 में डिफेंस व एयरोस्पेस, जोन-04 में ईवी एवं ग्रीन एनर्जी सस्टेनिबिलिटी, जोन-05 में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफेक्चरिंग, जोन-06 में टेक्सटाइल्स, जोन-07 में टूरिज्म तथा जोन-08 में फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में यूपी में आए सार्थक बदलाव को विस्तार से प्रदर्शित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डिफेंस कॉरिडोर में भूमि की मांग तेजी से बढ़ी है। इसके सापेक्ष हमें भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर देना होगा। इसके अलावा उन प्रोजेक्ट्स में, जहां वर्षों पूर्व भूमि आवंटित की गई, लेकिन अब तक निवेश नहीं हुआ है। ऐसे प्रोजेक्ट्स के बारे में भी अद्यतन जानकारी हासिल की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के समय में सबसे महत्वपूर्ण विषय एफडीआई को आमंत्रित करना है। इसके लिए व्यापक स्तर पर प्रयास करने होंगे। इसके साथ ही पब्लिक से जुड़े मुद्दे हमारी प्राथमिकता में होने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एमओयू करते समय संस्थानों की पूरी पड़ताल/जानकारी अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए। निवेशकों से जितना अच्छा व्यवहार होगा, समय से उनकी समस्याओं का निस्तारण करेंगे तो वह प्रदेश के लिए ब्रांड अंबेस्डर की तरह कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री ने लैंडबैंक बढ़ाने पर जोर दिया। इनवेस्टमेंट पर दिए जाने वाले इंसेंटिव्स को इवेंट बनाकर निवेशकों का सम्मान करें और उनका मनोबल बढ़ाएं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब पारंपरिक औद्योगिक राज्य की छवि से आगे बढ़कर रक्षा निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रीन एनर्जी, डेटा सेंटर, लॉजिस्टिक्स और हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग का उभरता हुआ राष्ट्रीय हब बन रहा है। मुख्यमंत्री के समक्ष उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के अंतर्गत होने वाले उत्तर प्रदेश रक्षा व एफडीआई कॉन्क्लेव 2026 का प्रस्तुतिकरण भी किया गया। बताया गया कि ह्नउत्तर प्रदेश रक्षा और एफडीआई कॉन्क्लेव 2026ह्न प्रदेश की नई औद्योगिक रणनीति का बड़ा मंच साबित होगा, जिसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) में रक्षा एवं एयरोस्पेस उद्योगों को आकर्षित करना, वैश्विक निवेशकों को जोड़ना और उद्योग, सरकार तथा रक्षा संस्थानों के बीच समन्वित इकोसिस्टम विकसित करना है। कॉन्क्लेव लखनऊ में आयोजित किए जाने का प्रस्ताव है, जिसमें रक्षा मंत्रालय, डीपीएसयू, वैश्विक डएटर, रक्षा विशेषज्ञ, टरटएर और स्टार्टअप्स को एक मंच पर लाया जाएगा। एजेंडा में उत्तर प्रदेश की रक्षा विनिर्माण क्षमता, एयरोस्पेस निवेश, रोजगार प्रोत्साहन नीति 2024, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और डीपीएसयू की भूमिका जैसे विषयों पर विस्तृत पैनल चर्चाएं प्रस्तावित हैं।

बैठक में मुख्यमंत्री को इन्वेस्ट यूपी की विभिन्न डेस्क के कामकाज से भी अवगत कराया गया। बताया गया कि इलेक्ट्रॉनिक्स डेस्क उत्तर प्रदेश के सबसे प्रभावी निवेश क्षेत्रों में शामिल है। इस डेस्क के अंतर्गत 8,050 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश आवेदन प्राप्त हुए हैं। ऑटोमोबाइल डेस्क में 722 करोड़ रुपये के निवेश आवेदन प्राप्त होने की जानकारी दी गई है। जीसीसी डेस्क के अंतर्गत लगभग 2,487 करोड़, स्टील एंड सीमेंट डेस्क में लगभग 12,232 करोड़, टेक्सटाइल्स डेस्क में लगभग 1,321 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

बैठक में कंट्री डेस्क के कामकाज की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री को बताया गया कि जापान से लगभग 50 हजार करोड़ रुपये, सिंगापुर से 40 हजार करोड़ रुपये, जर्मनी और यूके से पांच हजार करोड़ रुपये, ताइवान से तीन हजार करोड़ रुपये, यूएई से 2,074 करोड़ रुपये और दक्षिण कोरिया से 1,600 करोड़ रुपये के संभावित निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। बताया गया कि सिंगापुर और जापान बिजनेस मिशन ट्रिप भी अगस्त में प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने इन मिशन ट्रिप्स को अच्छे तरीके से संपन्न करने के निर्देश दिए हैं। सरकार का उद्देश्य इन मिशन ट्रिप्स के जरिए उत्तर प्रदेश को एशिया के बड़े विनिर्माण और टेक्नोलॉजी निवेश केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

विदेश यात्रा के दौरान वैश्विक नेताओं को प्रधानमंत्री ने दिए कला, विरासत और व्यंजनों से भरे उपहार

एजेंसी (हि.स.

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी पांच देशों- यूएई, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की यात्रा पूरी करके स्वदेश लौट आए हैं। उन्होंने 15-20 मई तक की अपनी हालिया विदेश यात्राओं के दौरान वैश्विक नेताओं को भारत की समृद्ध कलात्मक विरासत, शिल्प कौशल और पारंपरिक व्यंजनों को दशार्ने वाले अनूठे उपहार भेंट किए। ये उपहार न केवल भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करते हैं बल्कि संबंधित देशों के साथ गहरे द्विपक्षीय एवं ऐतिहासिक संबंधों को भी रेखांकित करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मैटरेला को आगरा के कारीगरों द्वारा निर्मित संगमरमर की जड़ाई (पिएत्रा दुरा) का बक्सा भेंट किया। इसमें भारत रत्न पंडित भीमसेन जोशी और एमएस सुब्बुलक्ष्मी के गायन से जुड़ी सीडी है जबकि प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी को असम का मूगा रेशमी शॉल (अपनी प्राकृतिक सुनहरी चमक के लिए प्रसिद्ध भारत का ₹स्वर्ण रेशम₹) और शिरुई लिली सिल्क स्टोल (मणिपुर के दुर्लभ शिरुई लिली फूल से प्रेरित, जो इतालवी पुनर्जागरण कला में भी पवित्रता का प्रतीक है) भेंट की। नीदरलैंड के राजा विलेम अलेक्जेंडर को जयपुर की ब्लू पॉटरी कलाकृतियां (जीआई टैग) भेंट की, जो क्वाट्र्ज पाउडर और कांच के मिश्रण से निर्मित पारंपरिक सिरेमिक कला, जो नीदरलैंड की 'डेल्फ़्ट ब्लू पॉटरी' के साथ सांस्कृतिक जुड़ाव दशार्ती है। नीदरलैंड की रानी मैक्सिमा को मीनाकारी और कुंदन की बालियां उपहार में दीं। ये बालियां राजस्थान की शाही परंपरा से जुड़े जीवंत रंगों और सोने की पन्नी में जड़े रत्नों का आभूषण है। डच शाही परिवार के सम्मान में इसमें नारंगी और नीले रंगों का विशेष चयन किया गया। इसके अलावा प्रधानमंत्री रोब जेटेन को मछली के रूपांकन वाली मधुबनी पेंटिंग (जीआई टैग) भेंट की, जो मिथिला क्षेत्र की लोककला पर आधारित है। इसमें मछली का पारंपरिक रूपांकन शामिल है। नॉर्वे की रानी को सम्मान में ओडिशा के ताड़ के पत्तों का पट्टाचित्र (ताला पट्टाचित्र) भेंट किया। ताड़ के पत्तों पर की गई बारीक नक्काशी, जो नॉर्दिक लोक और हस्तलिखित कला परंपराओं से मेल खाती है। नॉर्वे के युवराज को सूर्य और चंद्रमा की कलमकारी पेंटिंग भेंट की, जो आंध्र प्रदेश की प्राचीन वस्त्र कला है। इसमें सूर्य और चंद्रमा का पूरक संतुलन दशार्या गया है। नॉर्वे के प्रधानमंत्री को सूखे ऑर्किड की पेंटिंग और पेपरवेट भेंट किया गया, जो देश के पहले जैविक राज्य सिक्किम की घाटियों से एकत्रित असली ऑर्किड और फर्न से निर्मित कलाकृति है। नॉर्वे के राजा को चांदी का जटिल नौका मॉडल (तारकासी) दिया गया, जो कटक की 500 साल पुरानी चांदी की जालीदार कला है यह ओडिशा के ऐतिहासिक समुद्री व्यापार और राजा हेराल्ड पंचम के नौकायन (ओलंपिक) इतिहास के प्रति सम्मान को दशार्ता है। स्वीडन के प्रधानमंत्री को शांतिनिकेतन मैसेंजर बैग (पश्चिम बंगाल की पारंपरिक लोक कला और आधुनिक डिजाइन का मिश्रण), लद्दाख का शुद्ध ऊनी (पश्मीना) शॉल (चांगथांग के ऊंचे पठार की बकरियों की महीन ऊन से निर्मित है तथा पर्यावरण अनुकूल और सचेत जीवन का प्रतीक है), मणिपुर की लोकतक चाय (लोकतक झील के आसपास रसायनों के बिना उगाई जाने वाली प्रीमियम हस्तनिर्मित चाय) और रवींद्रनाथ टैगोर की कृतियों का संग्रह ('वड्र्स ऑफ द मास्टर' सहित टैगोर का साहित्य, जिनका 1913 में नोबेल पुरस्कार मिलने के बाद स्वीडन से विशेष बौद्धिक जुड़ाव था) भेंट किया गया। क्राउन प्रिंसेस विक्टोरिया को पारंपरिक गोंड चित्रकला उपहार स्वरूप भेंट की गई, जो मध्य प्रदेश के गोंड समुदाय की प्रकृति और जंगलों को दशार्ती जीवंत आदिवासी कला है। इसके अलावा 'कन्वीनिएंट एक्शन - कंटिन्यूटी फॉर चेंज' पुस्तक भी दी गई, जो प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लिखित नीतिगत विचारों और सुशासन पर केंद्रित पुस्तक है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति को उपहार में जीवन वृक्ष की रोगन पेंटिंग , कृषि उत्पाद में केसर आम और मेघालय के अनानास और मेघालय के प्रीमियम अनानास) दिया है।

सरकारी स्कूलों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की जरूरत : उपराष्ट्रपति

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा है कि सरकारी स्कूलों को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए और उनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने सांसदों और विधायकों से भी सरकारी स्कूलों के सुदृढ़ीकरण और सुधार पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया।

उपराष्ट्रपति ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले से आए सरकारी स्कूलों के मेधावी विद्यार्थियों के एक प्रतिनिधिमंडल से उपराष्ट्रपति भवन में मुलाकात के दौरान यह बात कही। प्रतिनिधिमंडल में 41 छात्र-छात्राएं शामिल थे, जिनमें 27 छात्राएं थीं। इन विद्यार्थियों ने कक्षा 10 की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और वे शैक्षणिक भ्रमण पर दिल्ली आए हुए हैं।

उपराष्ट्रपति ने गरीब और वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले सरकारी स्कूलों के छात्रों को शैक्षणिक भ्रमण पर दिल्ली लाने की पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे दौरे विद्यार्थियों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाते हैं और उन्हें कक्षा से बाहर भी सीखने का अवसर देते हैं।

राधाकृष्णन ने छात्रों से कहा कि जीवन में संघर्ष, असफलता और चुनौतियां सफलता का हिस्सा हैं। कठिन परिस्थितियां व्यक्ति को मजबूत, आत्मविश्वासी और अधिक संकल्पित बनाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों से निराश न होने और शिक्षा को सफलता का सबसे बड़ा माध्यम मानने की अपील की।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश के अनेक वैज्ञानिक, प्रशासक, शिक्षक, उद्यमी और नेता सरकारी स्कूलों तथा सार्वजनिक संस्थानों से निकलकर आगे बढ़े हैं। अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने भी तमिल माध्यम के एक सरकारी स्कूल में शिक्षा प्राप्त की थी। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में विद्यार्थियों के सपने और आकांक्षाएं भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

उपराष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को नशे और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग जैसी बुरी आदतों से दूर रहने की सलाह देते हुए खेल, पठन-पाठन और रचनात्मक गतिविधियों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने छात्रों को ईमानदारी से मेहनत करने, सफलता में विनम्र बने रहने और अपने ज्ञान का उपयोग समाज के कल्याण के लिए करने की सीख भी दी।

इस अवसर पर केंद्रीय संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर तथा पश्चिम गुंटूर विधानसभा की विधायक गल्ला माधवी भी उपस्थित थीं।

मोदी को 'अग्रीकोला पदक' से सम्मानित करना हर भारतीय के लिए गौरवशाली क्षण: शिवराज

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के प्रतिष्ठित ह्यएग्रीकोला पदकह्न से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सम्मानित किए जाने को प्रत्येक भारतवासी के लिए गौरवशाली क्षण बताया है।

चौहान ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट में खुशी जताते हुए कहा कि यह सम्मान प्रधानमंत्री मोदी को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, गरीबी कम करने, कृषि उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने तथा दुनिया से भुखमरी समाप्त करने के लिए किए गए उनके प्रयासों के लिए मिला है। आज पूरी दुनिया भारत के इन प्रयासों को सराह रही है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान भारत के परिश्रमी किसानों के पसीने का, हमारी माटी के सामर्थ्य का और पूरे हिंदुस्तान के बढ़ते वैश्विक मान का साक्षात प्रमाण है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने कृषि उत्पादन बढ़ाने, खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने, करोड़ों किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने और प्राकृतिक खेती जैसे जनहितकारी प्रयासों से पूरी दुनिया के सामने एक नया मॉडल प्रस्तुत किया है। आज सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में भारत दुनिया का मार्गदर्शक बनकर उभरा है।

कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि कोरोना महामारी के भीषण संकट के बाद से लगभग 80 करोड़ लोगों को दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य सुरक्षा कवच प्रदान करना, करोड़ों किसानों को 'किसान सम्मान निधि' के माध्यम से संबल देना और हमारी जी20 अध्यक्षता के दौरान कृषि-खाद्य प्रणालियों को वैश्विक एजेंडे में प्रमुखता से लाना, प्रधानमंत्री के इसी विजनरी नेतृत्व का कमाल है। एफएओ ने इस अटूट संकल्प और भारत की क्रांतिकारी फ्लैगशिप पहलों के व्यापक प्रभाव की सराहना की है। यह नए भारत की उस बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रतीक है, जहां दुनिया भारत की नीतियों, नेतृत्व और मानवीय दृष्टि को सम्मान से देख रही है।

उल्लेखनीय है कि खाद्य सुरक्षा, सतत कृषि और ग्रामीण विकास में प्रधानमंत्री मोदी के योगदान को मान्यता देते हुए उन्हें एफएओ ने प्रतिष्ठित ह्यएग्रीकोला पदकह्न से सम्मानित किया। पांच देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण के तहत मंगलवार रात इटली पहुंचे मोदी ने रोम में संयुक्त राष्ट्र के एफएओ मुख्यालय में एफएओ महानिदेशक डॉ. के. डोंग्यू से यह पुरस्कार ग्रहण किया था।

एआई से स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांति संभव, लेकिन नियमन और नैतिकता जरूरी: नड्डा

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

विश्व स्वास्थ्य सभा के 79वें सत्र के दौरान आयोजित कार्यक्रम स्वास्थ्य के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ताः कानून, नैतिक निगरानी, शोध और समानता में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि एआई स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देने की क्षमता रखता है, लेकिन इसके लाभ हर नागरिक तक पहुंचाने के लिए इसे सुदृढ़ नियमन, कठोर शोध, नैतिक निगरानी और समानता की प्रतिबद्धता से संचालित करना होगा। बैठक में उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत सुरक्षित, पारदर्शी और जनकेंद्रित स्वास्थ्य एआई ढांचे को आगे बढ़ा रहा है।

नड्डा ने कहा कि साल 2015 में शुरू की गई डिजिटल इंडिया पहल ने भारत को भविष्य की तकनीकों, विशेषकर एआई, के लिए तैयार किया। साल 2017 की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति ने एकीकृत और समावेशी डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र की परिकल्पना की थी, जिसे 2021 में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन और सहमति आधारित डिजिटल स्वास्थ्य डेटा ढांचे के जरिए आगे बढ़ाया गया।

उन्होंने फरवरी 2026 में शुरू की गई स्ट्रेटेजी फॉर एआई इन हेल्थकेयर फॉर इंडिया (साही) का जिक्र करते हुए कहा कि यह ग्लोबल साउथ से उभरने वाली पहली व्यापक रणनीति है, जो भारत की स्वास्थ्य यात्रा को नैतिक, पारदर्शी और जनकेंद्रित तरीके से मार्गदर्शन देती है। भारत ने बेंचमार्किंग ओपन डेटा प्लेटफॉर्म फॉर हेल्थ (बोध) एआई भी विकसित किया है, जिससे एआई समाधान वास्तविक डेटा पर आधारित होकर सुरक्षित और समान रूप से सभी नागरिकों के लिए उपयोगी बन सकें।

उन्होंने कहा कि एआई की चुनौतियों और अवसरों का सामना कोई भी देश अकेले नहीं कर सकता।

खरगे, सोनिया, राहुल व अन्य ने वीर भूमि पहुंचकर दी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को श्रद्धांजलि

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि पर आज यहां वीर भूमि में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने वीर भूमि पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, सांसद और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी को उनकी पुण्यतिथि पर नमन।

वीर भूमि पर आयोजित कार्यक्रम में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने राजीव गांधी की समाधि पर पुष्प अर्पित किए और कुछ देर मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। खरगे ने राजीव गांधी को 21वीं सदी के आधुनिक भारत की नींव रखने वाला दूरदर्शी नेता बताया। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने युवा भारत की शक्ति पर भरोसा करते हुए मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की। पंचायतों को अधिकार देकर लोकतंत्र को गांव-गांव तक मजबूत किया तथा दूरसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी और कम्प्यूटरीकरण के माध्यम से भारत को नए युग की दिशा दी।

राहुल गांधी ने एक्स पर अपने पिता के साथ एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि पापा, आपने जिस कुशल, समृद्ध और मजबूत भारत का सपना देखा था, उसे साकार करने की जिम्मेदारी मैं पूरी करूंगा। आपकी सीख, आपके संस्कार और आपकी यादें हमेशा मेरे साथ रहेंगी।

कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने कहा कि राजीव गांधी ने अपने छोटे से कार्यकाल में भारत के परिवर्तन की मजबूत नींव रखी। महिलाओं, युवाओं, गरीबों और वंचित वर्गों को सशक्त बनाने वाली उनकी नीतियों का प्रभाव आज भी दिखाई देता है। वेणुगोपाल ने कहा कि भारत की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा करते हुए राजीव गांधी ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, जिसे देश कभी नहीं भूलेगा।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राजीव गांधी ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बड़े सपने देखे और युवाओं को 18 वर्ष की आयु में मतदान का अधिकार देकर लोकतंत्र में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की। गहलोत ने कहा कि राजीव गांधी का मानना था कि युवा पीढ़ी ही भारत का भविष्य है।

केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने एक्स पर लिखा कि राजीव गांधी ने आधुनिक भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उन्होंने पंचायती राज सुधारों को लागू कर लोकतंत्र को मजबूत किया और देश को 21वीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार किया। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी की स्मृतियां और विचार आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि राजीव गांधी का 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक आत्मघाती विस्फोट में निधन हो गया था। वह वर्ष 1984 से 1989 तक प्रधानमंत्री रहे। उन्हें भारत में सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार क्रांति की नींव रखने वाले नेताओं में गिना जाता है। उनके कार्यकाल में कम्प्यूटरीकरण, दूरसंचार विस्तार और प्रशासनिक आधुनिकीकरण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए।

शिक्षा मंत्री को हटाए जाने तक कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा: राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में राजस्थान कांग्रेस द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन के दौरान वाटर कैनन से भीड़ को तितर-बितर करने पर कहा कि जब तक सरकार शिक्षा मंत्री को पद से नहीं हटाती तब तक कांग्रेस रुकेगी नहीं। ऐसे बल प्रयोग से वह लोग डरने वाले नहीं हैं। राहुल गांधी ने गुरुवार को राजस्थान कांग्रेस के प्रदर्शन करते कार्यकताओं को वाटर कैनन से पुलिस द्वारा हटाए जाने से जुड़े के पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए सरकार पर लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जब विदेश यात्रा पर थे, तब देश के युवा सड़कों पर उतर कर न्याय मांग रहे थे। नीट यूजी प्रश्नपत्र लीक ने देश के लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया। इसके चलते कई छात्रों ने अपनी जान तक गंवा दी। इसके बावजूद न ही सरकार ने जिम्मेदारी ली और न ही किसी जिम्मेदार पर कोई कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि आज जब कांग्रेस उन छात्रों के हक के लिए लड़ रही है तो सरकार उन पर लाठियां बरसा रही है। जो सरकार छात्रों के सवालों का जवाब लाठी से देती है वो जवाबदेही से नहीं, डर से चलती है। इससे कांग्रेस डरने वाली नहीं है। जब तक शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देंगे, उनकी पार्टी रुकेगी नहीं। उल्लेखनीय है कि नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता आज प्रदर्शन करते हुए भाजपा मुख्यालय के घेराव की कोशिश कर रहे थे लेकिन पुलिस ने उन्हें बीच रास्ते में ही रोक दिया। इसके बाद स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने इन प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया और बल प्रयोग भी किया।

आपदा में भाजपा ने नहीं दिया साथ, जनता ने नगर निकाय चुनाव में दे दिया जवाब : मुख्यमंत्री सुक्खू

सीएम ने कहा, आपदा में पीठ दिखाने वाली भाजपा को जनता ने चुनाव में सिखाया सबक

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

केरल दौरे से लौटते ही मुख्यमंत्री सुखवने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। शिमला में वीरवार को मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने भाजपा को झूठी पार्टीकरार देते हुए कहा कि नगर निकाय चुनाव में जनता ने कांग्रेस के काम पर भरोसा जताया है और भाजपा को आईना दिखा दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने प्रदेश में 25 से ज्यादा नगर पंचायतों और नगर परिषदों में जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा कि भाजपा लगातार झूठ और जुमलों की राजनीति कर रही है, जबकि कांग्रेस सरकार जनता से जुड़े मुद्दों पर काम कर रही है। सुक्खू ने सवाल उठाया कि लोग भाजपा को वोट क्यों दें, जब उसने मुश्किल समय में प्रदेश का साथ ही नहीं दिया।

❍ हिमाचल की जनता ने भाजपा की 'विपक्ष विरोधी' राजनीति को नकारा

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि प्रदेश में आई आपदा के दौरान भाजपा ने हिमाचल की मदद नहीं की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने आरडीजी बहाली में भी सहयोग नहीं दिया और प्रधानमंत्री द्वारा घोषित 1500 करोड़ रुपये की सहायता भी प्रदेश को नहीं मिली।

सुक्खू ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा ने मनरेगा जैसी योजनाओं को प्रभावित करने का काम किया। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि नगर निकाय चुनाव में लोगों ने कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया। सुक्खू ने अपनी सरकार की

उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने कर्मचारियों को ओपीएस दी, किसानों के लिए गेहूं, जौ और दूध का समर्थन मूल्य बढ़ाया और शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में काम किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण महंगाई लगातार बढ़ रही है। पेट्रोल, डीजल और कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाकर आम लोगों पर बोझ डाला गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी देश की सच्चाई और जनता की आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा को उनकी बातों से इसलिए परेशानी होती है क्योंकि वह सच बोलते हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा मुद्दों से ध्यान भटकाने की राजनीति करती है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि भी अर्पित की। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में कांग्रेस पार्टी ने अपने दो प्रधानमंत्रियों को खोया है।

सुक्खू ने कहा कि राजीव गांधी ने देश में सूचना प्रौद्योगिकी यानी आईटी युग की शुरूआत की थी और पंचायतीराज संस्थाओं व स्थानीय निकायों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर उनकी भागीदारी मजबूत की। उन्होंने कहा कि देश उनके योगदान को कभी नहीं भूल सकता।

'वन नेशन, वन इलेक्शन भारत के लोकतंत्र को नई दिशा देगा : अनुराग ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
हमीरपुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने गुजरात में आयोजित वन नेशन, वन इलेक्शन पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की हितधारक परामर्श बैठक में भाग लिया। सांसद पी. पी. चौधरी की अध्यक्षता में गठित यह समिति देशभर में विभिन्न हितधारकों से संवाद कर रही है। गुजरात प्रवास के दौरान समिति ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी, गुजरात विधानसभा अध्यक्ष, वरिष्ठ मंत्रियों, विधायकों, उपाध्यक्ष तथा अन्य हितधारकों के साथ व्यापक चर्चा की। इस दौरान देश में एक साथ चुनाव कराने की प्रक्रिया और उसके संभावित प्रभावों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

गुजरात सरकार ने वन नेशन, वन इलेक्शन पहल को पूर्ण समर्थन देते हुए इसे देश के सुशासन और विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने कहा कि एक साथ चुनाव होने से देश को व्यापक प्रशासनिक और आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे। बैठक में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, चुनावी खर्च में कमी, प्रशासनिक मशीनरी और सुरक्षा बलों के बेहतर उपयोग, तथा एकीकृत मतदाता सूची तैयार करने जैसे विषयों पर चर्चा हुई। इसके साथ ही संवैधानिक संशोधनों और सुचारु क्रियान्वयन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी विचार किया गया। जेपीसी सदस्य के रूप में संबोधित करते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि बार-बार होने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनाव देश की विकास गति पर बड़ा बोझ बनते जा रहे हैं। विभिन्न राज्यों में अलग-अलग समय पर लागू होने वाली आदर्श आचार संहिता के कारण विकास परियोजनाएं, जनकल्याणकारी योजनाएं और प्रशासनिक कार्य लंबे समय तक प्रभावित रहते हैं। उन्होंने कहा कि यदि चुनाव एक साथ कराए जाएं तो सरकारों को लगातार विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिलेगा, परियोजनाओं का क्रियान्वयन तेज होगा और प्रशासनिक व्यवस्था अधिक प्रभावी बनेगी। अनुराग सिंह ठाकुर ने गुजरात सरकार, जनप्रतिनिधियों और सभी हितधारकों का रचनात्मक एवं सकारात्मक सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन केवल चुनावी सुधार नहीं बल्कि सुशासन की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है, जो राजनीतिक और प्रशासनिक संसाधनों की बचत कर उन्हें जनहित में उपयोग करने का अवसर देगा। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों और देशवासियों से आग्रह किया कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इस ऐतिहासिक पहल का समर्थन करें, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक मानते हैं।

डुग्गन में डीसी कठुआ का जन-सुनवाई कार्यक्रम लोगों की समस्याओं के समाधान का दिया भरोसा

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने गुरूवार को बनी उप-डिविजन के दूरस्थ ब्लॉक डुग्गन में एक जन-संपर्क कार्यक्रम का आयोजन कर क्षेत्र की समस्याओं और विकासात्मक जरूरतों का मौके पर आकलन किया। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और प्रशासन के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं।

इस दौरान लोगों ने स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाओं की कमी, डुग्गन में जेके बैंक शाखा के संचालन में देरी, विभिन्न विभागों में कर्मचारियों की कमी, पशु चिकित्सालय और एलोपैथिक स्वास्थ्य केंद्र की मांग, लंबित सड़क मुआवजा मामलों, खेल मैदान के निर्माण, सिंचाई नहरों की मरम्मत, बीज और यूरिया की उपलब्धता, शैक्षणिक संस्थानों के उन्नयन तथा बिजली व्यवस्था को मजबूत करने जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठाए। डीसी ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशासन दूर-दराज और पिछड़े क्षेत्रों के संतुलित विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सड़क संपर्क और बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीकरण प्राथमिकता में है जिससे क्षेत्र में सेवाओं और आर्थिक अवसरों तक पहुंच बेहतर होगी। उन्होंने कृषि और बागवानी विभागों को निर्देश दिए कि समग्र कृषि विकास कार्यक्रम के तहत बनी और डुग्गन क्षेत्र के लोगों तक अधिकतम लाभ पहुंचाया जाए। साथ ही किसानों और युवाओं से बागवानी, मधुमक्खी पालन और अन्य स्वरोजगार योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

36 घंटे के प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों पर मंथन, नेताओं ने कार्यकताओं को दिया अनुशासन व समन्वय का मंत्र

कठुआ। आगामी 23 से 24 मई 2026 तक आयोजित होने वाले 36 घंटे के प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन भाजपा जिला अध्यक्ष उपदेश अंडोत्रा की अध्यक्षता में किया गया।बैठक में पूर्व मंत्री एवं जिला कठुआ प्रभारी प्रिया सेठी तथा सह-प्रभारी संजय बडू विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ शिविर के सफल आयोजन हेतु सभी तैयारियों और व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक का संचालन राजेश मेहता द्वारा किया गया जिन्होंने शिविर के समग्र प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान अनुशासन, बेहतर समन्वय तथा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी पर विशेष जोर दिया गया ताकि 36 घंटे का प्रशिक्षण शिविर सुचारू और सफल तरीके से संपन्न हो सके। नेताओं ने कार्यकर्ताओं की मेहनत, समर्पण और उत्साह की सराहना करते हुए सभी से सामूहिक रूप से जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया ताकि कार्यक्रम को सफल बनाया जा सके।

राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने भाखड़ा बांध का दौरा कर की बिजली उत्पादन व्यवस्था की समीक्षा, श्री नैना देवी मंदिर में टेका माथा

एजेंसी (हि.स.)
बिलासपुर

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने वीरवार को बिलासपुर जिले में सतलुज नदी पर स्थित ऐतिहासिक भाखड़ा बांध का दौरा कर बिजली उत्पादन से जुड़े बुनियादी ढांचे का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वैश्विक ऊर्जा संकट के मद्देनजर जल संरक्षण और उत्तरदायी जल प्रबंधन की आवश्यकता पर बल दिया।

राज्यपाल ने बांध परिसर का दौरा करते हुए टर्बाइन और विद्युत स्टेशनों का निरीक्षण किया तथा बिजली उत्पादन मशीनरी की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। उन्होंने इंजीनियरों और रखरखाव कर्मचारियों की तकनीकी दक्षता और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से यह महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संपत्ति सुचारु रूप से संचालित हो रही है। अधिकारियों ने राज्यपाल को बांध की परिचालन स्थिति, जल भंडारण स्तर,

बिजली उत्पादन क्षमता और रखरखाव कार्यों की जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि भाखड़ा बांध कई राज्यों की सिंचाई और पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ जलविद्युत उत्पादन में भी अहम भूमिका निभा रहा है। राज्यपाल ने कहा कि भाखड़ा बांध आधुनिक भारत के निमार्ताओं की दूरदृष्टि और संकल्प का जीवंत उदाहरण है, जो पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश के लाखों लोगों के लिए जीवनरेखा के रूप में कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता और वैश्विक ऊर्जा संकट से निपटने के लिए जल संरक्षण और संसाधनों के जिम्मेदार प्रबंधन की अत्यंत आवश्यकता है। राज्यपाल ने विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ श्री नैना देवी जी मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने हिमाचल प्रदेश और देशवासियों की शांति, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। राज्यपाल ने कहा कि श्री नैना देवी मंदिर न केवल आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रमुख केंद्र है, बल्कि हिमाचल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि मां नैना देवी का आशीर्वाद लोगों को निष्ठा और ईमानदारी के साथ समाज व देश सेवा के लिए प्रेरित करता है।

हिमाचल में पेट्रोल की मांग 11% बढ़ी, तेल कंपनियों ने पर्याप्त स्टॉक का दिया भरोसा

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में पर्यटन सीजन शुरू होते ही पेट्रोल और डीजल की मांग में अचानक तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने कहा है कि राज्य में ईंधन का पर्याप्त भंडार मौजूद है और लोगों को घबराकर अतिरिक्त खरीदारी करने की जरूरत नहीं है। कंपनियों के मुताबिक प्रदेश में फिलहाल पेट्रोल की रोजाना 1500 किलोलीटर और डीजल की 2400 किलोलीटर आपूर्ति की जा रही है, जिससे बढ़ती मांग को पूरा किया जा रहा है।

तेल कंपनियों का कहना है कि पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में हिमाचल में पेट्रोल की मांग करीब 11 प्रतिशत बढ़ी है। पर्यटन सीजन के कारण प्रदेश में वाहनों की आवाजाही बढ़ी है, जिससे ईंधन की खपत में उछाल आया है। इसके बावजूद इंडियनऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां लगातार

आपूर्ति बनाए हुए हैं ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। कंपनियों के अनुसार देशभर में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। तेल विपणन कंपनियां लगातार स्टॉक की समीक्षा कर रही हैं और बढ़ती मांग को देखते हुए लॉजिस्टिक्स और वितरण व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। कंपनियों ने कहा कि टर्मिनल, डिपो, पाइपलाइन, एलपीजी बॉटलिंग प्लांट और पेट्रोल पंपों का नेटवर्क लगातार काम कर रहा है ताकि समय पर ईंधन की आपूर्ति होती रहे। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड शिमला के डिविजनल रिटेल हेड और हिमाचल प्रदेश के स्टेट लेवल कोऑर्डिनेटर रचित अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश में ईंधन की उपलब्धता पूरी तरह सामान्य है और कंपनियां लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ती मांग को देखते हुए सप्लाई चेन को मजबूत किया गया है और उपभोक्ताओं को किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और सामान्य तरीके से ही ईंधन की खरीदारी करें।

अनंतनाग में 1 लाख की रिश्वत के मामले में एसीबी ने सिंचाई विभाग के दो अधिकारियों को पकड़ा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर भ्रष्टाचार-विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को अनंतनाग सिंचाई प्रभाग के एक जिलादार और एक पटवारी को जमीन से संबंधित शिकायत के निपटारे के लिए कथित तौर पर 1 लाख रुपये की रिश्वत मांगते और लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। प्रवक्ता ने बताया कि एसीबी ने अनंतनाग सिंचाई प्रभाग के जिलादार नजीर अहमद वानी और पटवारी बिलाल अहमद वागे को 1,00,000 रुपये की रिश्वत मांगते और लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एंटी करप्शन ब्यूरो को एक लिखित शिकायत मिली है जिसमें कहा गया है कि अनंतनाग के सिंचाई प्रभाग में तैनात जिलादार नजीर अहमद वानी पुत्र मोहम्मद अकबर वानी निवासी उतरासू नजीगुंड अनंतनाग और पटवारी बिलाल अहमद वागे पुत्र अब्दुल रहमान वागे निवासी शेरपोरा अनंतनाग, अनंतनाग के डबरूना के पास आशाजीपोरा में सरकारी जमीन पर कथित अतिक्रमण से संबंधित एक आवेदन/शिकायत के निपटारे के लिए 1,00,000 रुपये की रिश्वत मांग रहे थे। उन्होंने कहा कि आरोपी अधिकारियों ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता से कहा कि यदि वह उस स्थान पर एक मरला जमीन की कीमत के बराबर (लगभग 4 लाख रुपये) रिश्वत देता है तो वे अपने स्तर पर आवेदन का निपटारा करेंगे या उसे खारिज कर देंगे।

शहरी निकायों में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष चुनाव प्रभावित करना चाह रही कांग्रेस सरकार : भाजपा

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों के नतीजों के बाद भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस सरकार पर अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव प्रभावित करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता और विधायक राकेश जमबाल ने कहा कि प्रदेश में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों की जीत से कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री पूरी तरह बौखला गए हैं।

राकेश जमवाल ने वीरवार को एक बयान में कहा कि प्रदेश की अधिकांश नगर परिषदों और नगर पंचायतों में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों को जीत मिली है। उन्होंने कहा कि इन नतीजों से साफ है कि जनता का भरोसा भाजपा के साथ है, जबकि कांग्रेस सरकार के खिलाफ लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि अब कांग्रेस सरकार अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनावों को प्रभावित करने के लिए प्रशासनिक दबाव और राजनीतिक

हस्तक्षेप का सहारा लेना चाहती है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रलोभन और सरकारी मशीनरी के इस्तेमाल के जरिए लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। जमवाल ने इसे लोकतंत्र के खिलाफ बताया और कहा कि भाजपा ऐसे किसी भी प्रयास को सफल नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि किसी दबाव या लालच में आने वाले नहीं हैं। उनके अनुसार अधिकतर नगर परिषदों और नगर पंचायतों में भाजपा समर्थित उम्मीदवार बहुमत के साथ जीतकर आए हैं और आने वाले समय में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों पर भी भाजपा समर्थित प्रतिनिधियों का चुना जाना तय है।

संक्षिप्त-समाचार

सिरमौर में दर्दनाक हादसा, एक महीने की छुट्टी पर घर आए सेना के जवान की करंट लगने से मौत

नाहन। जिला सिरमौर के पांवटा साहिब के लांस नायक (गनर) मुकेश कुमार (27) की करंट लगने से मौत हो गई है। जवान की मौत की खबर से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार मुकेश कुमार भारतीय सेना की 15 फील्ड आर्टलरी रेजीमेंट में तैनात थे। इन दिनों देहरादून में सेवाएं दे रहे थे। वह 30 दिन की छुट्टी पर अपने पैतृक गांव आए हुए थे। वीरवार को अपने पैतृक गांव टोका नगला, जामनीवाला में खेतों में काम करते समय वह हाई वोल्टेज तार की चपेट में आ गए। हादसे के तुरंत बाद उन्हें पांवटा साहिब के जुनेजा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू की। बताया जा रहा है कि मुकेश कुमार अभी अविवाहित थे। उनका भाई भी भारतीय सेना में तैनात हैं। अपने पीछे वह बुजुर्ग पिता उजागर सिंह समेत अपनी माता और भाई को छोड़ गए हैं। जवान के निधन से पूरे क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है। घटना की जानकारी परिजनों ने सेना के अधिकारियों को दी। सैनिक कल्याण बोर्ड के उपनिदेशक मेजर दीपक धवन ने बताया कि उनकी यूनिट से घटना की सूचना प्राप्त हो चुकी है और जिला प्रशासन को भी अवगत करवा दिया गया है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद जवान की पार्थिव देह परिजनों को सौंप दी है। पार्थिव देह को डीप फ्रीजर में रखा गया है। शुक्रवार को पूरे राजकीय और सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

आधी छुट्टी में स्कूल से बाहर गई 11 वर्षीय छात्रा की सड़क हादसे में मौत, आरोपी बाइक सवार फरार

उधमपुर। जिला उधमपुर के तहसील मजलता के गांव सुंडला में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 11 वर्षीय छात्रा भूमि की मौत हो गई। भूमि स्थानीय हायर सेकेंडरी स्कूल में पढ़ती थी। जानकारी के अनुसार आधी छुट्टी के दौरान वह स्कूल से बाहर कुछ लेने गई थी तभी एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद घायल अवस्था में छात्रा को स्कूल के शिक्षकों द्वारा तुरंत नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामकोट (जिला कठुआ) पहुंचाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जीएमसी कठुआ रेफर कर दिया। लेकिन जीएमसी कठुआ पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक छात्रा के दादाजी ने आरोप लगाया कि स्कूल की एक अध्यापिका ने भूमि और उसकी सहेली को किसी काम से स्कूल से बाहर भेजा था। इसी दौरान यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि बाइक सवार टक्कर मारने के बाद मौके से फरार हो गया। परिजनों ने प्रशासन और पुलिस से मांग की है कि आरोपी मोटरसाइकिल चालक को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। परिवार ने स्कूल प्रबंधन की भूमिका की भी जांच करने की मांग उठाई है। बताया जा रहा है कि मृतक भूमि की दो बहनें भी हैं और परिवार इस घटना से गहरे सदमे में है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और फरार आरोपी की तलाश की जा रही है।

टाटा मोबाइल वाहन के एक खड़े ट्रक से टकराने से वाहन चालक की मौत, एक घायल

बनिहाल। गुरुवार को रामबन जिले के बनिहाल क्षेत्र में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर खरपोरा चौक पर एक टाटा मोबाइल वाहन के एक खड़े ट्रक से टकराने से वाहन चालक की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर तब हुई जब कश्मीर से जम्मू जा रही एक टाटा मोबाइल गाड़ी ने सड़क किनारे खड़े एक ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि टाटा मोबाइल के चालक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि कंडक्टर घायल हो गया और उसे इलाज के लिए बनिहाल उप-जिला अस्पताल ले जाया गया। मृत चालक की पहचान पुलवामा जिले के निवासी मोहम्मद इस्माइल के पुत्र बशीर अहमद कुम्हार के रूप में हुई है। दुर्घटना के तुरंत बाद बनिहाल पुलिस और एनएचएआई एम्बुलेंस सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंचीं और बचाव और निकासी अभियान शुरू किया। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और घटना की आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

धर्मशाला डिपो को मिली नई इलेक्ट्रिक बस एक चार्ज में दौड़ेगी 180 किमी

धर्मशाला। कांगड़ा जिला मुख्यालय धर्मशाला में मॉडिफाइड नई इलेक्ट्रिक बस का ट्रायल वीरवार को किया गया। पहले आई इलेक्ट्रिक बसों के मुकाबले इन नई बसों की क्षमता एक बार चार्ज पर 180 किलोमीटर की है जबकि पहले यह 150 किलोमीटर की थी। वहीं निगम 24 पुरानी बसों को इसी माह डिस्पाजआफ करने जा रहा है। डीएम एचआरटीसी डिवीजन धर्मशाला पंकज चड्ढा ने बताया कि एचआरटीसी के बेड़े में 297 नई इलेक्ट्रिक बसें जुड़ने वाली हैं। अत्याधुनिक तकनीक की यह बसें यात्रियों की यात्रा को सुखद बनाती हैं। एचआरटीसी की ओर से पहले भी इन बसों का ट्रायल किया गया था और कुछ मोडिफिकेशन हेतू कंपनी को कहा गया था। अब नई मोडिफाइड बस आई है, जिसका तीन रूटों, धर्मशाला से खनियारा, धर्मशाला से नगरोटा सूरियां और धर्मशाला से घेरा के बीच ट्रायल किया गया है। ट्रायल से डाटा तैयार कर भेजेंगे रिपोर्ट डीएम ने बताया कि ट्रायल के दौरान किलोमीटर के हिसाब से कितनी बेटरी यूज हुई, इसका पूरा डाटा तैयार करके रिपोर्ट मुख्य कार्यालय को भेजी जाएगी। एक माह के भीतर निगम की पुरानी 24 बसों को डिस्पाजआफ किया जाएगा। पहले जो इलेक्ट्रिक बसें आई थी, उनकी क्षमता एक चार्ज पर 150 किलोमीटर थी, जबकि नई गाड़ियां एक चार्ज पर 180 किलोमीटर का सफर तय करेंगी।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

जम्मू पुलिस का ड्रग नेटवर्क पर अभियान जारी चंडीगढ़ में 31 लाख रुपये की अवैध संपत्ति जब्त

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

नशीली दवाओं के खतरे और नशीले पदार्थों की तस्करी से अर्जित अवैध संपत्ति के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कार्रवाई में जम्मू पुलिस ने नशीले पदार्थों के अपराधियों के खिलाफ अपने निरंतर अभियान में एक और बड़ी सफलता हासिल की है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस स्टेशन बहू फोर्ट में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21/22/25/27ए/29 और बीएनएस की धारा 111 के तहत दर्ज एफआईआर संख्या 295/2025 की जांच के दौरान नशीले पदार्थों की तस्करी से प्राप्त धन से जुड़ी एक और अवैध रूप से अर्जित संपत्ति की पहचान कर उसे जब्त कर लिया गया है। चंडीगढ़ के सेक्टर 26, बापू धाम कॉलोनी स्थित मकान संख्या 711/6 जिसकी कीमत लगभग 31 लाख रुपये है, आरोपी सूरज कुमार पुत्र गुरदेव, निवासी राजीव नगर, नरवाल, जम्मू की है। अवैध मादक पदार्थों के व्यापार से प्राप्त अवैध आय से

संबंध स्थापित होने के बाद इस संपत्ति को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68-एफ के तहत जब्त कर लिया गया है। अधिकारी के अनुसार यह कार्रवाई मादक पदार्थों के तस्करों के वित्तीय ढांचे को ध्वस्त करने और मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित संपत्तियों की पहचान, कुर्की और उन्हें कानून के दायरे में लाने के लिए जम्मू पुलिस की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस घटनाक्रम के साथ चंडीगढ़ में अवैध मादक पदार्थों के व्यापार से अर्जित एक और संपत्ति को जब्त कर लिया गया है जो यह कड़ा संदेश देता है कि मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल व्यक्तियों को न केवल आपराधिक अभियोजन का सामना करना पड़ेगा बल्कि उनकी अवैध रूप से अर्जित संपत्ति भी जब्त कर ली जाएगी।

मौसम एक तरफ लू का कहर, दूसरी तरफ आंधी-तूफान की आहट से सहमा हिमाचल

प्रदेश में भीषण गर्मी, आंधी-ओलों का अलर्ट

❍ पहाड़ों पर भी पिघलने लगी बर्फ, ऊना में पारा 45 डिग्री के पार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में मई की गर्मी अब मैदानों से लेकर पहाड़ों तक पहुंच गई है। गुरुवार सुबह से ही राज्य के ज्यादातर इलाकों में तेज धूप खिली रही और निचले व मैदानी क्षेत्रों में लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया। दोपहर के समय बाजारों और सड़कों पर आवाजाही कम दिखाई दी। हालात ऐसे हैं कि ठंडे माने जाने वाले शिमला, मनाली और कल्पा जैसे हिल स्टेशनों में भी दिन और रात दोनों गर्म महसूस होने लगे हैं। सैलानियों को भी अब इन इलाकों में गर्मी का एहसास हो रहा है।

मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान ऊना, धर्मशाला, शिमला, सोलन और पालमपुर में लू की स्थिति दर्ज की गई।मौसम विभाग के

आंकड़ों के अनुसार ऊना में बुधवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, जिससे यह प्रदेश का सबसे गर्म इलाका बना रहा। शिमला में अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 5.5 डिग्री अधिक है। इसी तरह धर्मशाला में तापमान 36.1 डिग्री, पालमपुर में 34 डिग्री और सोलन में 36.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। लगातार बढ़ते तापमान का असर लोगों की दिनचर्या पर भी दिखने लगा है। भीषण गर्मी को देखते हुए सिरमौर जिले के पांवटा साहिब और ऊना में प्रशासन ने कई स्कूलों के समय में बदलाव किया है। यहां स्कूल सुबह जल्दी खोले जा रहे हैं जिससे बच्चों को दोपहर की तेज धूप और लू से बचाया जा सके। लोगों को भी दोपहर के समय घरों से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी जा रही है। राज्य में न्यूनतम तापमान भी सामान्य से ऊपर बना हुआ है, जिससे रातों में भी गर्मी कम नहीं हो रही। गुरुवार सुबह नेरी में सबसे ज्यादा 27.6 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। इसके बाद पांवटा साहिब में 26 डिग्री, देहरा गोपीपुर और पालमपुर में 25 डिग्री, बिलासपुर में 22.5 डिग्री, ऊना में 21.8 डिग्री, नाहन और कांगड़ा में 21.5 डिग्री, जुब्बड़हट्टी में 21.4 डिग्री और शिमला में 20.6 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ। मनाली में न्यूनतम तापमान 14.4 डिग्री और कल्पा में 11 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से ऊपर है। यही वजह है कि पहाड़ी इलाकों में भी रातें गर्म बनी हुई हैं। हालांकि बढ़ती गर्मी के बीच मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों के लिए राहत और परेशानी दोनों का अनुमान जताया है। विभाग के अनुसार 21 से 23 मई तक कई इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। गुरुवार को कुछ क्षेत्रों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, बिजली गिरने और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की गई है। शुक्रवार को मौसम और ज्यादा सक्रिय रहने की संभावना है तथा कई इलाकों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चल सकती है। इस दिन ओलावृष्टि को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लाडवा में जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान 338 शिकायतों को सुना

सरकार ने लाडवा विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों पर पिछले साढ़े 11 वर्षों में खर्च किए 807 करोड़ रुपये

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जिस एसडीओ ने गांव बकाली में खेत के रास्ते के बीच में खंभे और ट्रांसफार्मर लगाए, उसके खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाए। इस मामले की एसडीएम लाडवा जांच करेंगे। इसके साथ ही पुलिस को निर्देश दिए कि शिकायतकर्ता को धमकी देने वालों के खिलाफ केस दर्ज किया जाए। इतना ही नहीं आम नागरिकों को कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। सरकार का उद्देश्य है कि प्रदेश का विकास हो और हर नागरिक तक योजनाओं का लाभ पहुंचे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वीरवार को कुरुक्षेत्र के लाडवा के शिवाला रामकुंडी में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में आमजन के बीच पहुंचकर सीधा संवाद कर रहे थे। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नागरिकों को कहा कि सभी नागरिक शिकायत पत्र पर अपना मोबाइल नंबर जरुर लिखें, ताकि विभाग उनसे संपर्क कर सके। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान 338 शिकायतों को सुना।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनसंवाद कार्यक्रम का यह मंच हमारे क्षेत्र के सतत विकास, जनकल्याण और उज्ज्वल भविष्य के संकल्प का प्रतीक है। लाडवा विधानसभा क्षेत्र में बीते समय के दौरान जो विकास कार्य हुए हैं, वे यह सिद्ध करते हैं कि सरकार की नीति और नियत दोनों जनहित के लिए समर्पित हैं। सरकार का उद्देश्य सिर्फ एक है, इस क्षेत्र का विकास और यहां के हर नागरिक का उत्थान करना । उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को कहा कि कोई भी नागरिक जब शिकायत लेकर आता है तो उनकी सुनवाई कर शिकायत का निदान करें। उस शिकायत को लेकर किसी भी नागरिक को दोबारा से चक्कर ना लगाना पड़े।

मुख्यमंत्री के समक्ष शिकायतकर्ता ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि उन्होंने कई वर्ष पहले बकाली में करीब 7 एकड़ जमीन ली थी। इसकी मलकियत में ही रास्ता भी तय था लेकिन कुछ लोगों ने एसडीओ से मिलकर उनके खेत के रास्ते में बिजली का ट्रांसफार्मर व खंभे लगवा दिए। अब उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने शिकायत पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने धनौरा जाटान निवासी जसबीर सिंह की शिकायत पर सुनवाई करते हुए कहा कि स्कूल की फिजिबल्टी चैक करने के उपरांत 12वीं तक का किया जाएगा। इसी तरह नरेशपाल की शिकायत पर मार्केटिंग बोर्ड को निर्देश दिए कि बरसात का सीजन शुरू होने से पहले खिडकी विरान से रुडकी गांव के बीच का रास्ता तैयार किया जाए, ताकि इस रास्ते से होकर जाने वाले लगभग 6 गांवों के नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो और पीडब्ल्यूडी विभाग को गांव कनीपला की सडक का निर्माण बरसात के सीजन से पहले पूरा करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए जल्द से जल्द ऑनलाइन नाम ठीक करने की प्रक्रिया को पूरा करने के उपरांत आरटीई के तहत बच्चे का प्राइवेट स्कूल में दाखिला करवाना सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कालीरानो निवासी बलविंद्र सिंह के खेत में ट्रांसफार्मर को बदलने का कार्य तत्काल पूरा किया जाए। इसके साथ ही मुनियार पुर निवासी भगत सिंह के चोरी हुए ट्रांसफार्मर की जगह नया ट्रांसफार्मर लगाया जाए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के 65 गांवों में 11 करोड़ 51 लाख रुपये की लागत से पीने के पानी की पाइप लाइन बिछाने का काम किया गया है। लाडवा शहर में सहारनपुर-कुरुक्षेत्र सडक को चार-मार्गी करने का काम 10 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत से किया गया है। इसी तरह एसडीएम कार्यालय का निर्माण 16 करोड़ 20 लाख रुपए की लागत से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका लाडवा को सीएम अनाउंसमेंट से विभिन्न विकास कार्यों के लिए 16 करोड़ 37 लाख रुपए की राशि दी गई है। इसमें से 7 करोड़ 52 लाख रुपए की राशि खर्च की जा चुकी है। शेष राशि के विकास कार्य जारी हैं। इसी तरह दिव्य नगर योजना में 2 करोड़ 46 लाख रुपए की राशि से विकास कार्य किए गए हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 364 मकानों का निर्माण किया गया है और 249 मकान निर्माणाधीन हैं। हर घर गृहिणी योजना में 9 हजार 240 परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। आयुष्मान चिरायु योजना में 1 लाख 59 हजार लोग पात्र पाए गए हैं, इनमें से 1 लाख 20 हजार लोगों के चिरायु कार्ड बन चुके हैं। नागरिकों की सुविधा के लिए राक्षी नदी पर तीन स्थानों पर पक्के पुलों का निर्माण किया जा रहा है। इनकी लागत 1 करोड़ 35 लाख 72 हजार रुपये है। इसी नदी पर 2,200 फीट लंबी आर.सी.सी. ट्रैक परियोजना 3 करोड़ 12 लाख 25 हजार रुपये की लागत से स्वीकृत की गई है। इन परियोजनाओं से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि सिंचाई व्यवस्था बेहतर होने से कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी और किसानों की आय बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने लाडवा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे, सामाजिक समरसता, सिंचाई, स्वास्थ्य, पशुपालन, खेल, पर्यावरण संरक्षण और नगरीय सुविधाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए हैं।

उन्होंने कहा कि लाडवा हलके के विकास के लिए 74 सीएम अनाउंसमेंट हुई , जिनमें से 38 का काम पूरा हो चुका और बाकी पर काम जारी है। सरकार ने लाडवा विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों पर पिछले साढ़े 11 वर्षों में 807 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जबकि कांग्रेस के 10 साल के शासनकाल में मात्र 310 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। लाडवा शहर में 26 करोड़ रुपये की लागत से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया व सीवरेज लाइन बिछाई गई।

इस मौके पर उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने मुख्यमंत्री सहित अन्य अतिथियों का स्वागत किया और अंत में भाजपा के जिलाध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी ने मेहमानों का आभार व्यक्त किया।

डॉ. जय भगवान शर्मा की हरियाणवी कृति सकुंतला का लोकार्पण

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी द्वारा संस्कृत हिंदी एवं हरियाणवी के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. जय भगवान शर्मा की हरियाणवी कृति सकुंतला का लोकार्पण अकादमी के कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रोफेसर कुलदीप चंद अग्निहोत्री ,सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के संयुक्त निदेशक नीरज कुमार एवं अकादमी के सदस्य सचिव मनजीत सिंह द्वारा अकादमी भवन पंचकूला में किया गया। हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रोफेसर कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने पुस्तक का विमोचन करते हुए कहा कि यह कृति संस्कृत साहित्य को हरियाणवी भाषा के माध्यम से जन-जन तक पहुंचने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने हरियाणवी भाषा में किए गए भाव अनुवाद की गुणवत्ता की विशेष सराहना की। डॉ. जय भगवान शर्मा ने बताया कि संस्कृत के अभिज्ञान शाकुंतलम नाटक की भाषा को दैनिक बोलचाल की हरियाणवी भाषा में प्रयुक्त होने वाले ऐसे शब्द जो अब प्रचलन से बाहर हो गए हैं उन्हें इस अनुवाद में पुनर्जीवित करने का प्रयास किया गया है।इसके अतिरिक्त, इस भावानुवाद में हरियाणवी परिवेश और बोलचाल की भाषा का विशेष ध्यान रखा गया है, ताकि नाटक को समझना और उसका मंचन करना आसान हो सके।

बरसात से पहले सड़कें चकाचक होनी चाहिए, काम को लेकर बहाने नहीं चलेंगे: रणबीर गंगवा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रदेश की सड़कों पर सरकार की कार्यशैली दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आगामी बरसात के मौसम से पहले सड़क मरम्मत, गड्ढा भराई एवं लंबित कार्य हर हाल में पूरे किए जाएं ताकि जनता को राहत मिल सके और सड़कों पर आवागमन सुरक्षित बना रहे। श्री रणबीर गंगवा आज लोक निर्माण विभाग (भवन एवं सड़कें) की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के वर्क प्रोग्राम, सड़क एवं पुल परियोजनाओं, गुणवत्ता नियंत्रण, ह्लम्हारी सड़कह्व एप तथा विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। इस दौरान लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त सचिव श्री हितेश कुमार मीणा, इंजीनियर इन चीफ श्री योगेश मेहरा और इंजीनियर्स मौजूद थे। इसके अलावा सभी जिलों के सुपरीटेंडेंट इंजिनियर और एसडीओ तथा जेई वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे। मंत्री श्री गंगवा ने जिलावार सभी से रिपोर्ट ली।

बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिन कार्यों की गति धीमी है, उनमें तुरंत तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में प्राप्त बजट का पूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जाए, क्योंकि विकास कार्यों में देरी से न केवल परियोजनाएं प्रभावित होती हैं बल्कि सरकार पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ भी बढ़ता है। लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रदेश में कई स्थानों पर सड़क के बीच अथवा किनारों पर लगे बिजली एवं अन्य विभागों के खंभे दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे खंभों को प्राथमिकता के आधार पर हटाने अथवा शिफ्ट करवाने के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित किया जाए ताकि आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने ह्लम्हारी सड़कह्व एप के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान केवल फाइलों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि धरातल पर परिणाम दिखाई देने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में 20 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली सड़क एवं पुल परियोजनाओं की विशेष समीक्षा की गई। मंत्री ने अधिकारियों एवं संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए कि बड़े प्रोजेक्ट्स की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा कार्य तय समय सीमा में पूरे किए जाएं। हरसेक परियोजनाओं की प्रगति पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विभाग की लैबों में निर्माण सामग्री की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा कहा कि बिटुमेन सहित सभी सामग्री का उपयोग गुणवत्ता परीक्षण के बाद ही किया जाए। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

संक्षिप्त-समाचार

दिशा बैठक में सांसद कुमारी सैलजा ने अधिकारियों को दिए निर्देश

फतेहाबाद। फतेहाबाद जिला विकास एवं समन्वय समिति (दिशा) की बैठक का आयोजन लघु सचिवालय के सभागार में सिरसा लोकसभा क्षेत्र की सांसद कुमारी सैलजा की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में उपायुक्त डॉ. विवेक भारती, पुलिस अधीक्षक श्रीमती निकिता खट्टर, एडीसी अनुराग ढालिया, नगराधीश गौरव गुप्ता, जिला परिवहन अधिकारी संजय बिश्नोई सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान जिला प्रशासन की ओर से पिछली दिशा बैठक में सांसद सैलजा द्वारा दिए गए निर्देशों पर की गई कार्रवाई का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। विभिन्न विभागों के विकास कार्यों और योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की गई। बैठक में सांसद ने नगर परिषद फतेहाबाद के कार्यों पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने शहर में सफाई व्यवस्था और अधूरे विकास कार्यों को लेकर अधिकारियों से जवाब तलब किया। नगर परिषद अधिकारियों ने कुछ कार्यों के लंबित रहने का कारण जमीन संबंधी मामला कोर्ट में विचाराधीन होना बताया। इस पर सांसद सैलजा ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि यदि नए कार्य किसी कारणवश शुरू नहीं हो पा रहे हैं तो पहले से पूरे हो चुके कार्यों की सफाई और रखरखाव क्यों नहीं किया जा रहा। उन्होंने अपने मोबाइल फोन में 20 मई के ताजा फोटो दिखाते हुए अधिकारियों से कहा कि शहर की वास्तविक स्थिति किसी से छिपी नहीं है और जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। बैठक के दौरान सांसद कुमारी सैलजा ने पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों को भी कार्यों में लापरवाही को लेकर खरी-खरी सुनाई और निर्देश दिए कि आमजन से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सांसद ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों में तेजी लाई जाए तथा शहर में सफाई, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया जाए।

गर्मी से बचाव के लिए सब्जियों की तुड़ाई सुबह शाम करें, सब्जियों की सिचाई की व्यवस्था रखें: डा. सीबी सिंह

कुरुक्षेत्र। कृषि वैज्ञानिक डा. सीबी सिंह ने कहा कि आजकल गर्मी का मौसम तीव्रता की ओर है तो सब्जी उत्पादक किसानों को गर्मी से बचाव के लिए सब्जियों की तुड़ाई सुबह व शाम को करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र सहित हरियाणा के अन्य क्षेत्रों में बढ़ते तापमान के बीच सब्जी उत्पादक किसानों को फसल की तुड़ाई के समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। कृषि विशेषज्ञों की भी सलाह है कि किसान सुबह या शाम के समय ही सब्जियों की तुड़ाई करें, क्योंकि इस समय तापमान कम होता है। इस छोटे से उपाय से सब्जियों की ताजगी, गुणवत्ता और शेल्फ लाइफ बरकरार रहती है। डा. सिंह के अनुसार सब्जियां बहुत जल्दी खराब होने वाली होती हैं और गर्मी के प्रति संवेदनशील होती हैं। दोपहर की तेज धूप में तुड़ाई करने से सब्जियों में नमी की कमी हो सकती है, जिससे वे सिकुड़ जाती हैं और जल्दी खराब हो जाती हैं। इससे बाजार में उनकी कीमत कम मिलती है और फसल का नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि सुबह-शाम तुड़वाई करने से टमाटर, भिंडी, खीरा, बैंगन और हरी पत्तेदार सब्जियों में नमी बनी रहती है। तुड़ाई के बाद सब्जियों को छायादार जगह या ठंडे शेड में रखना चाहिए, ताकि वे सीधी धूप से बची रहें। इससे न केवल उत्पाद की सुरक्षा होती है, बल्कि मजदूरों पर गर्मी का दबाव भी कम होता है। उन्होंने कहा कि तुड़ाई के बाद सही ढंग से हैंडलिंग करना भी जरूरी है। खराब या अधिक पकी हुई सब्जियों को अलग कर देना चाहिए और अच्छी सब्जियों को नरम कपड़े से ढककर टोकरियों या बक्सों में रखना चाहिए। यदि भंडारण करना हो तो ठंडी और हवादार जगह का उपयोग करें या साधारण कूलिंग सिस्टम लगाएं। आने वाले दिनों में बढ़ता तापमान सब्जियों की फसलों को नुकसान पहुंचा सकता है। डा. सीबी सिंह के अनुसार बढ़ता तापमान सब्जियों की फसलों के लिए अधिक खतरा बनता है। अधिक तापमान से सब्जियों की फसल की पैदावार और गुणवत्ता को प्रभावित करता है। यह पौधों के विकास को धीमा कर देता है तथा फसल को नुकसान पहुंचाता है। डा. सिंह ने कहा कि गर्मी में तापमान में मामूली सा बदलाव भी फसल की पैदावार को कम कर सकता है।

सुपवा के छात्रों ने किया कलारिपायट्टु का मंचन

सिटी दर्पण संवाददाता
रोहतक

दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) के छात्रों ने यूनिवर्सिटी परिसर में कलारिपायट्टु का मंचन किया। कलारिपायट्टु दुनिया की सबसे पुरानी मार्शल आर्ट्स में से एक है, जो केरल से निकल कर आगे बढ़ी। इसका मंचन फिल्म एवं टेलीविजन फैकेल्टी के एक्टिंग डिपार्टमेंट के छात्रों ने किया। एफटीवी के एफसी महेश टीपी ने बताया कि कलारिपायट्टु को सिखाने के लिए 11 दिवसीय कार्यशाला लगाई गई। इसका संचालन कलारिपायट्टु के पेशेवर कलाकार, थिएटर प्रेक्टिशनर व मूवमेंट ट्रेनर अर्पित सिंह ने किया। उन्होंने केरल में पी. थन्कप्पन अस्सान व पश्चिम बंगाल में अनिल अलैस्सान्द्रो बिस्वास आदि प्रसिद्ध गुरुओं के अधीन प्रशिक्षण लिया हुआ है। उन्होंने शरीर, श्वास, गति और प्रदर्शन के बीच के संबंधों पर वर्षों तक शोध किया है। मुंबई में कलारी वारियर्स के संस्थापक के तौर पर अर्पित सिंह ने देश के विभिन्न हिस्सों व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्यशालाएं लगाई हैं, जिनमें पारंपरिक मार्शल आर्ट्स को थिएटर, शारीरिक कहानी कहने व समकालीन प्रदर्शन प्रथाओं के साथ मिलाया गया है। कलारिपायट्टु भारतीय रंगमंच, नृत्य व सिनेमा पर प्रभाव डालता है, और यह शक्ति, परंपरा व आंतरिक सामंजस्य का जीवित प्रतीक बना हुआ है।

ट्रेनर अर्पित सिंह ने बताया कि कलारिपायट्टु सिर्फ लड़ाई की तकनीक ही नहीं है, बल्कि एक शक्तिशाली अनुशासन है जो युद्ध, लचीलापन, ध्यान, उपचार व आध्यात्मिक जागरूकता को मिलाता है। तरल, जानवर प्रेरित मूवमेंट व तीव्र शारीरिक प्रशिक्षण के लिए प्रसिद्ध कलारिपायट्टु संतुलन, ध्यान, चुस्ती और शरीर व मन पर नियंत्रण सिखाता है। इस कला में प्रशिक्षित योद्धा सशस्त्र और निःशस्त्र दोनों ही प्रकार के युद्ध में अद्भुत निपुणता और शास्त्रबद्धता के साथ महारत हासिल करते थे। कलारिपायट्टु कार्यशाला के दौरान एक्टिंग डिपार्टमेंट के 2022 बैच के छात्रों ने जो भी सीखा, उसका मंचन कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मंचन करने वालों में हंसा, अमन, भारती, प्रिंस, अरूण, यशवंत, अशोक, पुलकित, दिव्यांशु, निखिल, दीपा शामिल रहे, जबकि इस दौरान लाइट हैंडलिंग हैप्पी व कार्तिक ने संभाली।

स्वयं सहायता समूहों और एफपीओ के उत्पादों को बाजार देने के लिए हर महीने लगेंगे विशेष मेले: रजनी कांथन

वित्त विभाग के आयुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की समीक्षा बैठक

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के वित्त विभाग के आयुक्त एवं सचिव तथा नाबार्ड के निदेशक मंडल के सदस्य सी.जी. रजनी कांथन ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। इसके तहत हरियाणा के सभी जिला मुख्यालयों पर किसी उपयुक्त स्थान पर राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक द्वारा समर्थित स्वयं सहायता समूहों और किसान उत्पादक संगठनों के उत्पादों की सीधी बिक्री के लिए हर महीने विशेष वन-डे स्पेशल सेल ड्राइव और मेलों का आयोजन किया जाएगा।

आयुक्त एवं सचिव सी.जी. रजनी कांथन वीरवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में इस कार्य योजना की समीक्षा कर रहे थे। जिले में इन योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर प्रशासनिक तैयारियों का पूरा खाका प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप ग्रामीण समुदायों के आर्थिक सशक्तिकरण और विशेषकर महिलाओं की आजीविका को एक स्थायी और सुदृढ़ मॉडल में बदलने के लिए यह पहल मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने बताया कि नाबार्ड पिछले चार दशकों से हरियाणा के विकास में एक मजबूत भागीदार रहा है, जिसने ग्रामीण बुनियादी ढांचा विकास कोष (आरआईडीएफ) के तहत बीते पांच वर्षों में ही राज्य को करीब 7,840 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की है। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण क्षेत्रों में कौशल विकास, विपणन, प्रदर्शनियों और भौगोलिक संकेतक (जीआई) सपोर्ट के लिए 14.64 करोड़ रुपये से अधिक की अनुदान सहायता दी गई है।

उन्होंने बताया कि इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों और एफपीओ के सदस्यों के सामने आने वाली सबसे चुनौतियों को दूर करना है। जिला प्रशासन इस जनहितैषी योजना को धरातल पर लागू करने के लिए मुस्तैदी से पूरी तैयारी करे। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर ऐसे उपयुक्त एवं मुख्य स्थानों का चयन किया जाए, जहां आम जनता की आवाजाही सबसे अधिक हो, ताकि इन मेलों में आने वाले ग्रामीण कारीगरों और किसानों को अधिकतम ग्राहक मिल सकें।

उन्होंने कहा कि इस पूरी व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक को प्रत्येक जिले में नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है, जो हर आयोजन के लिए जिला प्रशासन के साथ मिलकर सभी लॉजिस्टिकल व्यवस्थाएं संभालेंगे।

आमजन को बेहतर आधारभूत सुविधाएं देना सरकार की प्राथमिकता : कृष्ण पाल गुर्जर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर ने आज जिला फरीदाबाद वार्ड-30 के अंतर्गत सेक्टर-28 में नेशनल हाईवे से लगती सड़क पर लगभग 51 लाख रुपये की लागत से बनने वाले डिस्पोजल एवं बरसाती पानी की निकासी के लिए वाटर पाइप लाइन निर्माण कार्य का नारियल तुड़वाकर विधिवत शुभारंभ कराया।

श्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि बरसात के मौसम में नेशनल हाईवे से सटी इस सड़क पर जलभराव की समस्या लंबे समय से बनी हुई थी, जिसके कारण राहगीरों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों की मांग और समस्या की गंभीरता को देखते हुए यहां डिस्पोजल तथा वाटर पाइप लाइन डालने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर शुरू कराया गया है, जिससे बरसात के दौरान जल निकासी की व्यवस्था सुचारू रूप से सुनिश्चित हो सकेगी।

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में केंद्र एवं प्रदेश सरकार प्रदेश के समग्र विकास को नई गति देने का कार्य कर रही है। सरकार की प्राथमिकता केवल घोषणाएं करना नहीं, बल्कि तय समय सीमा में विकास परियोजनाओं को धरातल पर उतारकर आमजन तक उनका लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार योजनाबद्ध तरीके से कार्य किए जा रहे हैं।

सड़कों, सीवरेज, जल निकासी, पेयजल, बिजली और अन्य जनसुविधाओं से संबंधित परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जा रहा है ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

हरियाणा में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य 15 जून से 14 जुलाई 2026 तक किया जाएगा: मुख्य निर्वाचन अधिकारी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री ए. श्रीनिवास ने घोषणा की है कि भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी कर दिया है। मतदाता सूचियों का यह विशेष गहन पुनरीक्षण 15 जून से 14 जुलाई 2026 तक शुरू होने जा रहा है, और मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 22 सितंबर 2026 को किया जाएगा। श्री ए. श्रीनिवास आज चंडीगढ़ के सेक्टर-17 स्थित नए हरियाणा सिविल सचिवालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने सूचित किया कि भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी कर दिया है। जिन मामलों में 'गणना फॉर्म' वापस नहीं मिले हैं, वहां बूथ स्तर के अधिकारी पड़ोस के निवासियों से पूछताछ कर ₹अनुपस्थित₹, ₹स्थानांतरित₹, ₹मृत₹, या ₹डुप्लिकेट₹ जैसे संभावित कारणों की पहचान कर सकते हैं और उसी के अनुसार रिकॉर्ड दर्ज कर सकते हैं। बीएलओ को निर्देश दिया गया है कि वे जानकारी एकत्र करने के लिए ऐसे प्रत्येक घर का कम से कम तीन बार दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं के नाम प्रारूप सूची में शामिल नहीं हैं, उनकी बूथ-वार सूची पंचायत भवनों, शहरी स्थानीय निकाय कार्यालयों और ब्लॉक विकास एवं पंचायत अधिकारियों के कार्यालयों के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की जाएगी ताकि जनता की इन सूचियों तक पहुंच सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही नाम शामिल न होने के संभावित कारण भी प्रदर्शित किए जाएंगे। आयोग ने सभी मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को इन सूचियों को संकलित करने और उन्हें सीईओ की वेबसाइट पर सुलभ प्रारूप में अपलोड करने के साथ-साथ संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारियों की वेबसाइटों पर भी ऐसी ही सूचियां अपलोड करने का निर्देश दिया है। घर-घर जाकर गणना की प्रक्रिया के दौरान, बीएलओ को नए मतदाताओं के नामांकन की सुविधा के लिए कम से कम 30-40 खाली फॉर्म-6 आवेदन और खाली घोषणा पत्र (अनुबंध-4) साथ ले जाने के निर्देश दिए गए हैं। सीईओ ने राजनीतिक दलों से बूथ स्तर के एजेंट 1 और 2 नियुक्त करने का आग्रह किया। अब तक, सीईओ कार्यालय को 14,520 बीएलए का विवरण प्राप्त हुआ है, जिनमें भाजपा से 6,438, कांग्रेस से 7,704, माकपा से 165 और बाकी अन्य राजनीतिक दलों के हैं। बीएलए भी मतदाताओं से गणना फॉर्म एकत्र कर बीएलओ को सौंप सकते हैं।

एक सवाल के जवाब में श्री श्रीनिवास ने बताया कि हरियाणा में आखिरी बार विशेष गहन पुनरीक्षण वर्ष 2002 में आयोजित किया गया था। गणना फॉर्म 15 जून, 2026 से आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सभी जिला मुख्यालयों और निर्वाचन क्षेत्रों में एक समर्पित हेल्पलाइन नंबर 1950 स्थापित किया गया है। यह हेल्पलाइन सुबह 7:00 बजे से रात 9:00 बजे तक दो पालियों में काम करेगी। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि यदि घर-घर सर्वेक्षण के दौरान कोई मतदाता मौजूद नहीं है, तो परिवार का कोई भी वयस्क सदस्य फॉर्म पर हस्ताक्षर करके उसे बीएलओ को सौंप सकता है।

सीईओ ने कहा कि अन्य राज्यों की तुलना में हरियाणा के चुनावी डेटा में लगभग 18 प्रतिशत तार्किक त्रुटियां हैं, जिनमें गलत नाम और वर्तनी (स्पेलिंग) की गलतियां शामिल हैं। 21 मई, 2026 तक हरियाणा में पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या 2,06,52,760 है, जबकि मतदान केंद्रों की कुल संख्या 20,629 है। उन्होंने बताया कि अब तक 1,32,51,717 मतदाताओं की चुनावी मैपिंग) पूरी हो चुकी है, जो कुल मतदाताओं का 64.16 प्रतिशत है। फतेहाबाद 86.56 प्रतिशत मैपिंग के साथ सबसे आगे है, इसके बाद चरखी दादरी 82.36 प्रतिशत, सिरसा 80.82 प्रतिशत, कैथल 78.59 प्रतिशत, महेंद्रगढ़ 77.20 प्रतिशत, नूह 77.01 प्रतिशत, भिवानी 76.61 प्रतिशत, यमुनानगर 75.81 प्रतिशत, रेवाड़ी 74.98 प्रतिशत, हिसार 73.82 प्रतिशत और जींद 71.93 प्रतिशत पर हैं।

इसी तरह कुरुक्षेत्र ने 69.71 प्रतिशत, करनाल 68.13 प्रतिशत, पलवल 67.04 प्रतिशत, झज्जर 64.07 प्रतिशत, अंबाला 63.45 प्रतिशत, रोहतक 59.72 प्रतिशत, पानीपत 58.88 प्रतिशत, सोनीपत 58.39 प्रतिशत, पंचकुला 51.20 प्रतिशत, गुरुग्राम 35.06 प्रतिशत और फरीदाबाद 29.66 प्रतिशत मैपिंग हासिल की है। श्री श्रीनिवास ने कहा कि सभी उपायुक्तों-सह-जिला निर्वाचन अधिकारियों को विशेष रूप से फरीदाबाद, गुरुग्राम, सोनीपत और पंचकुला की ऊंची इमारतों/सोसायटियों में बीएलओ की पहुंच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने दोहराया कि एसआईआर कार्य में लगे अधिकारियों पर कोई अनुचित दबाव नहीं होगा और यह अभ्यास सुचारू रूप से आयोजित किया जाएगा। राज्यों के मुख्य सचिवों को जारी ईसीआई के निर्देशों के अनुसार, जिला निर्वाचन अधिकारी निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी या सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के रूप में अधिसूचित कोई भी पद खाली नहीं रहेगा। इसके अलावा, एसआईआर कार्य से जुड़े किसी भी अधिकारी व कर्मचारी तबादला आयोग की पूवार्नुमति के बिना नहीं किया जाएगा। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रितु, श्री अपूर्व, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री राज कुमार लोहान और सीईओ कार्यालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

संपादकीय

इबोला का खतरा: सरकार ने उच्च जोखिम वाले अफ्रीकी देशों से आने वाले यात्रियों के लिए जारी किया स्वास्थ्य परामर्श

दुनिया अभी कोरोना महामारी के दुष्परिणामों को भूली भी नहीं थी कि एक और घातक वायरस ने वैश्विक स्वास्थ्य तंत्र को चिंता में डाल दिया है। अफ्रीका के कुछ देशों में इबोला वायरस का प्रकोप तेजी से फैल रहा है और इसे देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया है। इस गंभीर स्थिति के मद्देनजर भारत सरकार ने भी तत्परता दिखाते हुए एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परामर्श जारी किया है, जो उच्च जोखिम वाले अफ्रीकी देशों से भारत आने वाले यात्रियों पर लागू होता है। यह परामर्श स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय द्वारा जारी किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि इबोला वायरस किसी भी संक्रमित यात्री के माध्यम से भारत में प्रवेश न कर सके। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यह परामर्श प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। हवाई अड्डा स्वास्थ्य संगठन इसे लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस परामर्श में विशेष रूप से कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, युगांडा और दक्षिण सूडान से आने वाले यात्रियों का उल्लेख किया गया है, जिन्हें विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा ₹उच्च जोखिम वाले देशों₹ की श्रेणी में रखा गया है। इन देशों में इबोला का प्रकोप इस समय सबसे अधिक सक्रिय है। इबोला वायरस के कई प्रकार होते हैं और इस समय अफ्रीका में फैला बुंडीबुग्यो वायरस उन्हीं में से एक है। यह वायरस अत्यंत संक्रामक और जानलेवा होता है, इसलिए इन देशों से आने वाले यात्रियों की विशेष निगरानी की जा रही है। परामर्श में कहा गया है कि लक्षण या संक्रमण का इतिहास रखने वाले यात्री आव्रजन मंजूरी से पहले ही हवाई अड्डे के स्वास्थ्य अधिकारियों को तुरंत सूचित करें। यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्देश है क्योंकि यदि कोई संक्रमित यात्री बिना जांच के भीड़भाड़ वाले हवाई अड्डे से बाहर निकल जाता है, तो वायरस फैलने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। जिन यात्रियों का किसी संदिग्ध या पुष्ट इबोला रोगी के रक्त या शरीर के तरल पदार्थों से सीधा संपर्क हुआ हो, उन्हें भी तुरंत हवाई अड्डे के स्वास्थ्य अधिकारी या स्वास्थ्य डेस्क पर रिपोर्ट करना अनिवार्य किया गया है। इबोला वायरस मुख्य रूप से इसी प्रकार के प्रत्यक्ष संपर्क से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। परामर्श में यात्रियों को बुखार, शारीरिक कमजोरी, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी, दस्त, गले में खराश और अज्ञात कारणों से होने वाले रक्तस्राव जैसे लक्षणों पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी गई है। ये लक्षण सामान्य बुखार जैसे लग सकते हैं, लेकिन यदि यात्री हाल ही में किसी इबोला प्रभावित देश से आया हो, तो इन्हें नजरअंदाज करना जानलेवा साबित हो सकता है। समय पर पहचान और तत्काल चिकित्सीय हस्तक्षेप ही इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है। हवाई अड्डा स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, जो भी यात्री भारत पहुंचने के 21 दिनों के भीतर किसी भी संबंधित लक्षण का अनुभव करे, उसे तुरंत चिकित्सीय सहायता लेनी चाहिए और अधिकारियों को अपनी यात्रा का पूरा विवरण देना चाहिए। दरअसल, इबोला वायरस की उद्भवन अवधि 2 से 21 दिन के बीच होती है। इसका अर्थ है कि संक्रमण होने के बाद भी लक्षण तुरंत प्रकट नहीं होते। इस दौरान यदि कोई व्यक्ति सतर्क नहीं रहा, तो वह अनजाने में दूसरों को संक्रमित कर सकता है। इसीलिए यह 21 दिन की निगरानी अवधि अत्यंत महत्वपूर्ण है। बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य सचिवों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें इबोला से निपटने की तैयारियों और प्रतिक्रिया उपायों का व्यापक मूल्यांकन किया गया। यह बैठक इस बात का संकेत है कि केंद्र सरकार इस खतरे को पूरी गंभीरता से ले रही है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए राज्यों को भी तैयार रहने के निर्देश दिए जा रहे हैं। बैठक में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सभी स्तरों पर तत्परता सुनिश्चित करने की सलाह दी गई। यात्रियों के आगमन से पहले और बाद की जांच, संगरोध और अन्य प्रक्रियाओं को लेकर विस्तृत मानक संचालन प्रक्रियाएं तैयार की गई हैं। इससे यह सुनिश्चित होगा कि यदि कोई संदिग्ध मामला सामने आए, तो उसे तुरंत और सुव्यवस्थित तरीके से संभाला जा सके। इस पूरे घटनाक्रम के बीच एक राहत देने वाली खबर यह है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि भारत में अभी तक इबोला का कोई भी मामला सामने नहीं आया है। सरकार का यह पूरा कदम पूर्णतः एहतियाती और निवारक है। हल्ड द्वारा इबोला को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किए जाने के बाद भारत सरकार ने देशभर में निगरानी और तैयारी के उपायों को सक्रिय रूप से सुदृढ़ किया है। यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि वे स्वास्थ्य दिशानिदेर्शों का पालन करें और चिकित्साकर्मियों के साथ पूरा सहयोग करें। यह परामर्श सार्वजनिक सुरक्षा की रक्षा करने और संक्रामक रोगों को देश में प्रवेश करने से रोकने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है। किसी भी यात्री को अपने लक्षण छुपाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, क्योंकि ऐसा करना न केवल उनके स्वयं के लिए, बल्कि उनके परिवार और समाज के लिए भी बेहद खतरनाक हो सकता है। इबोला वायरस का अभी तक कोई निश्चित और स्थापित उपचार उपलब्ध नहीं है, जो इसे और अधिक भयावह बनाता है। यह रोग मुख्यतः संक्रमित व्यक्ति के रक्त, पसीने, लार और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के सीधे संपर्क से फैलता है। इसकी मृत्यु दर बहुत अधिक है और प्रभावित देशों में यह हजारों जानें ले चुका है। ऐसे में भारत सरकार की यह सक्रियता और सतर्कता न केवल समझदारी की बात है, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा की दिशा में एक ज़िम्मेदार और सराहनीय कदम भी है। निष्कर्षतः, यह कहा जा सकता है कि भारत सरकार ने इस संभावित खतरे को गंभीरता से लेते हुए समय पर कार्रवाई की है। नागरिकों का भी यह कर्तव्य बनता है कि वे सरकारी निदेर्शों का पालन करें, किसी भी संदिग्ध लक्षण को नजरअंदाज न करें और स्वास्थ्य अधिकारियों को तुरंत सूचित करें, ताकि हमारा देश इस वैश्विक स्वास्थ्य संकट से सुरक्षित रह सके।

नीट... 'लीक' से लेनी होगी 'सीख'

ऋतुपर्ण दवे (हि.स)

भारत में एक बार फिर प्रतिष्ठित मेडिकल परीक्षा का पेपर लीक हो गया। अब तो पेपर लीक एकदम आम सा हो गया है। जितनी सहजता से खामियों को छुपाते हुए परीक्षा रद कर दी जाती है, उसके एवज में लाखों बच्चों के मन मस्तिष्क पर इसका क्या प्रभाव पड़ता होगा, समझने की कोशिश भी नहीं का जाती। यह अफसरशाही नहीं तो क्या है? अबकी बार नीट यूजी 2026 पेपर लीक ने फिर तमाम व्यवस्थाओं और परीक्षा तंत्र पर करारा तमाचा जड़ा है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ और जो तौर-तरीके देखने में आ रहे हैं उससे लगता है कि न ही आखिरी बार होगा। सबसे पहले बात 3 मई 2026 को भारत भर में हुई उस परीक्षा की जिसमें 22 लाख से अधिक छात्र देश-समाज के लिए कुछ करने की लालसा लिए नीट यूजी परीक्षा में शामिल हुए। उन्हें उम्मीद थी कि उनका सब कुछ बदल जाएगा। लेकिन सपने चूर-चूर हो गए।

महज एक बयान जारी कर नौ दिन बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने मेडिकल कोर्सों में दाखिले खातिर होने वाली नीट-यूजी की परीक्षा रद कर दी। वजह बताई गई कि एजेंसी को 7 मई को एक व्हिसलब्लोअर ने जानकारी दी कि एक 'गेस पेपर' का पीडीएफ व्हाट्स ऐप पर सर्कुलेट किया गया था, जिसमें वास्तविक नीट परीक्षा जैसे ही प्रश्न थे। एनटीए के महानिदेशक ने कहा कि परीक्षा में किसी भी तरह का उल्लंघन हमारी जीरो-टॉलरेंस नीति के खिलाफ है और इससे उन 22 लाख छात्रों के भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ता है जिन्होंने परीक्षा के लिए कड़ी मेहनत की थी। बयान के लब्बो-लुआब में नपे-तुले शब्दों से अपनी निष्पक्षता बनाए रखने के लिए जरूर पापड़ बेले गए। लेकिन अब उन लाखों बच्चों का क्या होगा जिन्हें लीक पेपर से कोई वास्ता नहीं था। पेपर अच्छा गया था। चयन तय था, लेकिन सपने एक झटके में टूट गए! क्या एनटीए को भान होगा कि बच्चों के कोमल मन मस्तिष्क पर क्या असर पड़ेगा? जब परीक्षा के पहले ही पीडीएफ बिके, सोशल मीडिया पर वायरल संदेश और सौदेबाजी की बातें हो रहीं थीं तब सारी एजेंसियों के कान में तेल पड़ा था? परीक्षा कोई भी हो, उसकी पवित्रता और निष्पक्षता का ध्यान रखने की गुरुतर जिम्मेदारी उन्हें संचालित करने वालों की होती है।

भारत में कुछ पेपर लीक बहुत ही सुर्खियों, विवादों और चर्चाओं में रहे हैं। ऐसे कुछ मामले आज भी लोगों को भुलाए नहीं भूलते। इनमें मध्य प्रदेश व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) का 2013 का मामला काफी चर्चित है। इसमें नकली परीक्षार्थी (सॉल्वर) दूसरों की जगह परीक्षा में सम्मिलित हुए। लंबी रकम देकर इस तरह नौकरियां में जाने का रास्ता भी बना था लेकिन पकड़े गए। मामले में कई आरोपितों सहित जांच एजेंसियों के लोगों की संदिग्ध मौतें भी हुईं। तब पूरा मामला तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के लिए भी गले की हड्डी बना। आरोप-प्रत्यारोपों की झड़ी लगी लेकिन सभी आरोप सिद्ध नहीं हो पाए। एक अन्य मामला कर्मचारी चयन आयोग का सामने आया। जब उच्चतम न्यायालय ने पूरी भर्ती प्रणाली को दूषित बता दिया। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की कम्बाइंड ग्रेजुएट लेवल (सीजीएल) 2017 परीक्षा का पेपर परीक्षा शुरू होने से पहले ही सोशल मीडिया पर लीक हो गया। सीबीआई जांच में पता चला कि कुछ परीक्षा केंद्रों के सुपरवाइजर्स ने अभ्यर्थियों को रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर के जरिए बाहरी मदद दिलवाई थी। 2022 में रेलवे भर्ती विवाद में सवा करोड़ युवाओं का सड़कों पर उबाल दिखा जिन्होंने स्क्रीनिंग टेस्ट पर आपत्ति उठाई। 2024 में यूजीसी नेट की परीक्षा दूसरे ही दिन रद कर दी गई जिसमें 9 लाख प्रतिभागियों के भविष्य पर प्रश्न चिह्न लग गया जो पीएचडी करने और प्रोफेसर बनने का सपना संजोए हुए थे। बहुचर्चित नीट-2024 में 67 छात्रों का 720 अंक ही अर्जित करना सुर्खियों में रहा। इसमें झारखंज के एक प्रधानाचार्य और उप प्रधानाचार्य ने पर्चा चुराकर लाखों में बेचा था। जिससे सभी के समान अंक आए और मामले ने तूल पकड़ा। आखिर इतनी जिम्मेदार परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक होना न केवल एनटीए बल्कि उन सारी छोटी-बड़ी उन एजेंसियों के लिए बड़ा सवाल है जिनके कंधों पर परीक्षा की निष्पक्षता, पारदर्शिता का बोझ है। सवाल यह भी है कि अब तक देश की सबसे प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा यूपीएससी का पेपर क्यों नहीं लीक हुआ? महज प्रिलिम परीक्षा के दौरान 1992 में इलाहाबाद केंद्र पर पेपर लीक होने की शिकायत आई थी जिस पर संसद में बहस हुई थी। सीबीआई जांच में भी यह सिर्फ एक इनविजिलेटर द्वारा पेपर कॉपी करने का मामला निकला न कि लीक का।

आए दिन पेपर लीक के मामले सामने आते रहते हैं। इसी बार अब तक कई परीक्षार्थियों ने आत्मघाती कदम उठा लिया है। यह बहुत दुखद है। इसे कौन समझेगा? किस पर बच्चों के कोमल मन को झकझोरने और उन्हें नासमझी में बुरे कदम उठाने का आरोप लगेगा? बहुत ही दुखद है मेहनत के बाद इस तरह की घटनाएं जहां रिवाज बन गई हैं वहीं कई प्रतिभाशाली अपने जीवन को संभाल भी नहीं पा रहे हैं। पिछले 12-13 वर्षों के छोटे-बड़े मामले देखें तो लगभग सैकड़ा पार हो चुका है। तकरीबन दो करोड़ छात्रों के भविष्य पर हर वर्ष असर पड़ता है। कई उम्र की सीमा लांघ चुके होते हैं तो कई का मनोबल टूटता और बेहतर करने के बजाए अवसाद का शिकार हो जाते हैं और जीवन से हाथ धो लेते हैं। उधर एजेंसियां ईमानदारी के नाम पर खुद को कठघरे में पाकर पेपर ही कैंसिल कर, दोबारा कराने का आदेश देकर बरी और ईमानदार हो जाती हैं। इधर मामले बनते हैं और अपराधी कठघरे में भी पहुंचते हैं लेकिन अनेकों बार देखने में आया कि निश्चित समय-सीमा में चार्ज शीट दाखिला में देरी से वो भी बाहर आकर दोबारा अपने पुराने कार्यों मे संलग्न हो जाते हैं।

पेपर लीक को लेकर सरकार को सख्त होना पड़ेगा। कहने को तो कई आरोपित अब तक गिरफ्त मे आ चुके हैं। लेकिन इसका हल खोजनी ही होगा। संसद में बहस करनी होगी, कठोरतम व्यवस्था व प्रभावी कानून बनाने होंगे ताकि लोग पेपर लीक करने या कराने के नाम से ही थरार्ने लगे और इस बारे में सोचना ही बंद कर दें। इसके लिए यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी) को रोल मॉडल मान इससे सीख लेनी चाहिए। परीक्षाओं की पवित्रता की गारंटी हुक्मरानों और अफसरों को लेनी ही होगी ताकि प्रतिभाशालियों का हौसला बार-बार न टूटे और विचलित भी न हों।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026: दुनिया को सचेत उपभोग की ओर प्रेरित करना

आज जब दुनिया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 मना रही है, मानवता एक निर्णायक सभ्यतागत मोड़ पर खड़ी है। वर्तमान में हम अभूतपूर्व तकनीकी और भौतिक प्रगति के युग में जी रहे हैं, फिर भी हम जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों, बढ़ते मानसिक तनाव, पर्यावरणीय क्षरण और जीवन जीने के अस्थिर तरीकों जैसी चुनौतियों का सामना भी कर रहे हैं। इनमें से कई संकटों के मूल में एक ही चुनौती नजर आती है- वस्तुओं का अनियंत्रित और बिना सोचे-समझे किया जाने वाला उपभोग।

प्राकृतिक संसाधनों के जरुरत से ज्यादा दोहन से लेकर डिजिटल उपयोगिता पर अत्यधिक निर्भरता और अस्थिर जीवनशैली तक, आज आधुनिक समाज संतुलन से लगातार दूर होता जा रहा है। और इसी संदर्भ में, योग न केवल एक प्राचीन स्वास्थ्य अभ्यास के रूप में, बल्कि एक ज़िम्मेदार जीवन जीने के लिए एक कालातीत रूपरेखा के रूप में उभर कर सामने आता है। योग मानवता को आत्म-नियमन, संयम और सचेत विकल्पों की ओर एक शक्तिशाली मार्ग प्रदान करता है। यह हमें सिखाता है कि हम अपने भीतर और अपने आस-पास की दुनिया के साथ सामंजस्य कैसे स्थापित करें।

सोच समझकर वस्तुओं का उपभोग करने का आह्वान

अत्यधिक उपभोग की वैश्विक चुनौती से निपटने के लिए, हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व ने 'मिशन LiFE' (लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट) के जरिए एक सशक्त दिशा प्रदान की है। COP26 में, प्रधानमंत्री ने एक ऐसे सिद्धांत को सामने रखा, जो योग के दर्शन से गहराई के साथ जुड़ा है: 'आज जरूरत है सचेत और सोच-समझकर उपयोग करने की, न कि बिना सोचे-समझे और विनाशकारी तरीके से उपभोग करने की।''

हाल ही में, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और आपूर्ति-श्रृंखला में आई बाधाओं के बीच, प्रधानमंत्री ने इस अपील का विस्तार करते हुए इसे एक दैनिक नागरिक ज़िम्मेदारी का रूप दिया। उन्होंने नागरिकों को प्रोत्साहित किया कि वे जान-बूझकर ऐसे उपभोग को सीमित करें, जिनसे बचा जा सकता है, जैसे ईंधन बचाना, अनावश्यक ऊर्जा का उपयोग कम करना, और गैर-जरूरी खर्चों पर दोबारा विचार करना। यह अपील किसी चीज की कमी या अभाव पर आधारित नहीं है, बल्कि, यह सामूहिक सशक्तिकरण, निरंतरता और राष्ट्रीय ज़िम्मेदारी के लिए एक रणनीतिक और नैतिक आह्वान है। जैसा कि उन्होंने हमें याद दिलाया: 'हर छोटा-बड़ा प्रयास मायने रखता है, ठीक वैसे ही जैसे हर एक बूंद से घड़ा भरता है।'

ये विचार योग के बुनियादी सिद्धांतों से गहराई से जुड़े हुए हैं। योग दर्शन 'अपरिग्रह' - यानी अनावश्यक चीजों को जमा करने से बचना और 'संतोष' यानी अपनी असली जरूरतों से संतुष्ट रहना, की बात करता है। ये सिद्धांत मिलकर एक ऐसी सोच पैदा करते हैं, जो लोगों को अंधाधुंध उपभोग से दूर सचेत जीवन की ओर प्रेरित करती है। योग हमें निष्क्रिय उपभोक्ता से बदलकर इस धरती का ज़िम्मेदार रखवाला बनाता है।

पारिस्थितिक संतुलन के लिए एक साधन के रूप में योग

पृथ्वी पर इंसानी जरूरतों को पूरा करने के लिए तो काफी संसाधन हैं, लेकिन इंसान की असीमित लालच को पूरा करने के लिए नहीं। योग

प्रतापराव जाधव

प्रकृति के साथ हमारे आपसी जुड़ाव की भावना को गहरा करके इस जागरूकता को फिर से जगाने में मदद करता है। जिस हवा में हम सांस लेते हैं, जो भोजन हम करते हैं और जिस स्थिरता की हम तलाश करते हैं, ये सभी एक साझा पारिस्थितिक तंत्र का हिस्सा हैं।

योग का अभ्यास धीरे-धीरे हमारे व्यवहार को भीतर से बदल देता है। यह मन की बेचैनी को शांत करता है, जल्दबाजी वाली आदतों को कम करता है और आत्म-अनुशासन को मजबूत बनाता है। आज की दुनिया, जो पल भर के सुख और अत्यधिक उपभोगवाद से संचालित होती है, उसमें योग वह आंतरिक स्पष्टता पैदा करता है, जिसकी जरूरत हमें अपनी असली जरूरतों और कभी न खत्म होने वाली इच्छाओं के बीच फर्क समझने के लिए होती है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा आयुष, दोनों मंत्रालयों से जुड़े मंत्री के तौर पर, मैं हर दिन यह देखता हूँ कि योग किस तरह गैर-संक्रामक रोगों (एनसीडी) के खिलाफ एक निवारक सार्वजनिक स्वास्थ्य साधन के रूप में काम करता है। शारीरिक गतिविधि, मानसिक संतुलन और अनुशासित जीवन शैली को बढ़ावा देकर, योग अस्वस्थ आदतों और अत्यधिक चिकित्सीय हस्तक्षेपों पर हमारी निर्भरता को कम करता है। एक योगिक जीवन शैली स्वाभाविक रूप से सादगी, संयम, संतुलित पोषण, कम बबार्दी और संसाधनों के सचेत उपयोग को बढ़ावा देती है, ठीक वही व्यवहारिक बदलाव, जो पर्यावरणीय स्थिरता के लिए जरुरी है।

इस प्रकार, योग न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का एक मार्ग है, बल्कि यह व्यवस्था में जिम्मेदारीपूर्ण जीवन के लिए एक व्यावहारिक ढाँचा भी है।

भारत का वैश्विक योग नेतृत्व

आज, जब योग दुनिया के लिए भारत के सबसे प्रभावशाली योगदानों में से एक बन गया है। यह स्वास्थ्य, सद्भाव और सामूहिक कल्याण की एक शक्तिशाली अभिव्यक्ति भी बन चुका है। जो योग एक प्राचीन सभ्यतागत प्रथा के रूप में शुरू हुआ था, वह आज एक वैश्विक आंदोलन बन गया है, जो भूगोल, राजनीति, भाषा और संस्कृति की सीमाओं से परे है।

हर साल, कई महाद्वीपों में लाखों लोग योग समारोहों में भाग लेते हैं। वे केवल आसन ही नहीं करते, बल्कि एक स्वस्थ, अधिक संतुलित और टिकाऊ जीवन की साझा आकांक्षा को भी अपनाते हैं। योग निवारक स्वास्थ्य सेवा, मानसिक कल्याण और सचेत जीवन शैली की एक सार्वभौमिक भाषा के रूप में उभरा है।

योग के जरिए, भारत ने दुनिया को समग्र स्वास्थ्य के लिए एक ऐसा गैर-बाध्यकारी और समावेशी ढाँचा प्रदान किया है, जो आधुनिक चिंताओं का समाधान शाश्वत ज्ञान के साथ करता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 का यही महत्व है। चूँकि योग दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन को छूता है, इसलिए यह बड़े पैमाने पर व्यवहारिक परिवर्तन को प्रेरित करने के लिए एक बेजोड़ मंच भी प्रदान करता है। योग की सामूहिक भावना के जरिए, स्थिरता, संयम और सचेत जीवन-शैली के संदेश अधिक दूर तक पहुँच सकते हैं और लोगों के मन में गहरी छाप छोड़ सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के लिए एक सामूहिक संकल्प

सच्चा कल्याण अकेले अस्तित्व में नहीं हो सकता। मानव स्वास्थ्य, सामुदायिक कल्याण और संपूर्ण ग्रह का स्वास्थ्य आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। जलवायु परिवर्तन, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों और पर्यावरण के क्षरण की चुनौतियों के लिए न केवल नीतिगत हस्तक्षेप, बल्कि व्यवहार में परिवर्तन भी जरुरी है।

इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर, आइए हम अपनी प्रतिबद्धता को योग मैट से आगे बढ़ाएं। आइए हम योग को केवल दैनिक अभ्यास के रूप में ही नहीं, बल्कि जीवन शैली के रूप में अपनाएं। एक ऐसी जीवन शैली जो सचेत उपभोग, आंतरिक अनुशासन और पारिस्थितिक जिम्मेदारी को प्रोत्साहित करती है।

आइए हम प्रधानमंत्री के सचेत जीवन जीने के आह्वान पर काम करें और एक ऐसे भविष्य का निर्माण करें, जहां तरक्की और विकास को केवल हमारे उपभोग से नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी से जीने के तरीके से मापा जाए। अपने आंतरिक वातावरण को बदलकर, हम सब मिलकर अपने ग्रह के बाहरी वातावरण को ठीक कर सकते हैं।

(लेखक आयुष मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री हैं।)

आज का राशिफल

मेष: किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। *(सिटी दर्पण)*

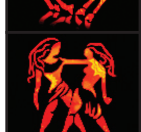

मिथुन: परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ के लिए किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। *(सिटी दर्पण)*

तुला: प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। *(सिटी दर्पण)*

धनु: शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। *(सिटी दर्पण)*

मकर: लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। *(सिटी दर्पण)*

मीन: प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

मंदिरों के साथ सामरिक, सामाजिक, आर्थिक उद्धार भी जरूरी

अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य दिव्य मंदिर का निर्माण लंबी न्यायिक प्रक्रिया और संघर्ष के बाद संभव हुआ। बीते 15 मई को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने भी धार में ज्ञान की अधिष्टाती देवी सरस्वती के प्राचीन मंदिर होने का निर्णय सुनाया। साथ ही हिंदुओं के सर्व अधिकार का निर्णय देकर मुस्लिम पक्ष के मजहबी अधिकारों को खारिज कर दिया। इस मंदिर का निर्माण ज्ञानी, साहित्य प्रेमी राजा भोज ने सन 1034 में करवाया था। साथ ही परिसर में एक महाविद्यालय की भी स्थापना की थी। बाद में दिल्ली सल्तनत के क्रूर हिंदू विरोधी शासक अलाउद्दीन खिलजी ने इस्लामिक वर्चस्वता के कारण इस मंदिर को ध्वंस करवा दिया। बाद में यहां परवर्ती मुस्लिम शासकों ने एक बड़ी मस्जिद का निर्माण करवा दिया।

बीते कुछ दशकों से हिंदू, यहां वाग्देवी सरस्वती के मंदिर होने का दावा बता रहे थे। उन्हें बड़े जनआंदोलन और न्यायिक प्रक्रिया द्वारा पूजा का अधिकार बीते वर्षों में मिला था। परन्तु पूर्ण अधिकार प्राप्त नहीं था। मंदिर पक्ष के अधिवक्ता पिता पुत्र हरिशंकर जैन और विष्णु शंकर जैन है। ये दोनों अधिवक्ता, देश भर के काशी, मथुरा सहित दर्जनों हिंदुओं के प्रमुख दावों वाले विवादित धर्म स्थलों की पैरवी कर रहे है। हिंदू मान्यता के अनुसार जिन पर मुस्लिम आक्रमणकारियों द्वारा मंदिरों को तोड़कर मस्जिदों का निर्माण किया गया है। लगभग सभी की पैरवी ये पिता पुत्र अधिवक्ता ही कर रहे है। उनका कहना है कि भारत में ऐसे सैकड़ों हिंदू मंदिर थे जिन पर ताकत और सत्ता के कारण मस्जिदें बना ली गई है। उन सबकी मुक्ति वह न्यायिक प्रक्रिया द्वारा निकट भविष्य में करवाएंगे। यह सही है भारत में मंदिर आस्था के ही नहीं विद्या, संस्कार, शिक्षा, चेतना के केंद्र भी रहे है। दक्षिण भारत में चोल, पल्लव तथा विजयनगर प्राचीन साम्राज्य में तो मंदिर प्रशासन, राज्य और अर्थव्यवस्था के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। इसलिए इनका पुनरुद्धार, पुनर्निर्माण आवश्यक है। परंतु उससे भी ज्यादा आवश्यकता भारतीय, राष्ट्रीय समाज की सुरक्षा व्यवस्था की है।

भारत विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है, जहां विविध पंथिक , सांस्कृतिक और सामाजिक परंपराएं सहस्राब्दियों से साथ-साथ विकसित हुई हैं। हिंदू समाज ने भारतीय संस्कृति, दर्शन, साहित्य, विज्ञान, कला और राष्ट्रीय जीवन को गहराई से प्रभावित किया है। वर्तमान समय में देश में अनेक धार्मिक स्थलों, सांस्कृतिक विरासतों तथा ऐतिहासिक विवादों को लेकर न्यायिक और सामाजिक स्तर पर विमर्श चल रहा है। ऐसे समय में यह प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है कि केवल मंदिरों या धार्मिक स्थलों की सुरक्षा पर्याप्त है या उससे अधिक आवश्यक एक सशक्त, शिक्षित, संगठित और आत्मविश्वासी समाज का निर्माण है। वास्तव में किसी भी सभ्यता की स्थायी सुरक्षा उसके सामाजिक आधार की मजबूती पर निर्भर करती है।

मुनीष त्रिपाठी (हि.स)

अतः हिंदू समाज की सुरक्षा का प्रश्न केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, शैक्षिक, आर्थिक, वैचारिक, सामरिक और राष्ट्रीय आयामों से जुड़ा हुआ विषय है। वैश्विक कट्टर मुस्लिम जगत के लोग, पीएफआई जैसे कई संगठन भारत को दारुल हरब मानकर, दारुल इस्लाम बनाने का मंसूबा पाले हुए है जो आये दिन हिंसक, विध्वंसक वारदातें करते रहते है। भारतीय सरकार के साथ साथ, भारतीय समाज को भी चौकन्ना होकर मुकाबला करना होगा।

किसी भी समाज की शक्ति उसकी सांस्कृतिक स्मृति में निहित होती है। हिंदू समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक अपनी परंपराओं, ग्रंथों, महापुरुषों और इतिहास के प्रति जागरूकता का अभाव है। यदि समाज अपनी जड़ों से कट जाता है, तो वह बाहरी वैचारिक दबावों के प्रति अधिक प्रभावित हो जाता है। इसलिए आवश्यक है कि भारतीय इतिहास को संतुलित और प्रमाणिक दृष्टि से समझा जाए। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों तथा सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से भारतीय दर्शन, वेदांत, उपनिषद, रामायण, महाभारत, भक्ति आंदोलन, संत परंपरा और स्वतंत्रता संग्राम में हिंदू समाज के योगदान का अध्ययन बढ़ाया जाना चाहिए। सांस्कृतिक गौरव का अर्थ किसी अन्य समुदाय के प्रति विरोध नहीं, बल्कि अपनी पहचान और परंपरा के प्रति आत्मविश्वास होना चाहिए। स्वाधीनता के पहले और बाद में भी हिंदू, धार्मिक जानलेवा हमले, धर्मान्तरण, जनसंख्या असुन्तलन, अवैध घुसपैठिये जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, जिसका तत्काल समाधान होना आवश्यक है।

आज का युग ज्ञान और सूचना का युग है। यदि कोई समशिक्षा, अनुसंधान और बौद्धिक नेतृत्व में पिछड़ जाता है तो वह दीर्घकाल में कमजोर हो जाता है। हिंदू समाज की सुरक्षा केवल भावनात्मक नारों से नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और वैचारिक स्पष्टता से सुनिश्चित होगी। उच्च शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, प्रशासन, न्यायपालिका, मीडिया और अकादमिक जगत में अधिकाधिक उच्च संस्कारित प्रतिनिधित्व आवश्यक है। साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधुनिक शोध को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। संस्कृत भाषा, भारतीय दर्शन, आयुर्वेद, योग और पारंपरिक ज्ञान-विज्ञान को आधुनिक संदर्भों में प्रस्तुत करना समय की आवश्यकता है। डिजिटल युग में सोशल मीडिया और इंटरनेट वैचारिक संघर्ष के प्रमुख माध्यम बन चुके हैं। इसलिए युवाओं को तथ्यपरक अध्ययन, तार्किक संवाद और संवैधानिक मूल्यों के साथ अपनी बात रखने का प्रशिक्षण भी आवश्यक है जिससे देशभक्त बौद्धिक योद्धाओं का निर्माण हो सके।

हिंदू समाज की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक उसकी आंतरिक विभाजित संरचना रही है। जातिगत भेदभाव, सामाजिक दूरी और क्षेत्रीय विभाजन ने समाज की सामूहिक शक्ति को प्रभावित किया है। यदि समाज स्वयं भीतर से विभाजित रहेगा तो बाहरी चुनौतियों का सामना करना कठिन होगा। इसलिए सामाजिक समरसता हिंदू समाज की सुरक्षा का मूल आधार होना चाहिए। संत रविदास, कबीर, नारायण गुरु, महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव आंबेडकर और अनेक सामाजिक सुधारकों ने समानता और सामाजिक न्याय पर बल दिया। मंदिर, धर्म और संस्कृति तभी सुरक्षित रहेंगे जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी सम्मान और सहभागिता का अनुभव करेगा। तभी गैर धर्म के कट्टरपंथी, हिंदू धर्म और समुदाय पर आघात करने की हिम्मत नहीं कर सकेंगे । जाति-आधारित भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार जैसी प्रवृत्तियों का पूर्ण त्याग आवश्यक है। धार्मिक आयोजनों, सामाजिक संस्थाओं और सांस्कृतिक मंचों पर समावेशी दृष्टिकोण विकसित किया जाना चाहिए।

किसी भी समाज की स्थिरता उसके आर्थिक आधार पर निर्भर करती है। आर्थिक रूप से कमजोर समाज दीर्घकाल में अपनी सांस्कृतिक संस्थाओं और शैक्षिक संरचनाओं को सुरक्षित नहीं रख सकता। इसलिए हिंदू समाज के व्यापक वर्गों में उद्यमिता, कौशल विकास और आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना आवश्यक है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था, लघु उद्योग, पारंपरिक कारीगरी, कृषि और स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित करने से समाज की सामूहिक शक्ति बढ़ेगी। धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं को केवल अनुष्ठानों तक सीमित न रहकर शिक्षा, स्वास्थ्य, छात्रवृत्ति और रोजगार सृजन में भी योगदान देना चाहिए। दान और सेवा की भारतीय परंपरा को आधुनिक सामाजिक संस्थाओं से जोड़कर समाज के कमजोर वर्गों को आगे बढ़ाने का प्रयास होना चाहिए।

(लेखक, पत्रकार, इतिहासकार और साहित्यकार हैं।)

मोहिंदर भगत ने आलू उत्पादकों और कोल्ड स्टोरेज मालिकों की समस्याएं सुनीं, हर संभव सहायता करने का दिया भरोसा

जमीनी स्तर पर जाकर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

- पंजाब सरकार राज्य के किसानों की आय बढ़ाने और उनकी हर समस्या का उचित समाधान करने के लिए वचनबद्ध

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उनकी हर समस्या का उचित समाधान करने के लिए तेजी से काम कर रही है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए आज बागवानी मंत्री श्री मोहिंदर भगत ने पंजाब भवन, चंडीगढ़ में आलू उत्पादकों और कोल्ड स्टोरेज मालिकों के साथ विशेष बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस अवसर पर बागवानी विभाग के अतिरिक्त सचिव श्री लतीफ अहमद और निदेशक श्री मनीष कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान आलू उत्पादकों और कोल्ड स्टोरेज मालिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं से बागवानी मंत्री को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा आलू की फसल को स्टोर करने के लिए कोल्ड स्टोरेज स्थापित करने और उनके रख-रखाव हेतु सुविधाएं दी जा रही हैं, लेकिन पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से संबंधित मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाना आवश्यक है।

इस मौके पर मंत्री श्री मोहिंदर भगत ने आलू उत्पादकों और कोल्ड स्टोरेज मालिकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार राज्य के किसानों की आय बढ़ाने और उनकी हर समस्या का उचित समाधान करने के लिए तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कृषि बुनियादी ढांचा फंड और अन्य योजनाओं के माध्यम से कोल्ड स्टोरेज, गोदाम और पैकिंग यूनिटों को मजबूत किया जा रहा है।

इस अवसर पर मंत्री श्री भगत ने आलू उत्पादकों और कोल्ड स्टोरेज मालिकों को आ रही समस्याओं की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे किसानों के साथ व्यक्तिगत रूप से संपर्क स्थापित करें और पूरी रिपोर्ट तैयार करें। इस मौके पर अधिकारियों ने मंत्री को हर कार्य समय पर पूरा करने का भरोसा दिया।

गैंगस्टरां ते वार का 121वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 552 स्थानों पर छापेमारी

- 243 गिरफ्तार
- पुलिस टीमों ने 87 व्यक्तियों के खिलाफ की एहतियातन कार्रवाई, 14 को पूछताछ के बाद रिहा किया
- लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के द्वारा गुप्त रूप से गैंगस्टरों के बारे में रिपोर्ट कर सकते हैं
- युद्ध नशेयां विरुद्ध के 446वें दिन 92 नशा तस्कर 7.5 किलोग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

राज्य में चल रही निर्णायक मुहिम ह्यगैंगस्टरां ते वारह्ल के 121वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के साथियों के चिन्हित और मैप किए गए 552 ठिकानों पर छापेमारी की।

उल्लेखनीय है कि ह्यगैंगस्टरां ते वारह्ल पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक अभियान है, जिसकी शुरूआत 20 जनवरी 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्यभर में विशेष अभियान चला रही हैं।

उन्होंने कहा कि 121वें दिन पुलिस टीमों ने 243 व्यक्तियों को एक हथियार सहित गिरफ्तार किया, जिससे अभियान की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 30,964 हो गई है।

इसके अलावा 87 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई है, जबकि 14 व्यक्तियों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने चार भगोड़े अपराधियों (पीओ) को भी गिरफ्तार किया।

लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में जानकारी दे सकते हैं तथा अपराध और आपराधिक गतिविधियों संबंधी सूचनाएं साझा कर सकते हैं।

इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम ह्ययुद्ध नशेयां विरुद्धह्ल को 446वें दिन भी जारी रखते हुए आज 92 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 7.5 किलोग्राम हेरोइन, 500 ग्राम अफीम, 1.70 लाख नशीली गोलियां/कैप्सूल तथा 700 रुपये की ड्रग मनी बरामद की। इसके साथ ही मात्र 446 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या अब 65,010 हो गई है।

नशा मुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 14 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार करवाने के लिए भी प्रेरित किया।

छत्तबीड़ चिड़ियाघर द्वारा जानवरों के लिए गर्मियों की भोजन सूची जारी : लाल चंद कटारूचक्क

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

बढ़ते तापमान को देखते हुए महेंद्र चौधरी जूलॉजिकल पार्क, छत्तबीड़ द्वारा अपने जानवरों के स्वास्थ्य और सुविधा को सुनिश्चित करने के लिए गर्मियों के लिए व्यापक आहार योजना लागू की गई है।

वन एवं वन्यजीव संरक्षण मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक्क के नेतृत्व में बढ़ती गर्मी से निपटने के लिए चिड़ियाघर में गर्मी के मौसम के दौरान प्रत्येक भालू को प्रतिदिन 100 किलोग्राम आइस क्यूब उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। हाइड्रेशन और ठंडक बनाए रखने के लिए भालुओं के साथ-साथ बंदरों और हाथियों को ताजे तरबूज भी दिए जा रहे हैं।

गर्म मौसम में तरल और इलेक्ट्रोलाइट की कमी को ध्यान में रखते हुए ऊर्जा स्तर बनाए रखने और डिहाइड्रेशन रोकने के लिए सभी मांसाहारी और सवाहारी जानवरों के पीने के पानी में ग्लूकोन-डी पाउडर मिलाया जा रहा है।

चिड़ियाघर प्रशासन द्वारा फलों और सब्जियों के सेवन में भी मौसमी बदलाव किए गए हैं। केले की जगह पपीते का उपयोग किया जा रहा है क्योंकि पपीता पचाने में आसान होता है और उसमें पानी की मात्रा अधिक होती है। शाकाहारी जानवरों और पक्षियों के लिए पत्ता गोभी के पत्तों की जगह पालक के पत्तों का उपयोग किया जा रहा है तथा मूली की जगह खीरे दिए जा रहे हैं, जो बेहतर हाइड्रेशन और ठंडक प्रदान करते हैं।

ये सभी उपाय छत्तबीड़ चिड़ियाघर की गर्मियों संबंधी नियमित तैयारियों और प्रोटोकॉल का हिस्सा हैं, जिनकी निगरानी पशु चिकित्सकों और पशु देखभाल स्टाफ द्वारा की जा रही है। चिड़ियाघर प्रशासन भीषण गर्मी के महीनों में वहां रह रहे सभी जानवरों के लिए बेहतर पोषण और उचित देखभाल सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

नशा और हथियार तस्करी मॉड्यूल से जुड़े दो भाई 5.5 किलो हेरोइन और 4 पिस्तौलों सहित गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/अमृतसर

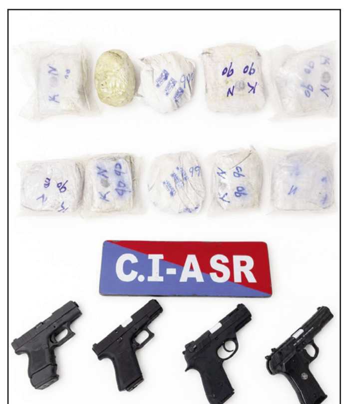

पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के तहत काउंटर इंटेलिजेंस (सी.आई.) अमृतसर ने दो भाइयों को 5.5 किलो हेरोइन, चार पिस्तौल और 10 जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार कर नशीले पदार्थों और अवैध हथियार तस्करी मॉड्यूल का पदार्फाश किया है। यह जानकारी पंजाब के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव ने आज यहां साझा की। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान बॉबी सिंह और हरजीत सिंह, दोनों निवासी गांव रोखे, अजनाला (अमृतसर) के रूप में हुई है। नशीले पदार्थों और हथियारों की बरामदगी के अलावा पुलिस टीमों ने उनका काले रंग का हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (पीबी 02 एफसी 8820) भी जब्त किया है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी सीमा पार के तस्कर के संपर्क में थे और उन्हें हथियार तथा गोला-बारूद की खेपें प्राप्त हुई थीं, जिन्हें राज्य में आगे सप्लाई किया जाना था। ऑपरेशन संबंधी विवरण साझा करते हुए उन्होंने बताया कि सी.आई. अमृतसर को पुख्ता सूचना मिली थी कि संदिग्ध बॉबी और हरजीत को हाल ही में हथियार और गोला-बारूद की खेप प्राप्त हुई है, जिसे वे अपने मोटरसाइकिल पर अमृतसर हाईवे के बाईपास पर स्थित गांव काले घनुपुर के पास किसी अन्य सदस्य तक पहुंचाने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि तेजी से कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने इलाके के आसपास नाकाबंदी की और गांव काले घनुपुर के निकट बाईपास पर दोनों को हिरासत में ले लिया। आरोपियों की तलाशी के दौरान उनके कब्जे से चार पिस्तौल और 10 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। बाद में आरोपी बॉबी सिंह के इकबालिया बयान पर गांव भाखा तारा सिंह से 5.5 किलो हेरोइन भी बरामद की गई। डीजीपी ने कहा कि इस नेटवर्क के आगे-पीछे के संबंध स्थापित करने और मॉड्यूल के अन्य सदस्यों की पहचान के लिए आगे जांच की जा रही है।

संक्षिप्त-समाचार

पंजाबी विश्वविद्यालय के छात्रावास के कमरे में इंजीनियरिंग का छात्र मृत मिला

पटियाला। पटियाला में पंजाबी विश्वविद्यालय के परिसर में स्थित छात्रावास के एक कमरे में बी. टेक का एक छात्र मृत पाया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान तरनतारन जिले के पिंग कांग गांव के निवासी वरुण प्रीत सिंह के रूप में हुई है। उसने बताया कि यह घटना बुधवार देर रात उस समय सामने आई जब एक अन्य छात्र अपना कुछ निजी सामान लेने के लिए प्रीत सिंह के कमरे में गया था। पुलिस ने बताया कि छात्र के कमरे में प्रवेश करने पर सिंह बेसुध हालत में पड़ा मिला। इसके बाद विश्वविद्यालय के सुरक्षाकर्मियों को तुरंत घटना की सूचना दी गई तथा परिसर के स्वास्थ्य केंद्र से एक मेडिकल टीम को मौके पर पहुंची। हालांकि, जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छात्रावास के प्रशासन प्रमुख ने कहा, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मौत के सटीक कारणों का पता रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा।

आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस ने खरड़ में नई शाखा खोली

खरड़। आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एबीएचएफएल) ने खरड़ में नई शाखा खोलकर पंजाब में अपनी मौजूदगी और मजबूत की है। यह विस्तार कंपनी की देशभर में अपने डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को बढ़ाने की बड़ी योजना का हिस्सा है। इस नई शाखा के साथ अब पंजाब में एबीएचएफएल की कुल 7 शाखाएं हो गई हैं, जिससे हाई-ग्रोथ वाले बाजारों में इसकी मौजूदगी और मजबूत होगी और ग्राहकों तक पहुंच भी बेहतर होगी। चंडीगढ़ के करीब होने और फैलते इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण खरड़ एक तेजी से बढ़ते रिहायशी क्षेत्र के रूप में उभरा है। यहां किफायती घरों की तलाश कर रहे युवा परिवारों और पहली बार घर खरीदने वाले ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। नई शाखा के जरिए क्षेत्र में आसान, जरूरत के अनुसार और किफायती हाउसिंग फाइनेंस सेवाओं की पहुंच मजबूत होगी। एबीएचएफएल विभिन्न ग्राहक वर्गों के लिए हाउसिंग फाइनेंस समाधानों की एक व्यापक श्रृंखला प्रदान करती है, जिसमें अफोर्डेबल हाउसिंग, प्राइम हाउसिंग, कंस्ट्रक्शन फाइनेंस और लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी शामिल हैं। ये सेवाएं सैलरीड व्यक्तियों, स्वरोजगार करने वाले प्रोफेशनल्स, स्वरोजगार करने वाले नॉन-प्रोफेशनल्स और उभरती आय वाले समूहों के लिए उपलब्ध हैं। कंपनी के मजबूत डिजिटल इकोसिस्टम की बदौलत ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया आसान होती है, लोन स्वीकृति तेज होती है और पारदर्शिता बेहतर होती है, जिससे ग्राहकों को बेहतरीन अनुभव मिलता है। लॉन्च के मौके पर एबीएचएफएल ग्राहकों को जीरो लॉगिन फीस के साथ-साथ 50 लाख रुपये तक के स्पॉट लोन सैंक्शन की सुविधा दे रही है। यह ऑफर 20 मई से 31 मई 2026 तक मान्य रहेगा, जिससे इन नई शाखाओं में ग्राहकों को क्रेडिट की तेज और ज्यादा किफायती सुविधा मिलेगी।

अब एयरबीएनबी पर हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध

चंडीगढ़। अब एयरबीएनबी केवल ठहरने की जगह बुक करने वाला मंच नहीं रह गया है। पिछले साल एयरबीएनबी ने अपनी सेवाओं का दायरा बढ़ाया था। कंपनी ने एयरबीएनबी एक्सपीरियंस और एयरबीएनबी सर्विसेज की शुरूआत की थी, जिससे लोगों को घर बुकिंग के साथ कई नई सुविधाएं भी मिलने लगीं। इसके जरिए लोग एक ही जगह पर ठहरने की बुकिंग करने, स्थानीय लोगों के साथ शहर घूमने और निजी शेफ से खाना बनवाने जैसी सुविधाओं का फायदा उठा सकते थे। तब से दुनिया भर में लाखों लोग इन सेवाओं का इस्तेमाल कर चुके हैं। इस गर्मी एयरबीएनबी और नई सुविधाएं जोड़ रहा है, ताकि यात्रा का हर हिस्सा आसान बनाया जा सके। कंपनी ऐसे नए अनुभव भी ला रही है जो सिर्फ एयरबीएनबी पर मिलेंगे, जिनमें फीफा विश्व कप 2026 से जुड़े खास अनुभव शामिल होंगे। इसके अलावा अब छोटे एवं बुटिक होटल भी एयरबीएनबी पर उपलब्ध होंगे। कंपनी अपने ऐप में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित नए फीचर भी जोड़ रही है, जिससे लोगों को ठहरने की सही जगह खोजने, यात्रा की योजना बनाने और जरूरत पड़ने पर तुरंत मदद पाने में आसानी होगी।

प्राचीन पीर गुगा माड़ी / लखदाता मंदिर में सीमा रानी चौहान को भावी गद्दीनशीन घोषित किया गया

चंडीगढ़। प्राचीन पीर गुगा माड़ी / लखदाता मंदिर (पुराना बिजवाड़ा), सेक्टर 36-बी, चंडीगढ़ में एक ऐतिहासिक एवं भावनात्मक अवसर पर वर्तमान गद्दीनशीन महंत श्री जय कृष्ण नाथ जी ने अपनी बड़ी पुत्री सीमा रानी चौहान को मंदिर की भावी गद्दीनशीन एवं उत्तराधिकारी घोषित किया। यह घोषणा मंदिर परिसर में आयोजित वार्षिक धार्मिक उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं, संत समाज और संगत की उपस्थिति में की गई। महंत श्री जय कृष्ण नाथ जी ने कहा कि पीर गुगा माड़ी / लखदाता मंदिर की यह पवित्र गद्दी उनके पूर्वजों से पीढ़ी-दर-पीढ़ी परिवार में चली आ रही है। उन्होंने बताया कि उनके पिता स्वर्गीय श्री फकीर चंद जी सहित पूर्वजों ने वर्षों तक मंदिर की सेवा, पूजा-अर्चना और संगत की सेवा को अपना जीवन समर्पित किया और उसी परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प अब सीमा रानी चौहान निभाएंगी। उन्होंने भावुक शब्दों में कहा कि यह गद्दी केवल अधिकार नहीं बल्कि सेवा, त्याग और श्रद्धा की पहचान है। मैंने अपना पूरा जीवन मंदिर और संगत की सेवा में बिताया है और अब मेरी इच्छा रही कि सीमा रानी इसी श्रद्धा और समर्पण के साथ मंदिर की परंपराओं को आगे बढ़ाए। मुझे विश्वास है कि वह संगत के सहयोग और आशीर्वाद से इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाएंगी। महंत श्री जय कृष्ण नाथ जी ने यह भी स्पष्ट किया कि मंदिर की व्यवस्थाएं, धार्मिक परंपराएं, भंडारे, लंगर सेवा और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का संचालन पूर्व की तरह निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने अपनी छोटी पुत्री मीनाक्षी का भी विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों बहनें मिलकर मंदिर की सेवा एवं व्यवस्थाओं को सहयोगपूर्वक आगे बढ़ाएंगी।

२0,000 रुपये रिश्वत लेते मोगा के जिला माल अफसर के रीडर को विजीलेंस ब्यूरो ने किया काबू

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब विजीलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही अपनी मुहिम के दौरान जिला माल अफसर, मोगा के रीडर दविंदर पाल सिंह को 20,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है।

आज यहां यह जानकारी देते हुए राज्य विजीलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को गांव चक्क कानियां खुर्द, तहसील धर्मकोट, जिला मोगा के एक निवासी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता के पुत्र का 13 एकड़ जमीन की बंटवारा संबंधी डीआरओ, मोगा की अदालत में केस चल रहा था। आरोपी रीडर दविंदर पाल सिंह ने कथित तौर पर 5-6 महीनों के अंदर केस का जल्दी निपटारा करने के लिए 1,00,000 रुपये रिश्वत की मांग की थी। उसने शिकायतकर्ता को 50,000 रुपये रिश्वत की राशि एडवांस में देने और बाकी 50,000 रुपये केस निपटारे के बाद देने को कहा था। शिकायतकर्ता ने रिश्वत मांगने की सारी बातचीत रिकॉर्ड कर ली थी।

रिश्वत देने के लिए तैयार न होने के कारण शिकायतकर्ता ने विजीलेंस ब्यूरो यूनिट मोगा से संपर्क किया। उसकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए विजीलेंस ब्यूरो की टीम ने दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 20,000 रुपये रिश्वत लेते हुए आरोपी रीडर को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

इस संबंध में विजीलेंस ब्यूरो के थाना फिरोजपुर में आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार रोकथाम कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है और इस मामले की आगे की जांच जारी है।

बलबीर सिद्धू द्वारा सरकार के कर्मचारी विरोधी रवैये की कड़ी निंदा

सिटी दर्पण संवाददाता
एस.ए.एस. नगर

सीनियर कांग्रेसी नेता एवं पंजाब के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री श्री बलबीर सिंह सिद्धू ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा पिछले चार वर्षों से अपनाए जा रहे कर्मचारी विरोधी रवैये की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि सरकार की अन्यायपूर्ण नीतियों के कारण कर्मचारियों में भारी निराशा फैल चुकी है, जिसका राज्य के विकास और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

श्री सिद्धू ने कहा कि यह बेहद दुखद है कि राज्य के कर्मचारियों और पेंशनरों को छठे वेतन आयोग के बकाये, महंगाई भत्ते की लंबित किस्तों तथा मेडिकल बिलों के भुगतान जैसी जायज मांगों के लिए पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। उन्होंने कहा कि अदालत के आदेशों को लागू करने की बजाय सरकार द्वारा रिव्यू पिटीशन दायर कर कर्मचारियों के साथ टकराव का रास्ता अपनाया जा रहा है।

कांग्रेसी नेता ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने विधानसभा चुनावों के दौरान कर्मचारियों से पुरानी पेंशन योजना लागू करने का वादा किया था, लेकिन सरकार बनने के बाद न तो पुरानी पेंशन योजना लागू की गई और न ही महंगाई भत्ते की लंबित किस्तें जारी की गईं। उन्होंने बताया कि इस समय पंजाब के कर्मचारियों और पेंशनरों को केंद्र और हरियाणा के कर्मचारियों की तुलना में लगभग 18 प्रतिशत कम महंगाई भत्ता मिल रहा है। इसके अलावा छठे वेतन आयोग की सिफारिशें लागू होने के बाद बनने वाले बकाये भी अभी तक जारी नहीं किए गए हैं। श्री सिद्धू ने कहा कि पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा महंगाई भत्ते की लंबित किस्तों और छठे वेतन आयोग के बकाये पर 6 प्रतिशत ब्याज सहित राशि देने के आदेशों के बावजूद सरकार द्वारा पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन के माध्यम से तर्कहीन याचिकाएं दायर करवाई गईं। उन्होंने कहा कि मार्कफेड द्वारा भी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मेडिकल भत्ता और इलाज का खर्च न देने जैसे अमानवीय फैसले किए गए, जिन्हें रद्द करवाने के लिए कर्मचारियों को अदालत का सहारा लेना पड़ा।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री सिद्धू ने कहा कि किसी भी सरकार के प्रशासनिक ढांचे में कर्मचारियों की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा, पंजाब के कर्मचारी राज्य की रीढ़ की हड्डी हैं। चाहे स्वास्थ्य विभाग हो, शिक्षा विभाग हो या कोई अन्य प्रशासनिक इकाई, इन कर्मचारियों की दिन-रात की मेहनत से ही राज्य चलता है। लेकिन आम आदमी पार्टी सरकार उनके अधिकार समय पर न देकर उन्हें सड़कों पर आने के लिए मजबूर कर रही है, जिससे कर्मचारियों का मनोबल टूट रहा है।

उन्होंने कहा कि रोजाना खजाना भरा होने के दावे करने वाली भगवंत मान सरकार द्वारा वित्तीय संकट का हवाला देकर कर्मचारियों के अधिकारों को दबाना बेहद गैर-जिम्मेदाराना और लापरवाही भरा रवैया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब के वित्तीय संकट के लिए आम आदमी पार्टी सरकार में फैला भ्रष्टाचार, फिजूलखर्ची और दोषपूर्ण वित्तीय नीतियां जिम्मेदार हैं, न कि कर्मचारी।

श्री सिद्धू ने कहा कि यह अत्यंत दुखद है कि लगभग 35 हजार कर्मचारी और पेंशनर अपने हकों की किस्तों का इंतजार करते-करते इस दुनिया से चले गए, जो सरकार की नाकामी का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और वे स्वयं हमेशा कर्मचारियों के हकों के लिए खड़े रहे हैं और भविष्य में भी उनकी हर जायज लड़ाई में साथ खड़े रहेंगे। इस अवसर पर मार्केट कमेटी खरड़ के पूर्व चेयरमैन एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता श्री हरकेश चंद शर्मा मच्छली कलां भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत 62 वर्षीय मरीज को मिला जीवनरक्षक इलाज

जब ब्लड शुगर 550 तक पहुंच गया तो मान सरकार की मुख्यमंत्री सेहत योजना परिवार के लिए बनी वरदान

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

ज़िंदगी में कुछ पल ऐसे आते हैं जब समय सिर्फ धीमा नहीं पड़ता, बल्कि जैसे ठहर ही जाता है। 62 वर्षीय भूर कौर के जीवन में भी ऐसा ही एक पल आया और वह भी बिना किसी चेतावनी के। पिछले 15झ16 वर्षों से वह डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर से जूझ रही थीं। यह बीमारी उनकी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुकी थी।

दवाइयां, जांच और सावधानियां– यह सब उनके लिए एक सामान्य दिनचर्या बन गई थी। लेकिन एक दिन अचानक उनका शरीर जवाब दे गया। ब्लड शुगर अचानक 550ं/छित तक पहुंच गया। कुछ ही पलों में वह गिर पड़ीं और बेहोश हो गईं। वह जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रही थीं।

उनके परिवार के पास सोचने का समय नहीं था। तुरंत कदम उठाना जरूरी हो गया था। उनकी बहू परमजीत कहती हैं, हम भाग-दौड़ कर रहे थे और अरदास कर रहे थे। सोचने की हालत नहीं थी, सिर्फ घबराहट थी। उनका बेटा हरपाल, जो गुरुद्वारे में पाठी है और पूरी श्रद्धा से सेवा करता है, के लिए वह पल किसी बुरे सपने जैसा था; मानो उसकी आस्था ही सबसे बड़े इम्तिहान से गुजर रही हो।

कुछ सेकंडों पर टिकी थी जिंदगी: संगरूर के सुनाम स्थित कश्मीरी हार्ट केयर सेंटर में जब भूर कौर को लाया गया, तब उनकी हालत बेहद गंभीर थी। क्लिनिकल कार्डियोलॉजिस्ट और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. अंशुमन फुल उस स्थिति को आज भी स्पष्ट रूप से याद करते हुए बताते हैं, भूर कौर को डायबिटिक कीटोएसिडोसिस, गंभीर संक्रमण और एक्यूट रेस्पिरेटरी फेल्योर के साथ बेहद नाजुक हालत में अस्पताल लाया गया था। उनका ऑक्सीजन लेवल लगातार गिर रहा था, दिल की स्थिति अस्थिर थी और शरीर खतरनाक मेटाबॉलिक असंतुलन में चला गया था। 550 तक पहुंचा ब्लड शुगर उनके शरीर को जानलेवा स्थिति की ओर धकेल चुका था। शरीर में पानी की कमी, इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन और अंगों पर गंभीर दबाव बन चुका था। इसके बाद एक खामोश लेकिन खतरनाक स्थिति उभरी–सेप्सिस, जिसमें संक्रमण शरीर पर ही हमला करने लगता है। डॉ. अंशुमन फुल ने कहा, ऐसे मामलों में हर पल महत्वपूर्ण होता है। कई बार कुछ मिनट ही यह तय करते हैं कि मरीज बचेगा या नहीं।

आईसीयू में जिंदगी की जंग: आईसीयू वह जगह बन गया था जहां हर सेकंड महत्वपूर्ण था। ऑक्सीजन सपोर्ट, आईवी इंसुलिन, एंटीबायोटिक्स, फ्लूइड्स, इलेक्ट्रोलाइट सुधार और लगातार मॉनिटरिंग। किसी भी चीज में देरी की गुंजाइश नहीं थी। डॉ. फुल ने कहा, शुरूआती घंटों में हमारा पूरा ध्यान सिर्फ उनकी जान बचाने पर था। हमें उनकी सांस लेने में दिक्कत, संक्रमण और मेटाबॉलिक असंतुलन का एक साथ इलाज करना पड़ रहा था। आईसीयू के बाहर परिवार बेहद चिंता और खामोशी के साथ इंतजार कर रहा था। अरदास, उम्मीद और विश्वास ही उनका सहारा था। फिर धीरे-धीरे जिंदगी जैसे वापस लौटने लगी। तीसरे दिन सुधार के पहले संकेत दिखाई देने लगे। ऑक्सीजन लेवल बेहतर होने लगा। संक्रमण कम होने लगा। शरीर पर इलाज का असर दिखने लगा और फिर सबसे बड़ी राहत मिली–भूर कौर को होश आ गया। डॉ. फुल ने कहा, यह वास्तव में पहला राहत भरा पल था। हमें पता चल गया था कि वह मौत के मुंह से वापस लौट रही हैं। जो मरीज मौत के किनारे पर थी, वह धीरे-धीरे जीवन की ओर लौट रही थी।

मुख्यमंत्री सेहत योजना ने पूरी स्थिति बदल दी: इस पूरी मेडिकल इमरजेंसी के दौरान मुख्यमंत्री सेहत योजना ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉक्टरों के मुताबिक इस योजना ने सबसे बड़ी बात यह सुनिश्चित की कि इलाज में कोई देरी न हो। डॉ. अंशुमन फुल ने कहा, ऐसी इमरजेंसी स्थितियों में देरी किसी की जान ले सकती है। लेकिन मरीज योजना के तहत कवर थी, इसलिए आईसीयू और इमरजेंसी इलाज तुरंत शुरू हो गया। न कोई आर्थिक हिचकिचाहट, न कोई इंतजार–सिर्फ तुरंत इलाज। गंभीर मामलों में यही तेजी कई बार जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन जाती है।

मुझे दूसरी जिंदगी मिली: अब धीरे-धीरे स्वस्थ हो रही भूर कौर धीमी आवाज में अपनी बात बताती हैं। वह अब भी उस कठिन दौर की थकान से जूझ रही हैं, लेकिन भीतर से बेहद आभारी हैं। उन्होंने कहा, मुझे सब कुछ याद नहीं, लेकिन इतना पता है कि मेरी हालत बहुत गंभीर थी। मैं डॉक्टरों और सरकार की शुक्रगुजार हूं। सेहत कार्ड की वजह से आज मैं जिंदा हूं। शब्द साधारण थे, लेकिन भावनाएं बेहद गहरी थीं।

समय रहते मौत के मुंह से वापस आई एक जिंदगी: एक परिवार जिसने उम्मीद नहीं छोड़ी और एक व्यवस्था जिसने समय पर सहारा दिया। हरपाल और परमजीत के लिए यह अनुभव कभी न भूलने वाला है। हरपाल ने कहा, एक पल पहले वह हमारे साथ थीं और अगले ही पल बेहोश हो गईं। हम हमेशा शुक्रगुजार रहेंगे कि उन्हें समय पर इलाज मिल गया। परमजीत ने कहा, हमारे पास विश्वास था, लेकिन हमें सहारे की भी जरूरत थी। हमें दोनों मिले।

सामान्य रिकवरी से कहीं अधिक: भूर कौर की कहानी सिर्फ एक मेडिकल इमरजेंसी की कहानी नहीं है। यह इस बात की कहानी है कि जिंदगी कैसे अचानक बदल सकती है। यह उस नाजुक स्थिति की कहानी है, जहां बीमारी बिना चेतावनी के आती है और यह बताती है कि समय पर इलाज और सही सहायता मिलने पर क्या संभव हो सकता है। भूर कौर के लिए सेहत कार्ड सिर्फ एक दस्तावेज नहीं था, बल्कि इलाज था, जिंदगी थी।

ईरान ने कहा-आत्मसमर्पण नहीं करेगा

अमेरिका बोला- अभूतपूर्व सैन्य कार्रवाई होगी, हमारी शर्तों को मानने में देरी ईरान के लिए होगी घातक

ट्रंप ने कहा, वे बातचीत में ईरान के जवाब का इंतजार कर रहे हैं

एजेंसी (हि.स.)
तेहरान/वाशिंगटन

जलडमरूमध्य और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने कहा है कि वह अमेरिका के सामने आत्मसमर्पण नहीं करेगा। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघर गालिबफ ने बुधवार कहा कि हर ईरानी की युद्ध के लिए इच्छाशक्ति मजबूत है। ट्रंप प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा है कि अगर अमेरिकी शर्तें ईरान नहीं मानता तो उसे अभूतपूर्व सैन्य कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

अल जजीरा, सीबीएस न्यूज और फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, स्पीकर गालिबफ ने ईरान की अर्ध सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम के एक रिकॉर्डेड संबोधन में कहा, हम पूरी इच्छाशक्ति के युद्ध के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका की खुली और छुपी हुई गतिविधियों से साफ है कि उसने आर्थिक और राजनीतिक दबाव के साथ-साथ अपने सैन्य लक्ष्यों को नहीं छोड़ा है। वह कभी भी हमला करने का दुस्साहस कर सकता है। गालिबफ ने देशवासियों से कहा कि जवाब देने के लिए तैयार रहें। ईरानी सशस्त्र बलों ने संघर्ष विराम की अवधि का सर्वोत्तम उपयोग अपनी सैन्य क्षमता को बढ़ाने में किया है।

गालिबफ ने संबोधन में बढ़ते आर्थिक दबावों और जरूरी चीजों की बढ़ती कीमतों को स्वीकार किया। उन्होंने आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए नई संसदीय निगरानी व्यवस्था बनाने की घोषणा की। गालिबफ ने आखिर में मौजूदा दौर को राष्ट्रीय सहनशक्ति की व्यापक परीक्षा के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, हम इच्छाशक्ति के युद्ध में हैं। जो कोई भी यह युद्ध जीतेगा, वही ईरान का इतिहास लिखेगा और उसका भविष्य तय करेगा।

इस पर व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ईरान के नेतृत्व को गतिरोध के संबंध में कड़ी चेतावनी जारी की। मिलर ने कहा कि ईरान के पास अभी भी संतोषजनक समझौता करने का विकल्प है। अगर ईरान ऐसा नहीं करता तो उसे अमेरिका सेना की ऐसी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है, जो आधुनिक इतिहास में पहले कभी नहीं हुई।

फोटोः हि.स.

ईरान में हालिया गठित फारसी खाड़ी जलडमरूमध्य प्राधिकरण ने बुधवार को होर्मुज जलडमरूमध्य का नक्शा एक्स पर जारी किया है। इसमें दावा किया गया है कि एक रेखा जलडमरूमध्य के पूर्व में ईरान के कुह मुबारक और संयुक्त अरब अमीरात के फुजैरा के दक्षिण को जोड़ती है, वह ईरान नियंत्रित जल क्षेत्र है। साथ ही दूसरी रेखा पश्चिम में ईरान के केश्म द्वीप के छोर और उम अल-कैवेन को जोड़ती है। यह क्षेत्र भी ईरान का है। पोस्ट में कहा गया है कि यहां से गुजरने वाले जहाजों को प्राधिकरण से समन्वय करने के साथ अनुमति भी लेनी होगी। ईरानी शासन ने प्राधिकरण को शिपिंग कंपनियों से शुल्क इकट्ठा करने के लिए अधिकृत किया है।

इस पूरे घटनाक्रम के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह वाशिंगटन और तेहरान के बीच चल रही बातचीत में ईरान के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसमें देरी ईरान के लिए घातक होगी। ट्रंप ने बुधवार दोपहर जॉइंट बेस एंड्रयूज में पत्रकारों से कहा, इसलिए इंतजार कर रहा हूं कि लोगों की जान बच सके। अगर सही जवाब नहीं मिलता तो स्थितियां तेजी से बदलेंगी।

अमेरिका सेंट्रल कमांड ने बुधवार को कहा कि ईरानी बंदरगाहों की सैन्य निगरानी जारी है। यूएस मरीन ने ईरानी झंडे वाले टैंकर पर चढ़कर तलाशी ली। इस टैंकर पर नाकेबंदी का उल्लंघन करने की कोशिश करने का शक था। यह टैंकर एक ईरानी बंदरगाह की ओर जा रहा था। बाद में चालक दल को रास्ता बदलने का निर्देश देते हुए टैंकर को छोड़ दिया गया। कमांड ने कहा कि नाकाबंदी का पालन सुनिश्चित करने के लिए 91 कमर्शियल जहाजों को मार्ग बदलना पड़ा है।

अमेरिका में इबोला का खौफ

एयर फ्रांस की डेट्रॉइट फ्लाइट को कांगो के यात्री की वजह से कनाडा डायवर्ट किया

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन

अमेरिका में इबोला को लेकर खौफ साफ-साफ नजर आने लगा है। इस वजह से पेरिस से बुधवार को डेट्रॉइट (मिशिगन) जा रही एयर फ्रांस की एक उड़ान (फ्लाइट) को मॉन्ट्रियल (कनाडा) की ओर मोड़ना पड़ा। दरअसल इस उड़ान में इबोला के प्रकोप से जुड़ी अमेरिकी प्रतिबंधों का पालन न होने से सनसनी फैल गई। इस उड़ान के यात्रियों में से एक के डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो का होने की भनक लगते ही सबके हाथ-पांव फूल गए।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस संबंध में अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा सीबीपी) के एक प्रवक्ता ने कहा कि इसमें एयर फ्रांस की गलती है। एयर फ्रांस ने उस यात्री को गलती से अमेरिका जाने वाले अपने विमान में बैठा लिया था। उन्होंने कहा कि इबोला वायरस के जोखिम को कम करने के लिए उड़ानों के लिए प्रतिबंध लागू किए गए हैं। इनके अनुसार उस यात्री को विमान में सवार नहीं होना चाहिए था। इस वजह से उड़ान को डेट्रॉइट मेट्रोपॉलिटन वेन काउंटी एयरपोर्ट पर उतरने से रोक दिया गया। इसके बाद उड़ान को कनाडा के मॉन्ट्रियल की ओर मोड़ दिया गया।

सीबीपी प्रवक्ता यह नहीं बता पाए कि वह व्यक्ति आखिरी बार कांगो में कब था। और क्या उसमें इबोला वायरस के लक्षण दिखाई दे रहे थे। फ़्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ़्लाइट अवेयर के अनुसार, पेरिस-चार्ल्स डी गॉल इंटरनेशनल एयरपोर्ट से चली एयर फ्रांस की फ़्लाइट 378 मॉन्ट्रियल ट्रूडो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शाम 5:15 बजे (पूर्वी समय) पर उतरी। कांगो से आए उस यात्री की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई। यह भी साफ नहीं था कि बाकी यात्रियों को लेकर यह फ़्लाइट आगे डेट्रॉइट जाएगी या नहीं।

संघीय अधिकारियों ने सोमवार को घोषणा की थी कि जिन लोगों के पास अमेरिका का पासपोर्ट नहीं है और जिन्होंने पिछले तीन हफ्तों में कांगो, युगांडा या दक्षिण सूडान की यात्रा की है, उन्हें देश में प्रवेश करने से रोक दिया जाएगा। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने पुष्टि की कि गुरुवार से यह प्रतिबंध सभी उड़ानों पर लागू होंगे। ऐसी सभी उड़ानों को वर्जीनिया स्थित वाशिंगटन-डलेस इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ही उतरना होगा। यहां पर सभी यात्रियों की जांच होगी।

पूर्वी कांगो में फैले इबोला के प्रकोप की पुष्टि 15 मई को अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजिज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने की थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस ने बुधवार को कहा कि अब तक इबोला के कम से कम 600 संदिग्ध मामले सामने आए हैं, जिनमें इस वायरस के कारण हुई 139 संदिग्ध मौतें भी शामिल हैं। अमेरिकी स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि इबोला का यह नया प्रकोप 'बुंडीबुग्यो स्ट्रेन' से जुड़ा है। इसके लिए अभी तक कोई भी स्वीकृत टीका या उपचार उपलब्ध नहीं है।

खरगे, सोनिया, राहुल व अन्य ने वीर भूमि पहुंचकर दी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को श्रद्धांजलि

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि पर आज यहां वीर भूमि में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने वीर भूमि पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, सांसद और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी को उनकी पुण्यतिथि पर नमन। वीर भूमि पर आयोजित कार्यक्रम में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने राजीव गांधी की समाधि पर पुष्प अर्पित किए और कुछ देर मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। खरगे ने राजीव गांधी को 21वीं सदी के आधुनिक भारत की नींव रखने वाला दूरदर्शी नेता बताया। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने युवा भारत की शक्ति पर भरोसा करते हुए मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की। पंचायतों को अधिकार देकर लोकतंत्र को गांव-गांव तक मजबूत किया तथा दूरसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी और कम्प्यूटरीकरण के माध्यम से भारत को नए युग की दिशा दी। राहुल गांधी ने एक्स पर अपने पिता के साथ एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि पापा, आपने जिस कुशल, समृद्ध और मजबूत भारत का सपना देखा था, उसे साकार करने की जिम्मेदारी मैं पूरी करूंगा।

नेपाल में सत्तारूढ़ दल के सांसद ने खोला सरकार के खिलाफ मोर्चा

काठमांडू। नेपाल में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सांसद डॉ. अमरेश कुमार सिंह ने अपनी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पांच मार्च को हुए चुनाव के बाद सिंह ने सरकार गठन के डेढ़ महीने के भीतर ही प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की नेतृत्व शैली पर सवाल उठाए हैं। वह दो दिन पहले प्रतिनिधि सभा में वित्तमंत्री स्वर्णिम वाग्ले की कार्यशैली पर भी प्रश्न उठा चुके हैं। सांसद अमरेश सिंह ने आज पत्रकारों से कहा नेपाल पाकिस्तान के मॉडल वाले लोकतंत्र की दिशा में बढ़ रहा है। संसद को दरकिनार करने की प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की शैली की ओर इशारा करते हुए उन्होंने पाकिस्तान के लोकतांत्रिक मॉडल का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, जिस तरह व्यापारियों को कानूनी प्रक्रिया पूरी किए हिरासत में लिया जाता है और अगले ही दिन छोड़ दिया जाता है उससे नेपाल टेरर स्टेट के रूप में जाना जाने लगा है। सिंह ने कहा कि नेपाल को 'पुलिस स्टेट' नहीं 'डेमोक्रेटिक स्टेट' बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में लोकतंत्र कभी स्थिर नहीं हो पाया, न है और न ही होगा, क्योंकि वहां संसद को कभी मजबूत नहीं बनने दिया गया। उन्होंने यह संकेत भी दिया कि मौजूदा सरकार अपना पूरा कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएगी।

नेपाल के पूर्व गृहमंत्री सुदन गुरूंग के खिलाफ समिति ने शुरू की जांच

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल के पूर्व गृहमंत्री सुदन गुरूंग के खिलाफ जांच के लिए गठित समिति ने विभिन्न कार्यालयों को पत्र भेजकर विवरण मांगा है। आज इस जांच समिति की पहली बैठक में पहले दस्तावेज और जानकारी एकत्र करने तथा उसके बाद गुरूंग से पूछताछ कर रिपोर्ट तैयार करने का निर्णय लिया है।

समिति ने शेयर बोर्ड, जमीन खरीद से जुड़े मामले के लिए मालपोत कार्यालय और अस्वाभाविक लेनदेन से जुड़े आरोप के लिए बैंकों को पत्र भेजकर विवरण मांगा है। समिति आवश्यकता पड़ने पर अन्य कार्यालयों को भी पत्र भेज सकती है।

मंत्री बनने के बाद संपत्ति विवरण सार्वजनिक होने के साथ ही गुरूंग विवादों में घिर गए थे। शुरूआत में उनके पास कानूनी सीमा से अधिक

फोटोः हि.स.

जमीन होने का खुलासा हुआ। हाल के दिनों में असामान्य तरीके से संपत्ति बढ़ाने के आरोपों से जुड़े विवरण भी सार्वजनिक हुए हैं।

जेल में बंद विवादित व्यवसायी दीपक भट्ट से जुड़ी कंपनी में संस्थापक शेयरधारक पाए जाने के बाद गुरूंग ने इस्तीफा दे दिया था। भट्ट को पुलिस के केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो ने गिरफ्तार कर जांच शुरू कर रखी है। पुलिस जांच के दायरे में आए व्यक्ति के साथ गृहमंत्री के संबंध सामने आने के बाद सार्वजनिक रूप से सवाल उठे थे।

27 मार्च को गृहमंत्री गुरूंग ने 22 अप्रैल को इस्तीफा दिया था। इसके बाद 11 मई को हुई मंत्रिपरिषद बैठक ने उच्च अदालत के पूर्व न्यायाधीश अच्युत प्रसाद भण्डारी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की। इस जांच समिति में महालेखा नियंत्रक शोभाकान्त पौडेल और महान्यायाधिवक्ता कार्यालय के सह न्यायाधिवक्ता अच्युतमणि न्यौपाने सदस्य हैं।

न्यौपाने ने कहा, शुरूआत में गुरूंग से जुड़े मामलों में संबंधित कार्यालयों को पत्र भेजकर दस्तावेज मंगाए गए हैं। शेयर, जमीन और बैंकिंग कारोबार से जुड़े विवरण हम मांग चुके हैं। दस्तावेज आने के बाद आगे अध्ययन और बयान लेने की प्रक्रिया शुरू होगी।

संक्षिप्त-समाचार

शराब तस्करों की कार बनी मौत का कारण जदयू नेता व व्यवसायी मनोज कुमार की मौत

सुपौल। जिले के रतनपुरा थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। नेपाल से अवैध शराब लेकर भाग रहे तस्करों की तेज रफ्तार कार ने जदयू नेता और किराना व्यवसायी मनोज कुमार को कुचल दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद नई बाजार रतनपुर इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पुलिस नेपाल से लाई जा रही शराब की बड़ी खेप का पीछा कर रही थी। इसी दौरान शराब तस्करों की होंडा सिटी कार (ल्फ-26इ 6782) अनियंत्रित हो गई। पहले कार सड़क पर जा रहे एक ट्रैक्टर से जा भिड़ी और फिर सड़क किनारे पैदल जा रहे मनोज कुमार को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर का अगला चक्का टूटकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।बताया जा रहा है कि मनोज कुमार अपनी पोती को स्कूल छोड़कर रतनपुरा चौक स्थित किराना दुकान खोलने जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें गंभीर हालत में रेफरल अस्पताल राघोपुर पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया, लेकिन हालत बिगड़ने पर हायर सेंटर रेफर करने की तैयारी के दौरान ही उनकी मौत हो गई।

अपराधी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में बदमाश घायल

किशनगंज। बिहार में किशनगंज शहर के सदर थाना क्षेत्र के फरिंगगोला रेलवे फाटक स्थित चौहान बस्ती में अपराधियों को पकड़ने गई पुलिस टीम पर बदमाशों ने फायरिंग कर दी। पुलिस की ओर से की गयी जवाबी कार्रवाई में एक अपराधी घायल हो गया, जबकि दो पुलिस पदाधिकारी भी जख्मी हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घायल अपराधी की पहचान कटिहार जिले के रौतारा निवासी पवन कुमार उर्फ चिंटू के रूप में हुई है। उसे पैर में गोली लगी है। वहीं सदर थाना के अवर निरीक्षक नीतीश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। डीआईओ प्रभारी सह इंस्पेक्टर मुश्ताक आलम को भी आंशिक चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी विशाल राज और पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। इसके बाद घायल पुलिस अधिकारियों और अपराधी को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया।

बलौदाबाजार में बायसन के हमले से एक ग्रामीण की मृत्यु, वन विभाग ने दी तत्काल सहायता

रायपुर। वन विकास निगम परियोजना परिक्षेत्र रवान अंतर्गत मंगलवार को तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए जंगल गए ग्रामीणों पर बायसन के हमले में एक ग्रामीण की मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही बलौदा बाजार की वन विभाग टीम एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा तत्काल आवश्यक कार्रवाई की गई। परियोजना परिक्षेत्र अधिकारी रवान द्वारा मृतक के परिजनों को तात्कालिक सहायता राशि 25,000 प्रदान की गई है। साथ ही शासन के प्रावधान अनुसार मृतक के परिवार को देय क्षतिपूर्ति राशि भी प्रदान की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बायसन के हमले में तीन ग्रामीण घायल हो गये। इस घटना में ग्राम गजराडीह निवासी देवेन्द्र साहू (उम्र 45 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनकी उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। घटना में घायल अन्य दो ग्रामीणों का निजी अस्पताल में उपचार जारी है। वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर ने गुरुवार को बताया कि वन विभाग द्वारा लगातार ग्रामीणों को मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं से बचाव के संबंध में जागरूक किया जा रहा है तथा वन क्षेत्रों में सुरक्षा एवं सतर्कता बनाए रखने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वन क्षेत्रों में जाते समय सावधानी बरतें एवं वन विभाग के दिशा-निर्देशों का पालन करें।

छत काटकर दुकान से 85 हजार नकद की चोरी

पूर्वी सिंहभूम। मानगो थाना क्षेत्र के पारडीह चौक स्थित एक गल्ला दुकान में बुधवार देर रात चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। चोरों ने दुकान की एस्बेस्टस छत काटकर अंदर प्रवेश किया और करीब 85 हजार रुपये नकद समेत हजारों रुपये के सामान पर हाथ साफ कर फरार हो गए। मिली जानकारी के अनुसार पारडीह चौक स्थित ह्लमामा स्टोरह्व नामक दुकान के संचालक महेश सिंह रोज की तरह बुधवार रात करीब 11 बजे दुकान बंद कर अपने घर चले गए थे। दुकान में दूध, दही और अन्य कच्चे सामान के सप्लायरों को सुबह भुगतान करने के लिए उन्होंने बिक्री की नकदी दुकान में ही रखी थी। गुरुवार सुबह करीब 6 बजे जब महेश सिंह दुकान खोलने पहुंचे तो अंदर का नजारा देखकर हैरान रह गए। दुकान का सामान बिखरा पड़ा था। ऊपर नजर जाने पर पता चला कि चोरों ने एसबेस्टस की छत काटकर दुकान में प्रवेश किया था। जांच करने पर बैग में रखे करीब 85 हजार रुपये नकद और लगभग 10 हजार रुपये मूल्य के सामान गायब मिले। घटना की सूचना मिलने पर पूर्व भाजपा नेता विकास सिंह मौके पर पहुंचे और पीड़ित दुकानदार से पूरी जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने मानगो थाना पहुंचकर मामले की शिकायत करते हुए जल्द कार्रवाई की मांग की।

पुत्र ने पिता की कर दी हत्या, आरोपित फरार

लातेहार। जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंजो गांव निवासी पवन सिंह ने बुधवार की देर रात अपने पिता राजकुमार सिंह (65) की हत्या कुदाल से मारकर कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपित घर से फरार हो गया। मामले की सूचना मिलने के बाद गुरुवार को थाना प्रभारी प्रभात दास के नेतृत्व में पुलिस की मृतक के घर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की छानबीन आरंभ कर दी है, वहीं आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी भी की जा रही है। जानकारी के अनुसार, शिंजो पंचायत निवासी राजकुमार सिंह ने बुधवार रात अपने पुत्र चंदन सिंह को किसी बात पर हल्की डांट-फटकार लगाई थी। इसी बात से नाराज होकर चंदन सिंह ने घर में रखे कुदाल से अपने पिता के सिर पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपित घर से फरार हो गया। वहीं परिजनों के अनुसार, आरोपित चंदन सिंह मानसिक रूप से बीमार था और हाल ही में उसका इलाज रांची से कराकर घर लाया गया था।बताया गया कि वह छोटी-छोटी बातों पर भी उग्र हो जाता था।

मणिपुर में सात उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार बरामद

एजेंसी (हि.स.)
इंफाल

मणिपुर में बीते 24 घंटों के दौरान चलाए गये अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद की बारामदगी एवं उग्रवादियों की गिरफ्तारी हुई है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा आज दी गयी आधिकारिक जानकारी के अनुसार 20 मई को मणिपुर पुलिस ने इंफाल पश्चिम के लामदेंग से उग्रवादी संगठन यूएनएलएफ (पी) के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया। जिनकी पहचान आरामबम टॉमटॉम (29), निवासी हेइबोंगपोकपी मयाई लेइकाई, लामसांग, इंफाल पश्चिम और हेइसनाम थॉमस, निवासी मयांग इंफाल कोकचाई के रूप में की गयी है। इनके पास से एक इंसास एलएमजी, तीन मैगजीन और 14 ज़िंदा कारतूस बरामद किए गए।

इसी दिन मणिपुर पुलिस ने सिंगंगाट पुलिस थाना क्षेत्र, चुराचांदपुर ज़िले में राष्ट्रीय राजमार्ग-102इबी के किनारे सिंगंगाट से दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिनमें एक म्यांमार का नागरिक भी शामिल है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान खुप्सियानखाई वुअलनाम (31), निवासी फाइमुल गांव, म्यांमार और दौखानलाल थांगसिंग (34), निवासी सुआंगदाई गांव, चुराचांदपुर जिले के रूप में की गयी है। इनके पास से एक केनबो बाइक और 55 साबुनदानी जब्त किया गया, जिनमें कथित तौर पर ब्राउन शुगर भरी थी, जिसका वजन लगभग 2.127 किलोग्राम था।

मणिपुर पुलिस ने 20 मई को ही इंफाल पूर्व ज़िले के इरिलबुंग पुलिस थाना चेक गेट पर तलाशी और जामच अभियान के दौरान दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। जिनकी पहचान याम्बेम सुधीर सिंह उर्फ सदानंद (20), निवासी लौरेम्बम मामंग लेइकाई, थौबल ज़िला और थोंगम बिशाल सिंह उर्फ अमुजाओ (26), निवासी ताओबुंगखोख मखा लेइकाई, ताओबुंगखोख, इम्फाल पश्चिम जिला के रूप में हुई है। इनके कब्जे से लगभग 3.3 किलोग्राम कच्चा गांजा (संदिग्ध), एक होंडा एक्टिवा (एमएन-06एसएच-7426), एक स्टुनेर एमसी (एमएन-01वाई-6799) और दो मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

इसी दिन सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिलांतर्गत मोरेह थाना क्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय सीमा स्तंभ संख्या 72 और 73 के सामान्य क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाते हुए एक एसएलआर राइफल, एक 9 एमएम की पिस्तौल (मैगजीन सहित), चार रेडियो सेट, एक रेडियो सेट चार्जर और चार आईईडी (जिन्हें मौके पर ही नष्ट कर दिया गया) बरामद किया गया।

नलबाड़ी में राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे ढाबों पर पुलिस की कार्रवाई, महिला समेत चार गिरफ्तार

नलबाड़ी (असम)। असम के नलबाड़ी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग के समीप स्थित कई ढाबों और होटलों में कथित अनैतिक गतिविधियों की शिकायतों के बीच पुलिस ने अभियान चलाया। घोगरपार क्षेत्र के एक ढाबे से बीती रात एक महिला समेत चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। जानकारी के अनुसार, नलबाड़ी पुलिस ने जिरनी ढाबा नामक प्रतिष्ठान में छापेमारी की। स्थानीय लोगों की ओर से लंबे समय से ढाबे में अनैतिक गतिविधियां संचालित होने की शिकायत की जा रही थी। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मौजूद चार लोगों को गिरफ्तार किया। इधर, राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित कई अन्य होटलों और ढाबों में भी कथित रूप से अनैतिक गतिविधियां चलने के आरोप सामने आए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है तथा आसपास के अन्य प्रतिष्ठानों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार सेंसेक्स 239.47 अंक उछला

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बीच हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक में तेजी का रूख कायम है। सेंसेक्स में 239 अंक और निफ्टी में 120अंक की तेजी है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज बीएसई का सेंसेक्स 239.47 अंक यानी 0.32 फीसदी की उछाल के साथ 75,557.86 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 23,778.80 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। आज के कारोबार में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और मेटल शेयरों में खरीदारी है। आज रुपया शुरूआती कारोबार में अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरा, 61 पैसे की बढ़त के साथ 96.25 प्रति डॉलर पर है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बुधवार को सेंसेक्स 117.54 अंक यानी 0.16 फीसदी बढ़कर 75,318.39 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 41 अंक यानी 0.17 फीसदी की बढ़त के साथ 23,659 के स्तर पर बंद हुआ था।

दो दिनों की गिरावट के बाद कच्चे तेल का भाव 106 डॉलर प्रति बैरल के पार

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान को लेकर जारी चिंताओं के बीच दो दिनों की गिरावट के बाद कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में गुरुवार को शुरूआती कारोबार में कच्चे तेल का भाव 106 डॉलर के पार पहुंच गई।

वीरवार कारोबार के दौरान अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.52 डॉलर यानी 1.45 फीसदी बढ़कर 106.54 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है, जबकि यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 1.53 डॉलर यानी 1.56 फीसदी की बढ़त के साथ 99.78 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि कच्चे तेल के भाव में ये बदलाव ईरान-अमेरिका युद्ध में संघर्ष-विराम को लेकर बनी आशंकाओं के बीच आया है। अमेरिका में कच्चे तेल की आपूर्ति और इसके भंडार में आई भारी गिरावट ने घटते भंडारों को लेकर नई अनिश्चितता पैदा कर दी है। पश्चिम एशिया संकट से पहले होर्मुज जलडमरूमध्य से वैश्विक तेल और ऊर्जा आपूर्ति का 20 फीसदी से अधिक हिस्सा गुजरता था, जो 28 फरवरी के बाद से लगभग पूरी तरह से ठप पड़ गया है।

विस्तार

तमिलनाडु मंत्रिमंडल में 23 नए मंत्रियों ने ली शपथ

59 वर्ष बाद कांग्रेस को राज्य सरकार में मिला मंत्री पद

एजेंसी (हि.स.)
चेन्नई

फोटोः हि.स.

मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार हो गया। गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल ने 23 नए सदस्यों को मंत्री पद की शपथ दिलाई ली। इनमें टीवीके पार्टी के 21 और सहयोगी दल कांग्रेस के दो सदस्य हैं।इसके साथ ही राज्य में मंत्रियों की कुल संख्या बढ़कर 32 हो गई है।

वीरवार गिंडी स्थित राजभवन परिसर में आयोजित एक समारोह में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अरलेकार ने 23 नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इन नए मंत्रियों में श्रीनाथ, विजयलक्ष्मी, रंजीतकुमार, विजय तमिझन पार्थिबन, कुमार, विनोद, राजीव, राजकुमार, रमेश, थेन्नारसु, कमली, कांतिराज, मदन राजा, जगदीस्वरी, राजेश कुमार, विजय बालाजी, लोकेश तमिझसेल्वन, विश्वनाथन, संपत कुमार, शरतकुमार, मारिया विल्सन, विग्नेश और मोहम्मद परवेज शामिल हैं। राज्यपाल ने सबसे पहले तूतीकोरिन विधायक और मुख्यमंत्री विजय के करीबी मित्र श्रीनाथ को मंत्री पद की शपथ दिलाई। इसके बाद कमली, विजयलक्ष्मी, विनोद, राजीव, रंजीतकुमार और विजय बालाजी सहित अन्य विधायकों ने मंत्री पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इनमें राजेश कुमार और विश्वनाथन कांग्रेस के विधायक हैं। राज्य में 59 वर्षों बाद कांग्रेस के विधायकों को तमिलनाडु सरकार में मंत्री पद मिला है। विजय के मंत्रिमंडल में अनुसूचित जाति के साथ सदस्यों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। मंत्रिमंडल में सात महिलाओं को भी शामिल किया गया है। इनमें कीर्तना, कमली, जगदीस्वरी और विजयलक्ष्मी शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि राज्य विधानसभा चुनाव में पहली बार लड़ने वाली तमिलगा वेत्रि कड़गम (टीवीके) 108 सीटें जीतकर सबसे पार्टी बनी थी। इसके बाद टीवीके के नेता जोजेफ विजय ने कांग्रेस, वाम दलों, वीसीके और आईयूएमएल सहित सहयोगी दलों के समर्थन से सरकार बनाई थी। जोसेफ सी. विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में 10 मई को शपथ ली थी, उनके साथ 9 मंत्रियों ने भी पदभार संभाला था। अब विजय केमंत्रिमंडल में सदस्यों की संख्या 32 हो गई है। टीवीके पार्टी के सहयोगी दल आईयूएमएल और वीसीके के सदस्यों को फिलहाल मंत्रिमंडल मेंशामिल नहीं किया गया है। दोनों दलों के पास दो-दो विधायक हैं। माना जा रहा है कि इन दोनों सहयोगी दलों के सदस्यों को अगले विस्तार में शामिल किया जा सकता है।

यूरोपियन फुटबॉल में एस्टन विला 30 साल बाद बना यूरोपा लीग चैंपियन

एस्टन विला ने जर्मनी के फ्रीबर्ग को 3-0 से हराकर जीता खिताब

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

यूरोपियन फुटबॉल में एस्टन विला ने 30 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए 2025-26 यूरोपा लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। बुधवार रात खेले गए फाइनल मुकाबले में एस्टन विला ने जर्मनी के फ्रीबर्ग को एकतरफा अंदाज में 3-0 से हराया। तुर्की के तुप्रास स्टेडियम में खेले गए फाइनल में एस्टन विला ने शुरूआत से ही मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। टीम ने लगातार गेंद पर कब्जा रखते हुए फ्रीबर्ग की मजबूत डिफेंस पर दबाव बनाया।

फोटोः हि.स.

पहले हाफ में काफी देर तक गोल नहीं हुआ, लेकिन 41वें मिनट में टीम को सफलता मिल गई। शॉर्ट कॉर्नर पर शानदार मूव के बाद मॉर्गन रोजर्स ने बॉक्स में क्रॉस दिया, जिस पर यूरी टिलेमंस ने बेहतरीन वॉली लगाकर गेंद को नेट में पहुंचा दिया और एस्टन विला को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले हाफ के इंजरी टाइम में एमिलियानो बुएंदिया ने शानदार कर्लिंग शॉट लगाकर टीम की बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद एस्टन विला ने मैच पर पूरी पकड़ बना ली।दूसरे हाफ के 58वें मिनट में बुएंदिया ने खतरनाक क्रॉस दिया, जिस पर मॉर्गन रोजर्स ने गोल करते हुए स्कोर 3-0 कर दिया। इसके बाद फ्रीबर्ग वापसी नहीं कर सका और एस्टन विला ने आसानी से मुकाबला जीत लिया। एस्टन विला का यह 1996 के बाद पहला बड़ा खिताब है। इससे पहले टीम ने लीड्स यूनाइटेड को हराकर लीग कप जीता था।

पिछले तीन दशकों में क्लब कई बार करीब पहुंचा, लेकिन ट्रॉफी जीतने में सफल नहीं हो पाया था। कोच उनाई एमरी की अगुवाई में टीम ने इस सीजन शानदार प्रदर्शन किया। लीग चरण में एस्टन विला दूसरे स्थान पर रहा और नॉकआउट चरण में लिली, बोलोनिया और नॉटिंघम फॉरेस्ट को हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में यूरी टिलेमंस, मॉर्गन रोजर्स और एमिलियानो बुएंदिया टीम की जीत के हीरो रहे। वहीं गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने शानदार गोलकीपिंग करते हुए क्लीन शीट दर्ज की।

आईपीएल 2026 : कार्तिक त्यागी पर्पल कैप की दौड़ में पांचवें स्थान पर पहुंचे

- भुवनेश्वर कुमार शीर्ष पर कायम

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और मुंबई इंडियंस (एमआई) जैसी बड़ी टीमों के लिए इस सीजन कोई बल्लेबाज या गेंदबाज लगातार सुर्खियों में नहीं रहा, लेकिन अब केकेआर के तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी ने शानदार प्रदर्शन से पर्पल कैप की रेस में बड़ी छलांग लगा दी है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में कार्तिक त्यागी ने 2 विकेट लेकर पर्पल कैप तालिका में पांचवां स्थान हासिल कर लिया। उन्होंने तिलक वर्मा का अहम विकेट लिया, जबकि पारी की आखिरी गेंद पर दीपक चाहर को आउट कर सीजन में अपने विकेटों की संख्या 18 तक पहुंचा दी।

सीजन की शुरूआत में कार्तिक त्यागी का प्रदर्शन शांत रहा था, लेकिन अब वह केकेआर के लिए लगातार मैच जिताऊ गेंदबाजी कर रहे हैं। कोलकाता ने पिछले सात मुकाबलों में छह जीत दर्ज कर प्लेऑफ की उम्मीदें मजबूत की हैं। पर्पल कैप की सूची में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के भुवनेश्वर कुमार 24 विकेट के साथ पहले स्थान पर बने हुए हैं। गुजरात टाइटंस (जीटी) के कागिसो रबाडा 21 विकेट लेकर दूसरे स्थान पर हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अंशुल कंबोज 20 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के जोफ्रा आर्चर और कार्तिक त्यागी दोनों के 18-18 विकेट हैं। हालांकि बेहतर इकॉनमी रेट (9.14) के कारण आर्चर चौथे और त्यागी पांचवें स्थान पर हैं। त्यागी की इकॉनमी 9.42 रही है। वहीं, केकेआर के अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन ने मुंबई के खिलाफ 1 विकेट लेकर सिर्फ 13 रन दिए। उनके नाम इस सीजन 14 विकेट हैं, लेकिन 6.40 की इकॉनमी के साथ वह इस सीजन के सबसे किफायती गेंदबाज बने हुए हैं।

ऑरेंज कैप की दौड़ में बुधवार को कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ। केकेआर के अंगकृष रघुवंशी फील्डिंग के दौरान चोटिल होने के कारण बल्लेबाजी नहीं कर सके, जबकि मुंबई इंडियंस के रयान रिकेल्टन केवल 6 रन ही बना पाए। राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी 579 रन के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के मिचेल मार्श 563 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिख क्लासेन 555 रन लेकर तीसरे स्थान पर हैं, जबकि गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज बी साई सुदर्शन (554) और शुभमन गिल (552) क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर मौजूद हैं।

केकेआर से मिली हार के बाद हार्दिक पंड्या बोले - 'अगर मैं या तिलक थोड़ी देर और टिकते तो मैच जीत सकते थे'

एजेंसी (हि.स.)

कोलकाता

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हार के बाद माना कि उनकी टीम लगभग 20 रन कम बना सकी। हार्दिक का मानना है कि अगर वह या तिलक वर्मा में से कोई एक बल्लेबाज थोड़ी देर और क्रीज पर टिक जाता, तो मुंबई के पास मुकाबला जीतने का अच्छा मौका होता। मुंबई इंडियंस की टीम पावरप्ले में ही 46 रन पर 4 विकेट गंवा चुकी थी। पूरी पारी में टीम की आठ साझेदारियों में से छह 20 रन से कम की रहीं। मुंबई ने 147 रन बनाए, जिसे केकेआर ने सात गेंद शेष रहते हासिल कर लिया।

मैच के बाद हार्दिक पंड्या ने कहा, हम लगभग 20 रन पीछे रह गए। पावरप्ले में हमने काफी विकेट गंवा दिए थे। अगर तिलक वर्मा या मैं थोड़ा और समय तक बल्लेबाजी करते और एक-दो अच्छी साझेदारियां हो जातीं, तो अतिरिक्त 15-20 रन मिल सकते थे। तब हमारे पास मुकाबला जीतने का अच्छा मौका होता। हार्दिक और तिलक दोनों ही मध्य ओवरों में धीमी बल्लेबाजी करते नजर आए। हार्दिक ने 27 गेंदों में 26 रन बनाए, जबकि तिलक वर्मा ने 32 गेंदों पर 20 रन की पारी खेली। आईपीएल इतिहास में यह उन पारियों में सबसे खराब स्ट्राइक रेट में से एक रहा, जब नंबर 5 और 6 के बल्लेबाजों ने कम से कम 20-20 गेंदें खेली हों। कोलकाता की पिच को लेकर हार्दिक ने कहा कि उन्हें ऐसी विकेट पर खेलना पसंद है, जहां गेंदबाजों को भी मदद मिले। उन्होंने कहा, मुझे ऐसी विकेट पर खेलने में कोई दिक्कत नहीं है, जहां गेंदबाजों को कुछ मदद मिलती हो। आईपीएल अब काफी बल्लेबाजों के अनुकूल हो गया है और गेंदबाज खुद को असहाय महसूस करते हैं। आज की विकेट पर गेंदबाजों को मदद मिली, जिससे बल्लेबाजों को भी अच्छी क्रिकेट खेलकर रन बनाने पड़े। मुझे ऐसी चुनौती पसंद है।

हालांकि कम स्कोर के बावजूद मुंबई की टीम मैच में वापसी कर सकती थी। केकेआर का स्कोर नौ ओवर में 73 रन पर 3 विकेट था, लेकिन इसके बाद मुंबई ने दो आसान कैच छोड़ दिए। इसका फायदा उठाते हुए रोवमैन पॉवेल और मनीष पांडेय ने 64 रन की मैच जिताऊ साझेदारी कर दी। फील्डिंग की गलतियों पर हार्दिक ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, मुझे नहीं पता कि फील्डिंग में क्या गलत हो रहा है। पूरे सीजन में हमारी फील्डिंग काफी खराब रही है। हमने बहुत कैच छोड़े हैं। अगर आप मैच जीतना चाहते हैं तो हर मौका पकड़ना जरूरी होता है, यहां तक कि आधे मौके भी। लेकिन जब आप ऐसे कैच छोड़ते हैं जो मैच बदल सकते हैं, तब आप हमेशा मुकाबले में पीछे रह जाते हैं।

मैदान पर गुस्सा दिखाना हार्दिक पांड्या को पड़ा भारी, बीसीसीआई ने ठोका जुमार्ना

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के आरोप में बीसीसीआई ने हार्दिक पर मैच फीस का दस प्रतिशत जुमार्ना लगाया है। इसके साथ ही अनुशासनहीनता के चलते उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ दिया गया है। यह घटना कोलकाता के खिलाफ मैच की दूसरी पारी के दसवें ओवर में घटी। ओवर की चौथी गेंद के बाद जब हार्दिक पांड्या अपने रन-अप की ओर लौट रहे थे, तब उन्होंने गुस्से में आकर विकेट की गिल्लियां जोर से गिरा दीं। मैच रेफरी राजीव सेठ ने इसे आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद दो दशमलव दो का उल्लंघन माना, जो खेल उपकरणों के दुरुपयोग से संबंधित है। हार्दिक पांड्या ने मैच के बाद अपनी गलती स्वीकार कर ली है और सजा को मान लिया है। नियमों के मुताबिक यदि भविष्य में उनके डिमेरिट अंक चार या उससे अधिक होते हैं, तो उन पर एक मैच का प्रतिबंध लग सकता है। मुंबई इंडियंस के लिए यह सीजन बेहद निराशाजनक रहा है और टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। इस मैच में भी मुंबई की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 147 रन बना सकी, जिसे कोलकाता ने चार विकेट खोकर आसानी से हासिल कर लिया।

टी20 महिला विश्व कप के लिए आयरलैंड की टीम घोषित

- गैबी लुईस होंगी कप्तान

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

आयरलैंड महिला क्रिकेट टीम ने जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले महिला टी20 विश्व कप के लिए गुरुवार को अपनी टीम की घोषणा कर दी है। स्टार बल्लेबाज गैबी लुईस को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। यह पहला मौका होगा जब वह किसी वैश्विक टूर्नामेंट में आयरलैंड की कप्तानी करेंगी। हालांकि गैबी लुईस हाल ही में लगी पैर की चोट से उबर रही हैं, जिसके कारण उन्हें पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टी20 त्रिकोणीय सीरीज से आराम दिया गया है। यह सीरीज क्लॉनटार्फ में खेली जाएगी।

फोटोः हि.स.

गैबी की अनुपस्थिति में ऑर्ला प्रेंडरगास्ट त्रिकोणीय सीरीज में टीम की कप्तानी करेंगी। विश्व कप के लिए उन्हें उपकप्तान भी बनाया गया है। टीम संयोजन की बात करें तो तेज गेंदबाज जेन मैग्वायर चोट के कारण चयन से बाहर हो गई हैं। वहीं उनकी बहन और बाएं हाथ की स्पिनर एमी मैग्वायर चोट से वापसी करते हुए दोनों टीमों में शामिल की गई हैं। विश्व कप के लिए आयरलैंड को इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, स्कॉटलैंड, श्रीलंका और वेस्टइंडीज के साथ ग्रुप में रखा गया है। आयरलैंड अपनी विश्व कप अभियान की शुरूआत स्कॉटलैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में करेगा। टी20 प्रारूप में आयरलैंड की रैंकिंग नौवीं है। गैबी लुईस टीम की सबसे अहम बल्लेबाज मानी जा रही हैं। वह आईसीसी महिला टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में संयुक्त रूप से 14वें स्थान पर हैं। नेपाल में आयोजित टी20 विश्व कप क्वालीफायर में उन्होंने सात पारियों में 276 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाए थे। ऑर्ला प्रेंडरगास्ट महिला टी20 ऑलराउंडर रैंकिंग में सातवें स्थान पर हैं, जबकि एमी हंटर बल्लेबाजी रैंकिंग में 29वें स्थान पर मौजूद हैं।

महिला टी20 विश्व कप के लिए आयरलैंड टीम

गैबी लुईस (कप्तान), ऑर्ला प्रेंडरगास्ट (उपकप्तान), एवा कैनिंग, क्रिस्टिना कूल्टर रीली, अलाना डैलजेल, लॉरा डेलानी, जॉर्जिना डेम्पसी, एमी हंटर, आर्लीन केली, लुईस लिटिल, एमी मैग्वायर, लारा मैकब्राइड, कारा मरे, लिया पॉल और रेबेका स्टोकल।

पाक और वेस्टइंडीज के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के लिए आयरलैंड टीम

ऑर्ला प्रेंडरगास्ट (कप्तान), एवा कैनिंग, क्रिस्टिना कूल्टर रीली, अलाना डैलजेल, लॉरा डेलानी, जॉर्जिना डेम्पसी, एमी हंटर, आर्लीन केली, लुईस लिटिल, एमी मैग्वायर, लारा मैकब्राइड, कारा मरे, लिया पॉल और रेबेका स्टोकल।

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस हमारी पृथ्वी, हमारा भविष्य

पृथ्वी केवल मनुष्यों की जागीर नहीं है। यह लाखों प्रजातियों–सूक्ष्म जीवाणुओं से लेकर विशालकाय व्हेल, और नन्हे पौधों से लेकर गगनचुंबी वृक्षों–का एक साझा घर है। प्रकृति के इसी ताने-बाने को हम जैव विविधता कहते हैं। हर साल 22 मई को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस हमें इसी ताने-बाने की याद दिलाता है। यह दिन केवल रस्म अदायगी का नहीं है, बल्कि यह एक चेतावनी है कि यदि हमने प्रकृति के इस अनमोल खजाने को नहीं संभाला, तो खुद हमारा अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा।

क्या है जैव विविधता

सरल शब्दों में कहें तो जैव विविधता का अर्थ है जीवन की विविधता। इसमें पृथ्वी पर पाए जाने वाले सभी जीव-जंतु, पेड़-पौधे, उनके जीन और उनके पारिस्थितिक तंत्र शामिल हैं। यह विविधता केवल देखने में सुंदर नहीं लगती, बल्कि यह हमारे जीवित रहने की प्राथमिक शर्त है। प्रकृति में हर जीव की एक निश्चित भूमिका है। यदि मधुमक्खियां न हों, तो परागण की प्रक्रिया रुक जाएगी, जिससे दुनिया की एक-तिहाई फसलें गायब हो सकती हैं। इसके अलावा, हमारी अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य भी पूरी तरह इसी पर टिके हैं। कृषि, फार्मास्युटिकल, कपड़ा और पर्यटन जैसे वैश्विक उद्योग सीधे तौर पर प्रकृति पर निर्भर हैं। दुनिया की आधी से अधिक जीडीपी मध्यम या उच्च रूप से प्रकृति से मिलने वाले संसाधनों पर टिकी है। आज हम जिन आधुनिक दवाओं का उपयोग करते हैं, उनमें से अधिकांश प्राकृतिक स्रोतों या पौधों से प्रेरित हैं। साथ ही, हमारे जंगल और महासागर कार्बन डाइऑक्साइड को सोखकर वैश्विक तापमान को नियंत्रित रखते हैं, जिससे धरती का मौसम संतुलित रहता है।

2026 की थीम और इसका महत्व

हर साल यह दिवस एक विशेष संकल्प के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष का विषय वैश्विक समुदायों को यह याद दिलाता है कि केवल नीतियां बनाना और बड़े-बड़े मंचों पर भाषण देना काफी नहीं है, बल्कि अब समय वास्तविक और त्वरित कार्रवाई का है। जैव विविधता के नुकसान को रोकने के लिए पिछले कुछ वर्षों में जो ऐतिहासिक वैश्विक समझौते हुए हैं, उन्हें जमीनी स्तर पर लागू करना इस वर्ष का मुख्य एजेंडा है। प्रकृति के साथ यह समझौता केवल कागजों पर नहीं, बल्कि हमारे रोजमर्रा के व्यवहार में दिखना चाहिए।

जैव विविधता पर मंडराते बड़े खतरे

वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी इस समय छठे सामूहिक विनाश के दौर से गुजर रही है, और दुखद बात यह है कि इतिहास में पहली बार इस विनाश का कारण कोई उल्कापिंड या प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि खुद इंसान की गतिविधियां हैं। पहला सबसे बड़ा खतरा आवासों का विनाश है। शहरीकरण, औद्योगिकरण और खेती के विस्तार के लिए जंगलों को बेरहमी से काटा जा रहा है। जब वन्य जीवों के घर छिन जाते हैं, तो वे मानव बस्तियों की ओर रुख करते हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। दूसरा कारण जलवायु परिवर्तन है। बदलते मौसम के चक्र, असमय बारिश, भीषण सूखा और पिघलते ग्लेशियरों के कारण कई प्रजातियां खुद को नए माहौल में ढाल नहीं पा रही हैं और असमय विलुप्त हो रही हैं। इसके साथ ही, प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन भी एक गंभीर समस्या है। जंगलों से लकड़ी की अवैध कटाई, वन्यजीवों का शिकार और समुद्रों में अत्यधिक मछली पकड़ने के कारण प्रकृति का संतुलन बिगड़ चुका है। प्रदूषण, विशेषकर प्लास्टिक प्रदूषण, रासायनिक खादों का अंधाधुंध उपयोग और औद्योगिक कचरे ने हमारी नदियों, समुद्रों और मिट्टी को जहरीला बना दिया है। अंत में, आक्रामक विदेशी प्रजातियां भी स्थानीय इकोसिस्टम को भारी नुकसान पहुंचा रही हैं, जो अनजाने में किसी नए क्षेत्र में आकर वहां की मूल वनस्पतियों और जीवों को नष्ट कर देती हैं।

वर्तमान चुनौतियां

भारत दुनिया के उन चुनिंदा मेगा-डायवर्स देशों में शामिल है, जिनके पास दुनिया की कुल जैव विविधता का लगभग सात से आठ प्रतिशत हिस्सा है, जबकि हमारे पास वैश्विक भूभाग केवल दो दशमलव चार प्रतिशत ही है। हमारे पास पश्चिमी घाट, पूर्वी हिमालय, भारत- बर्मा क्षेत्र और सुंडालैंड जैसे चार वैश्विक जैव विविधता हॉटस्पॉट हैं, जो दुर्लभ जीवों का घर हैं। भारतीय संस्कृति का इतिहास गवाह है कि हम प्रकृति के शोषक नहीं, बल्कि पूजक रहे हैं। हमारे यहां पीपल, बरगद और तुलसी की पूजा की जाती है, नदियों को मां माना जाता है, और वन्य जीवों को देवी-देवताओं के साथ जोड़कर आदर दिया जाता है। बिश्नोई समाज जैसी मिसालें दुनिया में कहीं नहीं मिलतीं, जिन्होंने पेड़ों और जीवों को बचाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। हालांकि, आज विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाना एक बड़ी चुनौती है। हिमालयी क्षेत्रों में अनियोजित निर्माण और तटीय क्षेत्रों में बढ़ते प्रदूषण के बावजूद, प्रोजेक्ट टाइगर और अन्य संरक्षण नीतियों ने भारत का नाम वैश्विक पटल पर ऊंचा रखा है।

समाधान और व्यक्तिगत प्रयास

जैव विविधता का संरक्षण केवल सरकारों या अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक का मौलिक कर्तव्य है। सरकारी स्तर पर कड़े कानूनों का निर्माण और उनका ईमानदारी से पालन होना जरूरी है, साथ ही संरक्षित क्षेत्रों का दायरा बढ़ाया जाना चाहिए। सामुदायिक स्तर पर पारंपरिक ज्ञान और स्वदेशी समुदायों के अधिकारों की रक्षा करना आवश्यक है क्योंकि वे प्रकृति के सबसे सच्चे रक्षक हैं।

व्यक्तिगत स्तर पर भी हम बड़े बदलाव ला सकते हैं। हमें अपने जीवन में एकल-उपयोग प्लास्टिक का पूरी तरह बहिष्कार करना होगा। अपने आस-पास के वातावरण में विदेशी सजावटी पौधों के बजाय स्थानीय और स्वदेशी पौधे लगाने चाहिए, जो स्थानीय पक्षियों और कीटों को आश्रय दे सकें। इसके अलावा, पानी और बिजली की बचत करके हम अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम कर सकते हैं, जिससे अप्रत्यक्ष रूप से प्रकृति को बड़ी राहत मिलती है।

काली पोशाक, गहरा संगीत और अनूठा दर्शन विश्व गोथ दिवस पर एक विशेष सांस्कृतिक यात्रा

मुख्यधारा की चमकीली और शोर-शराबे से भरी दुनिया के समानांतर एक ऐसी दुनिया भी है, जो अंधेरे में सुंदरता ढूंढती है, जो उदासी को संगीत में ढालती है और जो काली पोशाकों के जरिए अपनी स्वतंत्रता की घोषणा करती है। इस अनूठी दुनिया को हम 'गोथ उपसंस्कृति' के नाम से जानते हैं। हर साल 22 मई को दुनिया भर में 'विश्व गोथ दिवस' मनाया जाता है। यह दिन इस उपसंस्कृति से जुड़े लोगों के लिए अपनी पहचान का जश्न मनाने का अवसर है, साथ ही यह आम दुनिया के लिए उस रूढ़िवादिता को तोड़ने का दिन है जो इस रहस्यमयी संस्कृति को गलत नजरिए से देखती है।

विश्व गोथ दिवस की शुरूआत और इसका इतिहास

इस खास दिन को मनाने की शुरूआत साल 2009 में यूनाइटेड किंगडम (यूके) से हुई थी। ब्रिटिश संगीत जगत में बीबीसी रेडियो 1 की एक विशेष संगीत प्रस्तुति के दौरान गोथ संगीत की चर्चा हुई, जिसने इस उपसंस्कृति के प्रेमियों को एकजुट होने की प्रेरणा दी। इसके बाद गोथ समुदाय के लोगों ने तय किया कि हर साल 22 मई को इस संस्कृति के संगीत, कला, पहनावे और जीवनशैली को समर्पित किया जाएगा। तब से लेकर आज तक यह दिन एक वैश्विक उत्सव बन चुका है, जिसमें दुनिया भर के गोथ्स अपनी अनूठी कलात्मकता का प्रदर्शन करते हैं। इस संस्कृति की जड़ें इतिहास में काफी गहरी हैं। 'गोथ' शब्द का मूल संबंध प्राचीन यूरोप की 'गोथ जनजाति' से था, जिसने रोमन साम्राज्य के पतन में भूमिका निभाई थी। बाद में मध्यकाल में स्थापत्य कला यानी आर्किटेक्चर के क्षेत्र में 'गोथिक शैली' आई, जिसमें ऊंचे चर्च, नुकीले मेहराब और रहस्यमयी नक्काशी शामिल थी। इसके बाद 18वीं और 19वीं सदी में साहित्य की दुनिया में 'गोथिक उपन्यास' लिखे गए, जिनमें भूतिया महल, रहस्य, उदासी, रोमांस और मृत्यु के बाद के जीवन की बातें होती थीं। मैरी शेली का 'फ्रेंकेस्टाइन' और ब्रैम स्टोकर का 'ड्रैकुला' इसके बेहतरीन उदाहरण हैं।

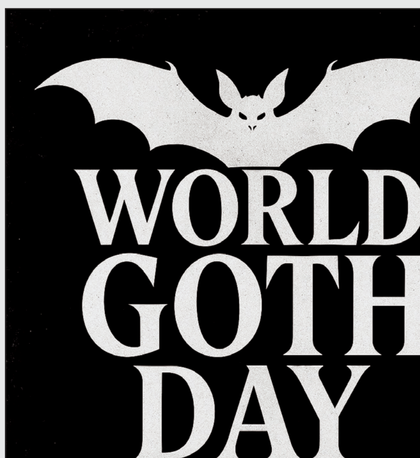

संगीत और पहनावाः गोथ संस्कृति की आत्मा

आधुनिक गोथ उपसंस्कृति का जन्म वास्तव में 1970 के दशक के उत्तरार्ध में ब्रिटेन में हुआ। यह समय पोस्ट-पंक संगीत क्रांति का था। 'बाउहौस', 'द क्योर' और 'सूक्सी एंड द बंशीज' जैसे संगीत बैंड्स ने एक नए तरह का संगीत तैयार किया, जो धीमा था, जिसमें गिटार की आवाज गहरी थी और जिसके गीत जीवन के अंधेरे पहलुओं, अकेलेपन और दर्शन से जुड़े थे। इस संगीत ने युवाओं के एक बड़े वर्ग को आकर्षित किया, जो खुद को मुख्यधारा के दिखावे वाले समाज से अलग महसूस करते थे। संगीत के साथ-साथ इस संस्कृति की सबसे बड़ी पहचान इसका अनूठा पहनावा है। गोथ संस्कृति में काले रंग को सबसे अधिक प्राथमिकता दी जाती है। काली लंबी पोशाकें, चमड़े के जैकेट, मखमली कपड़े, जालीदार दस्ताने और भारी बूट्स इस शैली का मुख्य हिस्सा हैं। इसके साथ ही गहरा काला आईलाइनर, काली या गहरे रंग की लिपस्टिक, सफेद पाउडर से फीका किया गया चेहरा और चांदी के प्राचीन गहने (जिनमें अक्सर क्रॉस या प्राचीन मिस्र के प्रतीक होते हैं) इस लुक को पूरा करते हैं। यह पहनावा केवल फैशन नहीं है, बल्कि समाज की तयशुदा 'खूबसूरती' की परिभाषा को एक मूक चुनौती है।

रूढ़िवादिता बनाम सच्चाईः गोथ संस्कृति का दर्शन

मुख्यधारा का समाज अक्सर उन चीजों से डरता है या उन्हें गलत समझता है जो आम ढर्रे से अलग होती हैं। गोथ उपसंस्कृति के साथ भी ऐसा ही हुआ है। चूंकि वे काले कपड़े पहनते हैं और मृत्यु या अंधेरे जैसे विषयों पर बात करते हैं, इसलिए रूढ़िवादी लोग उन्हें नकारात्मक, डरावना या समाज विरोधी मान लेते हैं। कुछ लोग अज्ञानतावश उन्हें जादू-टोने या नकारात्मक शक्तियों से भी जोड़ देते हैं, जो कि पूरी तरह से भ्रामक और गलत है। सच्चाई इसके बिल्कुल विपरीत है। गोथ संस्कृति मूल रूप से एक शांतिप्रिय, कलात्मक और बेहद संवेदनशील संस्कृति है। इस संस्कृति का मूल दर्शन यह है कि जीवन में केवल रोशनी, खुशी और सकारात्मकता ही नहीं होती; दुख, अवसाद, अकेलापन और मृत्यु भी जीवन के उतने ही कड़वे और सच हिस्से हैं। गोथ समुदाय इन भावनाओं से भागने के बजाय इन्हें स्वीकार करता है और कला, कविता व संगीत के माध्यम से इनकी सुंदरता को अभिव्यक्त करता है। यह संस्कृति हर व्यक्ति को उसकी मौलिकता के साथ स्वीकार करती है, चाहे वह कितना भी अलग क्यों न हो।

वैश्विक परिदृश्य और भारत में इसकी स्वीकार्यता

आज के समय में विश्व गोथ दिवस के मौके पर दुनिया के बड़े शहरों जैसे लंदन, बर्लिन, टोक्यो और न्यूयॉर्क में विशेष संगीत समारोह, कला प्रदर्शनियां और फैशन शो आयोजित किए जाते हैं। जर्मनी के लीपज़िग शहर में हर साल होने वाला 'वेव-गॉथिक-ट्रेफेन' दुनिया का सबसे बड़ा गोथ फेस्टिवल है, जहां हजारों लोग इस संस्कृति का हिस्सा बनने पहुंचते हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस दौर ने दुनिया भर के बिखरे हुए गोथ समुदाय को एक मजबूत वैश्विक परिवार में बदल दिया है। यदि भारत के संदर्भ में बात करें, तो यहां भी युवाओं के बीच इस उपसंस्कृति को लेकर समझ और आकर्षण तेजी से बढ़ रहा है। भारतीय युवा, जो संगीत की विभिन्न विधाओं और वैश्विक फैशन से जुड़े हैं, वे गोथ शैली को अपना रहे हैं। हालांकि भारत में पारंपरिक रूप से काले रंग को शुभ कार्यों से दूर रखा जाता है, लेकिन नई पीढ़ी इसे एक मजबूत अभिव्यक्ति और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के रूप में देख रही है। भारत के महानगरों में अब गोथ संगीत और इसके सौंदर्यशास्त्र को सराहने वाले क्लब और कलात्मक समूह सक्रिय हो रहे हैं।

सीईओ चंडीगढ़ ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारियों की समीक्षा की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 14 मई 2026 को चंडीगढ़ में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के तृतीय चरण का कार्यक्रम घोषित किए जाने के उपरांत, 21 मई 2026 को मुख्य निर्वाचन अधिकारी, यू.टी. चंडीगढ़, सुश्री प्रेरणा पुरी, आईएएस की अध्यक्षता में तैयारियों एवं समन्वय की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक के प्रारंभ में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एसआईआर कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, राजनीतिक दलों के साथ बैठकें आयोजित की जाएं तथा सभी संबंधित हितधारकों के साथ समन्वय बनाए रखा जाए।

इसके उपरांत मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में अधिकारियों की भूमिकाओं एवं जिम्मेदारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी को 14 जुलाई 2026 तक मतदान केंद्रों के युक्तिकरण की प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी को राजनीतिक दलों एवं बूथ लेवल एजेंट्स के साथ बैठकें आयोजित करने, दावों एवं आपत्तियों की निगरानी करने तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु फील्ड स्टाफ की निगरानी करने के निर्देश दिए गए। सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए प्रपत्र 6, 7 एवं 8 का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्हें यह भी निर्देशित किया गया कि घोषणा प्रपत्रों के साथ प्रपत्र 6 एवं 8 की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, क्योंकि बूथ लेवल अधिकारियों को गणना चरण के दौरान कम से कम 30 रिक्त प्रपत्र 6 एवं 8 तथा घोषणा प्रपत्र साथ रखने होंगे, ताकि नए मतदाता के रूप में नामांकन कराने अथवा राज्य के बाहर से स्थानांतरित होकर आए व्यक्तियों को उपलब्ध करवाए जा सकें।

मीडिया एवं सोशल मीडिया के नोडल अधिकारी को निर्देश दिए गए कि एसआईआर के विभिन्न चरणों की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से व्यापक रूप से प्रसारित की जाए तथा फेक न्यूज का समय पर सही जानकारी उपलब्ध करवाकर प्रभावी खंडन सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर नियमित रूप से मतदाता जागरूकता संबंधी सामग्री प्रसारित करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही, विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान सहायता हेतु स्वयंसेवकों की पहचान भी की गई है।

नोडल अधिकारी, कम्प्यूटरीकरण को निर्देश दिए गए कि एसआईआर के दौरान तकनीकी सहायता प्रदान करने हेतु 24७7 आईटी हेल्प डेस्क स्थापित किया जाए तथा स्टेट कॉन्टैक्ट सेंटर के सुचारू संचालन को सुनिश्चित किया जाए। बैठक के अंत में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि संपर्क केंद्रों के कर्मचारियों को एसआईआर प्रक्रिया एवं कार्यक्रम के संबंध में प्रशिक्षित किया जाए, ताकि वे यू.टी. चंडीगढ़ के नागरिकों को प्रभावी रूप से जागरूक कर सकें। इसके अलावा, चंडीगढ़ प्रशासन के कार्यालयों में आईईसी सामग्री प्रदर्शित करते हुए हेल्प डेस्क स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए। विभिन्न विभागों में स्थापित वोटर अवेयरनेस फोरम्स के नोडल अधिकारियों को भी प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश जारी किए गए।

प्रोजेक्ट सारथी के तहत 800 से अधिक छात्रों ने किया पीजीआई का दौरा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

युवाओं में संवेदनशीलता, सामाजिक जिम्मेदारी और स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पीजीआई ने हिमाचल प्रदेश सरकार के सहयोग से प्रोजेक्ट सारथी के तहत 800 से अधिक स्कूली छात्रों के लिए विशेष शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया। 12, 14, 16 और 18 मई को आयोजित इस पहल में हिमाचल प्रदेश के विभिन्न जिलों के 837 छात्र और 71 शिक्षक शामिल हुए। पीजीआई के निदेशक प्रो.विवेक लाल ने कहा कि स्वस्थ राष्ट्र का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि बच्चों को कम उम्र में सहानुभूति, जागरूकता और जिम्मेदारी जैसे मूल्यों से कितना परिचित कराया जाता है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविकताओं को समझने से बच्चों में अनुशासन, टीमवर्क और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट सारथी केवल अस्पताल में मरीजों की सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नई पीढ़ी में सेवा भावना, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सहभागिता विकसित करने का माध्यम भी है। इस पहल के तहत छात्रों को चार चरणों में पीजीआईएमईआर लाया गया। इनमें 12 मई को हमीरपुर, बिलासपुर और ऊना से 221 छात्र व 36 शिक्षक, 14 मई को कांगड़ा और चंबा से 184 छात्र व 9 शिक्षक, 16 मई को कुल्लू, सिरमौर, शिमला, किन्नौर और लाहौल-स्पीति से 234 छात्र व 16 शिक्षक तथा 18 मई को मनाली और सोलन से 198 छात्र व 10 शिक्षक शामिल रहे। पीजीआई के डिप्टी डायरेक्टर (प्रशासन) पंकज राय ने कहा कि इस तरह के भ्रमण छात्रों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाते हैं और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल हिमाचल प्रदेश सरकार और पीजीआईएमईआर की समग्र शिक्षा के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दशार्ती है, जहां शिक्षा केवल कक्षा तक सीमित नहीं बल्कि सामाजिक जागरूकता और मानवीय मूल्यों से भी जुड़ी है।

दौरे के दौरान छात्रों को अंगदान, नेत्रदान और रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। उन्हें अस्पताल की विभिन्न सार्वजनिक सेवा इकाइयों का भ्रमण करवाया गया, जहां उन्होंने डॉक्टरों, नर्सों, प्रशासनिक अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों द्वारा मरीजों की सेवा के लिए किए जा रहे समन्वित प्रयासों को करीब से देखा। कई छात्रों ने इस अनुभव को प्रेरणादायक और जीवन बदलने वाला बताया। शिक्षकों ने भी इस पहल को युवाओं में व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और सामाजिक समझ बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। यह कार्यक्रम एक बार फिर साबित करता है कि वास्तविक शिक्षा किताबों से आगे बढ़कर जीवन के अनुभवों और सामाजिक जिम्मेदारियों से जुड़ती है।

चंडीगढ़ में ऊर्जा दक्षता और सतत परिवहन को बढ़ावा देने के लिए एमओयू हस्ताक्षरित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

यू.टी. चंडीगढ़ के परिवहन क्षेत्र में ऊर्जा संरक्षण, ऊर्जा दक्षता और सतत परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इंजीनियरिंग विभाग, यू.टी. चंडीगढ़ के अंतर्गत ऊर्जा प्रबंधन प्रकोष्ठ/एसडीए तथा परिवहन विभाग, यू.टी. चंडीगढ़ प्रशासन के अंतर्गत चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू पर औपचारिक रूप से निदेशक परिवहन, यू.टी. चंडीगढ़ श्री अविकेश गुप्ता तथा ऊर्जा प्रबंधन प्रकोष्ठ/एसडीए चंडीगढ़ के प्रमुख श्री पवन कुमार शर्मा ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर चंडीगढ़ सिटी बस सर्विसेज सोसायटी के मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री यशजीत गुप्ता भी उपस्थित रहे।

यह सहयोग परिवहन क्षेत्र में ऊर्जा दक्ष एवं कम उत्सर्जन वाली तकनीकों को अपनाने, ईंधन दक्षता बढ़ाने तथा पर्यावरण अनुकूल परिवहन प्रथाओं को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित होगा। इसके अतिरिक्त, यह साझेदारी हरित परिवहन, ऊर्जा दक्षता तथा जिम्मेदार ऊर्जा उपयोग को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान, क्षमता निर्माण कार्यक्रम, प्रशिक्षण सत्र तथा जन-जागरूकता गतिविधियों के आयोजन पर भी कार्य करेगी। यह पहल चंडीगढ़ प्रशासन के वर्ष 2030 तक कार्बन न्यूट्रैलिटी, वर्ष 2047 तक नेट जीरो उत्सर्जन प्राप्त करने तथा स्टेट एनर्जी एफिशिएंसी इंडेक्स में अपनी रैंकिंग बेहतर करने के विजन के अनुरूप है। इस सहयोग के माध्यम से दोनों विभाग परिवहन क्षेत्र में ऊर्जा खपत और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के साथ-साथ चंडीगढ़ में स्वच्छ, सतत और ऊर्जा दक्ष शहरी परिवहन को बढ़ावा देने हेतु संयुक्त रूप से कार्य करेंगे।

मांग में अचानक और तेजी से वृद्धि के बीच ओएमसी हरियाणा में निर्बाध ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित कर रही

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां (ओएमसी) - इंडियनऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल - देश भर में परिचालन और लॉजिस्टिक्स समन्वय जारी रखे हुए हैं ताकि कई क्षेत्रों में ईंधन की मांग में अचानक और तीव्र वृद्धि के बावजूद पेट्रोल (एमएस), डीजल (एचएसडी) और एलपीजी की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। हाल के दिनों में, ओएमसी ने कई राज्यों में मौसमी कृषि गतिविधियों और कटाई कार्यों के कारण पेट्रोलियम उत्पादों की उल्लेखनीय रूप से अधिक खपत देखी है। अन्य आपूर्तिकताओं की तुलना में कम कीमत के कारण खुदरा ग्राहकों के सार्वजनिक क्षेत्र के खुदरा आउटलेट्स की ओर रुख करने और संस्थागत और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के खुदरा ईंधन आउटलेट्स की ओर स्पष्ट रुझान के कारण भी अतिरिक्त मांग का दबाव उत्पन्न हुआ है। सार्वजनिक क्षेत्र की ओएमसी अपने टर्मिनलों, डिपो, पाइपलाइनों, एलपीजी बॉटलिंग संयंत्रों और खुदरा आउटलेट्स के व्यापक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के माध्यम से निर्बाध आपूर्ति बनाए हुए हैं। आपूर्ति दल, परिवहन नेटवर्क, टर्मिनल संचालन और चुनिंदा खुदरा आउटलेट्स बाजारों में निर्बाध उत्पाद आवागमन और समय पर पुनःपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 24७7 कार्यरत हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां निर्बाध ईंधन आपूर्ति के लिए राज्य प्रशासन के साथ घनिष्ठ समन्वय बनाए हुए हैं। तेल उद्योग उपभोक्ताओं को आश्वस्त करना चाहता है कि देशभर में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां स्टॉक की स्थिति की लगातार समीक्षा कर रही हैं और बढ़ी हुई मांग को कुशलतापूर्वक पूरा करने के लिए रसद और वितरण योजना पर घनिष्ठ समन्वय स्थापित कर रही हैं। नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे सामान्य खरीदारी जारी रखें और अनावश्यक रूप से घबराकर खरीदारी करने से बचें।

बाल समागम में बच्चों ने बिखेरी आध्यात्मिक चेतना की रोशनी सतगुरु की शिक्षाओं से संस्कारवान बन रही नई पीढ़ी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सतगुरु द्वारा दिए जा रहे ब्रह्मज्ञान एवं शिक्षाओं के माध्यम से बच्चों में मयार्दा, अनुशासन, शुकराने और मानवता के संस्कार विकसित होते हैं, आज के युग में यदि बच्चे सत्संग एवं सतगुरु की शिक्षाओं से जुड़े रहें, तो यह संसार व देश के लिए अच्छे नागरिक बन पायेंगे, ये उद्गार आज यहां संत निरंकारी सत्संग भवन, सेक्टर-15, में हुए एक भव्य एवं प्रेरणादायी बाल समागम में हजारों की संख्या में उपस्थित बच्चों, महिलाओं, नौजवानों, बुजुर्गों को सम्बोधित करते हुए मनीमाजरा के मुखी श्री अमरजीत सिंह जी ने व्यक्त किए।

इस समागम में हर आयु के बच्चों ने सत्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के पावन संदेशों को गीत, कविता, भाषण, कव्वाली, स्किट एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अत्यंत सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। समागम में बच्चों की प्रतिभा, अनुशासन, मयार्दा एवं आध्यात्मिक भावनाओं ने उपस्थित साध-संगत को भाव-विभोर कर दिया। सिंह ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि ये बच्चे केवल छोटे नहीं बल्कि ह्लसयाने संतह्व हैं, जो अपनी छोटी उम्र में ही सतगुरु की शिक्षाओं को जीवन में उतार रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों में जो अनुशासन, प्रेम एवं विनम्रता दिखाई देती है, वह सत्संग, परिवारों के त्याग और सेवादारों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने अपने प्रवचन में समझाया कि जिस प्रकार नाविक (मल्लाह) की सलाह के बिना गहरे पानी में जाना उचित नहीं होता, उसी प्रकार जीवन में माता-पिता एवं सतगुरु की शिक्षाओं का पालन करना आवश्यक है। बच्चों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि माता-पिता का सम्मान, मयार्दा में रहना, बाहर के खान-पान से बचना, नियमित अरदास एवं सिमरन करना तथा संगत से जुड़े रहना जीवन को सफल बनाता है। सिंह आगे ने कहा कि बच्चों को किसी प्रकार की प्रतिस्पर्धा, ईर्ष्या या दिखावे की भावना में नहीं आना चाहिए। उन्होंने बाबा हरदेव सिंह जी महाराज के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि ह्लपनीर नहीं तो दाल में खुश हूंह्व, अर्थात हर परिस्थिति में संतुष्ट और खुश रहना ही सच्ची भक्ति है। उन्होंने बच्चों को मोबाइल, चमक-दमक एवं भौतिक आकर्षणों से बचते हुए सतगुरु के नाम धन को अपनाने की प्रेरणा दी। इससे पूर्व यहां के मुखी एस.एस.बांगा ने इस अवसर पर उपस्थित सभी बच्चों, उनके माता-पिता व अन्य उपस्थित सज्जनों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर यहां के संयोजक नवनीत पाठक भी उपस्थित थे।

आईटीआई कालका एट बिटना में 17 कोर्सों के लिए जल्द शुरू होंगे दाखिले

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

कालका एट बिटना स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में नए शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया जल्द शुरू होने जा रही है। आईटीआई विभाग द्वारा इस संबंध में आधिकारिक नोटिस जारी कर दिया गया है। विभिन्न इंजीनियरिंग एवं गैर इंजीनियरिंग ट्रेडस में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। आईटीआई कालका के प्रधानाचार्य श्री मनदीप बेनीवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि दाखिले से संबंधित दिशानिर्देश, संस्थानों की सूची तथा सीट मैट्रिक्स की पूरी जानकारी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर शीघ्र उपलब्ध करवा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी, जिसके तहत अभ्यर्थियों को अपने सभी आवश्यक दस्तावेजों की स्कैन कॉपी अपलोड करनी होगी। दाखिले के लिए शैक्षणिक प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र, परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड तथा सक्रिय मोबाइल नंबर अनिवार्य होंगे। अन्य बोर्ड से आने वाले विद्यार्थियों को माइग्रेशन सर्टिफिकेट भी जमा करवाना होगा। उन्होंने बताया कि विभाग के अनुसार यदि किसी विद्यार्थी की पढ़ाई में गैप रहा है, तो उसे गैप ईयर का शपथ पत्र तथा बैंक पासबुक की कॉपी भी आवेदन के साथ प्रस्तुत करनी होगी। विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे सभी आवश्यक दस्तावेज पहले से तैयार रखें, ताकि आवेदन प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। प्रधानाचार्य ने बताया कि आईटीआई कालका एट बिटना में शिक्षार्थियों के रोजगार एवं उद्योगों की मांग अनुसार कुल विभिन्न व्यवसायों की 36 युनिटस में प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध है तथा सीटों का विस्तृत विवरण जल्द ही वेबसाइट पर जारी किया जाएगा।

संक्षिप्त-समाचार

सिटको ने अपने विभिन्न प्रतिष्ठानों पर अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस उत्साहपूर्वक मनाया

चंडीगढ़। सिटको ने 21 मई 2026 को अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस के अवसर पर अपने प्रमुख आतिथ्य प्रतिष्ठानों – माउंटव्यू होटल, शिवालिकव्यू होटल और शेफ लेकव्यू – में विशेष टी फेस्टिवल आयोजित किए। इस अवसर पर चाय प्रेमियों के लिए पारंपरिक, हर्बल और रिफ्रेशिंग चाय की विभिन्न किस्मों के साथ स्वादिष्ट बेकरी एवं स्नैक आइटम परोसे गए। माउंटव्यू होटल में मेहमानों को अदरक चाय, मसाला चाय, असम चाय, दार्जिलिंग चाय, कश्मीरी कहवा, गुड़ वाली चाय, आइस्ड टी सहित कई विशेष चायों का स्वाद लेने का अवसर मिला। 175 रुपये से शुरू होने वाले विशेष टी कॉम्बो के साथ डेनिश पेस्ट्री, क्रोइसां, मफिन, कुकीज, वेज पैटीज, चीज पैटीज, डोनट्स, ब्राउनी, एप्पल पाई, सैंडविच, बटर टोस्ट और पकौड़े जैसे व्यंजन भी परोसे गए। शिवालिकव्यू होटल में इलायची चाय, ऊलॉन्ग टी, कैमोमाइल टी, लेमनग्रास टी, हर्बल टी तथा पीच, पाइनएप्पल और हनीड्यू मिंट फ्लेवर वाली आइस्ड टी सहित विविध चायों की विशेष श्रृंखला प्रस्तुत की गई। 170 रुपये से शुरू होने वाले टी कॉम्बो के साथ कुकीज, मठरी, समोसे, पकौड़े, बटर मसका बन, मफिन, पेस्ट्री, चीज स्ट्रॉ, पालक पफ्स और सैंडविच जैसे स्नैक्स एवं बेकरी आइटम ङ्क्षस्न्ल्ल३१८ रूप से उपलब्ध करवाए गए। शेफ लेकव्यू में आगंतुकों के लिए किफायती विशेष टी कॉम्बो उपलब्ध करवाए गए, जिनमें अदरक चाय, मसाला चाय और गुड़ वाली चाय के साथ समोसा या कटलेट मात्र 50 रुपये (जीएसटी सहित) में परोसा गया। इस अवसर पर सिटको के प्रबंध निदेशक डॉ. सैयद आबिद रशीद शाह, आईएएस ने कहा, चाय लोगों को आपस में जोड़ने का माध्यम है और सिटको अपने मेहमानों के साथ इस विशेष दिवस को अनूठे चाय अनुभवों के माध्यम से मनाकर प्रसन्न है। सिटको के मुख्य महाप्रबंधक श्री नवीन रत्तू, डैनिक्स ने कहा, अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस भारत की समृद्ध चाय संस्कृति का प्रतीक है और सिटको ने अपने प्रतिष्ठानों पर सभी का हार्दिक स्वागत किया। शहरवासियों, पर्यटकों और चाय प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक इस आयोजन में भाग लिया और सिटको के आतिथ्य प्रतिष्ठानों में विशेष रूप से तैयार किए गए चाय अनुभवों का आनंद लिया।

जिला के अनुसूचित जाति बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए सुनहरा अवसरः जिला कल्याण अधिकारी

पंचकूला। हरियाणा सरकार के अनुसूचित जातिया एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के तत्वावधान में केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान मुरथल द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए निःशुल्क आवासीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पीएम अजय योजना के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला कल्याण अधिकारी श्री विशाल ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की अवधि 3 माह होगी। प्रशिक्षण के लिए हरियाणा राज्य के अनुसूचित जाति वर्ग के पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। अभ्यर्थी का न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास तथा आयु 18 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के अंतर्गत सहायक मशीन ऑपरेटर-इंजेक्शन मोल्डिंग, सहायक मशीन ऑपरेटर-एक्सटूजन प्रोसेसिंग, सहायक मशीन ऑपरेटर-प्लास्टिक एक्सट्रूजन व सहायक मशीन ऑपरेटर-ब्लो मोल्डिंग ट्रेडों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन आवश्यक दस्तावेजों जैसे आधार कार्ड, अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र एवं शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र सहित जमा कर सकते हैं। आवेदन ई मेल पर भेजे जा सकते है। अधिक जानकारी हेतु मोबाइल नंबर 7678329863, 7555888612 एवं 9996538494 पर संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने जिला पंचकूला के पात्र अनुसूचित जाति बेरोजगार युवक/युवतियों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपने कौशल का विकास करें एवं रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त करें।

विकास एवं पंचायत मंत्री 25 को करेंगे जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षताः उपायुक्त

पंचकूला। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार 25 मई को दोपहर 12:00 बजे सेक्टर-1 स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि समिति के गैर सरकारी सदस्यों के साथ साथ जिला व पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों पर की गई कार्यवाही की समीक्षा करने के साथ साथ उनके समयबद्ध निपटान के लिए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये जाएँगे। उन्होंने कहा कि जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति का अपना एक महत्व होता है क्योंकि कई महत्वपूर्ण सुझाव इस बैठक के माध्यम से प्राप्त होते है, जिनसे लोकहित कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने में सहायता मिलती है।

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला 26 को करेगा रक्तदान शिविर का आयोजनः जगदीप सिंह लोहान

पंचकूला। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला द्वारा पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के सहयोग से 26 मई 2026 को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक हसला , एचएसएलएसए सेक्टर-14, पंचकूला के परिसर में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जगदीप सिंह लोहान, जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-सदस्य सचिव, हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला ने बताया कि रक्तदान एक नेक कार्य है और किसी व्यक्ति का एक छोटा सा योगदान कीमती इंसानी जान बचाने में मदद कर सकता है। इस शिविर का आयोजन आम जनता के बीच स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने और इस मानवीय कार्य के लिए अधिकतम जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। जगदीप सिंह लोहान ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, अधिवक्ताओं, कानून के छात्रों, सामाजिक संगठनों और आम जनता के सदस्यों से अपील की कि वे इस शिविर में सक्रिय रूप से भाग लें और इस नेक पहल में अपना योगदान दें। उन्होंने सभी से यह भी अनुरोध किया कि वे इस संदेश को अपने परिवार के सदस्यों, दोस्तों और सामाजिक समूहों के साथ साझा करें ताकि अधिक से अधिक लोग रक्तदान करने के लिए आगे आ सकें।

एक्शन | उपायुक्त ने गांव बुढनपुर में पेयजल समस्या पर लिया संज्ञान

एचएसवीपी के कार्यकारी अभियंता को पेयजल मामलें की जल्द रिपोर्ट देने के दिए निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर में आज गांव बुढ़नपुर निवासियों द्वारा ट्यूब्वैल की बोरिंग होने के बाद भी ट्यूब्वैल शुरू न करने को लेकर व पेयजल समस्या पर लिया कड़ा संज्ञान, एचएसवीपी के कार्यकारी अभियंता को मामले में जल्द से जल्द जवाब देने के निर्देश दिए। उपायुक्त लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर में आज जिलावासियों की समस्याएं सुन रहे थे। उपायुक्त ने समाधान शिविर में जिलावासियों की 8 समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर बिना विलंब किए समाधान करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने इससे पूर्व वर्ष 2025 व वर्ष 2026 की लंबित और रिओपन शिकायतें की भी समीक्षा की। नगराधीश जागृति ने सभी विभागों की एक-एक करके प्रगति रिपोर्ट उपायुक्त को बताई। उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने लंबित व रिओपन शिकायतें का काफी संख्या में निदान किया हैं। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि अगली बैठक में सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करें। उपायुक्त ने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार जिले में समाधान शिविर का आयोजन लगातार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अलग अलग कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़े और उनकी समस्याओं का समाधान एक ही जगह पर हो सके। इसी उद्देश्य के साथ प्रत्येक सोमवार व वीरवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन किया जाता है, जिसमें सभी विभागों के संबंधित अधिकारी एक ही स्थान पर उपस्थित रहकर लोगों की समस्याएं सुनते है और उनका समाधान करते है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री स्वयं भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान शिविर में जुड़ कर लोगों से फीडबैक लेते है। उपायुक्त ने अधिकारियों को समाधान शिविर में आने वाली सभी समस्याओं का बिना विलंब के जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगराधीश जागृति, डीडीपीओ विशाल पराशर, एमिनेंट पर्सन कमलदीप राणा, नीरज चौधरी, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, विकास एवं पंचायत, आबकारी व कराधान, मत्स्य, वन, महिला बाल विकास, समाज कल्याण, नगर निगम, पुलिस सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

महिलाओं को स्वरोजगार हेतु मिलेगा 1.50 लाख रुपये तक का ऋणः सतपाल शर्मा

पंचकूला। हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा महिलाओं को स्वरोजगार के माध्यम से स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से व्यक्तिगत ऋण योजना लागू की गई है। इसके अंतर्गत वर्ष 2026-27 के लिए जिले में कुल 60 मामलों का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें 20 अन्य श्रेणी और 40 अनुसूचित जाति के मामले शामिल हैं। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि इस योजना के लिए महिलाएं पात्र होंगी जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से अधिक न हो और जिनके परिवार का कोई सदस्य आयकरदाता न हो। पात्र महिलाएं अधिकतम 1.50 लाख रुपये तक का ऋण आवेदन कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि निगम द्वारा 25 प्रतिशत अनुदान राशि प्रदान की जाती है, जो अधिकतम 10,000 रुपये (अन्य श्रेणी) और 25,000 रुपये (अनुसूचित जाति) तक हो सकती है। इसके अलावा, 10 प्रतिशत राशि लाभार्थी को स्वयं वहन करनी होती है, जबकि शेष राशि की व्यवस्था राष्ट्रीयकृत/सहकारी बैंकों के माध्यम से की जाती है। इस योजना के तहत विभिन्न गतिविधियां शामिल हैं, जैसे सिलाई, कढ़ाई, किराना व्यवसाय, मैन्युफैक्चरिंग, रेडीमेड गारमेंट्स, कपड़े की दुकान, स्टेशनरी, बुटीक और जनरल स्टोर आदि। यह ऋण योजना शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के लिए उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए निगम के जिला प्रबंधक, हरियाणा महिला विकास निगम, कमरा संख्या 52, तीसरी मंजिल, नई बिल्डिंग, मिनी सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला, फोनः 0172-2585271 पर संपर्क कर सकते हैं।